

PUBLISHED BY AUTHORITY

.सं**०** 12]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 20, 1982 (फाल्गुन 29, 1903)

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 20, 1982 (PHALGUNA 29, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be tried as a separate compilation)

# भाग Ш--खण्ड 1

# [PART III-SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 8 फरवरी 1982

सं० पी०-1042/प्रशा०-1—संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में के० स० स्टे० से० के ग्रेड-क श्रिधिकारी तथा स्थानापक्ष श्रवर सचिव श्री टी० एम० कोकल को राष्ट्रपति द्वारा 31-1-1982 (श्रपराह्म) से निवर्तन श्राय प्राप्त हो जाने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहुर्ष श्रनुमति प्रदान की जाती है।

गृह मंद्रालय, कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग की सहमति से देखिए उनके श्रव्याव पन्न संव 3/3/82 सीव एसव 1 दिनांक 1-2-1982, श्री टीव एमव कोकल की निवर्तन श्रायु हो जाने के बाद 1-2-1982 से श्रामे तीन मास की श्रवधि के लिए सच लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में श्रवर सचिव के पद पर पुनर्नियुक्ति की गृई है।

दिनांक 23 फरवरी 1982

सं० ए०-12024/2/80-प्रशा०-ा— संघ लोक सेवा श्रायोग की समसंख्यक श्रिधिश्रवना दिनांक 9-9-1981 श्रौर 4-12-1981 के श्रिधिश्रमण में संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेंच । श्रिधिकारी तचा स्थानापन श्रवर सचिव श्री एम० के० कृष्णन को राष्ट्रपति द्वारा । सितम्बर, 1981 से 28 फरवरी, 1-506@1/81

1982 तक की भ्रवधि के लिए भ्रथवा भागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गांधी भ्रवर सिंचव (प्रशा०) संघ लोक संवा आयोग

गृह मंत्रालय

का. एव प्र. म्. विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं० ए० 2002 3/3/82-प्रशासन-5--निदेशक, केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतष्ढारा श्री जितन्दर सिंह वाडिया को दिनांक 5-2-1982 के पूर्वीह्न में केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में ध्रस्थायी रूप से ग्रगले आदेश तक के लिए लोक अभियोग के रूप में नियुक्त करने हैं।

केन्द्रीय न्याय वैधक विज्ञान प्रयोगशाला दिनांक 24 फरवरी 1982

सं० 1-27/81 सी०एफ०एस०एल०/1504—राष्ट्रपति जी ने डा० एम० के० लहरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक महायक (क्रूट

(3399)

अभिज्ञापक) को केन्द्रीय प्रविज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी, नई दिल्ला तर्दर्थ के आधार पर 6 महीने के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को स्थानापन्न रूप में 19-2-1982 (अपराह्म) से अगले आवेश तक के लिए तब तक नियुक्त करते हैं जब तक कि इस पदको स्थायी रूप से नहीं भर लिया जाता।

# दिनांक 2 मार्च 1982

सं० ए०-31016/1/81-प्रशा०-1 (वि०प्रो०सं०)— राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के० के० अरोड़ा, स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, को दिनांक 20-9-1979 से मूल रूप में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में नियुक्त करते हैं।

> हीरो ए० शहानी प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशासय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 24 फरवरी 1982

सं० ग्रो०वो० 1609/81-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) जी० घेरलाकन्मु को 3-2-1982 के पूर्वाह्स से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक-इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकिस्सा ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

#### दिनांक 27 फरवरी 1982

सं० श्रो० दो० 1313/76-स्थापना — एफ० श्रार० 56 (जे) के श्रन्तंगत श्री जिले सिंह, उप-पुलिस श्रधीक्षक, के०रि०पु० बल, 20 वाहिनी ने सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप श्रपने पद का कार्यभार दिनाक 7-1-82 (श्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं० घ्रो० दो० 1387/77-स्थापना—एक० धार० 56 (जे), के धन्तर्गत, श्री धर्म पाल, उप-पुलिस धाधीक्षक, के०रि०पु० बल, ग्रुप सैन्टर, नागपुर ने सेवानिवृत्ति के फल-स्वरूप ध्रपने पद का कार्यभार दिनांक 15-1-1982 (प्रपराह्न) को त्याग दिया।

### दिनांक 1 मा**र्च** 1982

सं० श्रो० दी० 1455/79 स्थापना - महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाफ्टर श्रनिल कौशल को 19 फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमे जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मे कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप मे नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना) भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1982

स० 10/56/79-प्रणा०-ा—्ड्रम कार्यालय की तारीख 28 प्रप्रैल, 1981 की समसंख्याक प्रधिसूचना के प्रमुक्तम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के सहायक निदेशक (प्रोग्राम) श्री बी० बी० राव को उसी कार्यालय में तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की और श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, विद्यमान शर्ती पर पूर्णतः श्रस्थायी रूप से तवर्ष ग्राधार पर सिस्टम एनालिस्ट के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/11/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाध्य सिविल सेवा के श्रिष्ठिकारी श्री एन० के० चक्रवर्ती को पश्चिक्त बंगाल, कलकसा में जनगणना कार्य निवेशालय में तारी आ 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्म से एक वर्ष से श्रनिधिक श्रविध के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी रूप से तद्य श्रीधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती का मुख्यालय कलकत्ता में होगा। पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस श्रकावमी हैदराबाद-500252, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं०-41/5/76-विविध—भारत सरकार में भ्रपनी प्रतिनियुक्ति की भ्रविध के पूरी होने पर पश्चिम बंगाल की उच्चतर न्याय सेवा के भ्रधिकारी श्री दुर्गादास बनर्जी . ने स०व०प० राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी, हैदराबाद में दिनांक 23-2-82 (ग्रपराह्न) को सहायक निदेशक (विधि) के पद का कार्यभार सीपा।

वि० धर्माराव प्रशासम प्रधिकारी कृते निदेशक

विक्त मन्नालय ग्राधिक कार्य विभाग वैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनोक 24 फरवरी .1982

सं०, बी० एन० पी०/जी०/7/82—इस कार्यालय की श्रधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/ जी०/4/79 विनांक 1-1-82 के अनुक्रम में श्री भार० के० बोबाल की तकनीकी श्रधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तवर्थ म्राधार पर स्थापश्च रूप से की गई नियुक्ति की म्रवधि उन्ही शतौँ पर दिनांक 28-2-82 तक बढ़ाई जाती है।

मु० वै० चार महाप्रवन्धक

### भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

# भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 फरवरी 1982

सं० 392/वा०ले०प० 1/68-81 — प्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) श्री ग्रस० ग्रार० दास, लेखापरीक्षा ग्रधिकारी (वा०) को जो कार्यालय महालेखाकार ग्रासाम, शिलांग में कार्यरत थे को के०स०से० (पेंगन) नियमावली, 1972 के नियम 48-क के उपबन्धो के श्रधीन तारीख 6-2-1982 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति दे दी है।

> एम० ए० सोमेश्वर राव उप निवेशक (वाणिज्यिक)

# नई विल्ली-2, दिनांक 27 फरवरी 1982

सं० प्रशासन-I/कार्यालय आदेश संख्या 474—श्रीमान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय राजस्य) इस कार्यालय के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के श्रागे दर्शाई गई तिथि में श्रगले आदेश तक 840—1200 रु० के बेतनक्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी नियम्त करते हैं:—

| क्रमसं० नाम                                       | तिथि                                  |
|---|---------------------------------------|
| सर्वेश्री<br>1. साधूराम मनचन्दा (स्थायी)          | 25-2-82                               |
| <ol> <li>तरसेम सिद्ध पठानिया (स्थायी )</li> </ol> | (भ्रपराह्न)<br>25-2-82<br>(भ्रपराह्न) |
| 3. सन्त लाल (শ্ব০ জ০) (स्थानापृन्न)               | 25-2-82<br>(भ्रपराह्न)                |

(ह०) स्रापठनीय संयुक्त निवेशक, ले**वापरीका (प्रशास**न)

# रांची, दिनांक 2 फरवरी 1982

। सं० प्र०-2-1511 — महालेखाकार-1, बिहार, रांची ग्रयने कार्यालय के स्थायी श्रनुभाग ग्रिप्तिकारी श्री राम केवल प्रसाद को श्रपने कार्यालय में दिनांक 14-8-81 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेश होने तक स्थनापन्न लेखा श्रिप्तकारी के पद पर सहुर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र०-2-1519—महालखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी सम्बक्षक श्रीक्षकारी श्री इंग्नेयस खोय को श्रपने कार्यालय में विनाक 21-8-81 के पूर्वाह्न से अगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा श्रिक्षकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

(ह०)भापठनीय ुंबरीय उप-महालेखाकार (प्र०) विहार

# रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंस्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 फरवरी, 1982

सं० प्रशा०/1/1818/5/जि० I---श्री के० जी० मैनन, ग्राई० डी० ए० एस० के द्वारा दिनांक 1-8-82 को 58 वर्ष की श्रायु (उनकी जन्म तिथि 2-8-24 होने के कारण) प्राप्त कर लेने पर उन्हें 31-8-82 (ग्रपराह्म) से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जाएगा भौर तदनुसार व मूल नियम 56(ए) की शर्तों के अनुसार दिनांक 31-8-82 (ग्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

सं० प्रणा०/1/1826/5/जि०-ा—श्री मार० विजय रामवन, भाई०डी०ए०एस० के द्वारा दिनांक 3-6-82 को 58 वर्ष की श्रायु (उनकी जन्म तिथि 4-6-24 होने के कारण) प्राप्त कर लेने पर उन्हें 30-6-82 ∤(श्रपराह्म) से पेशन स्थापना को मन्तरित कर दिया जाएगा मौर तदनुसार वे मूल नियम 56(ए) की शतीं के धनुसार दिनांक 30-6-82 (श्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

श्रार० के० माथुर रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

#### रक्षा मंद्रालय

# भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा भार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, विनांक 24 फरवरी 1982

सं० 8/ए०/जी०—राष्ट्रपति महोदय ने श्री छी० पी० चक्रवर्ती, स्थानापन्न ए० डी० जी० छो० एफ०/ग्रेड-1 (मौलिक एवं स्थायी सीनियर डी०ए०डी०जी०ग्रो०एफ०/ प्रबन्धक) को दिनांक 1 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्म) से 3 महीनों की श्रवधि के लिए सेवाकाल-वृद्धि मंजूर की।

> वी० के० मेहुसा सहायक महानिधेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियां

#### उद्योग मंत्रालय

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 24 फरवरी 1982

सं० 12 / 236-प्रशासन (राजपित्रत) — राष्ट्रपित जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई विस्ली के निदेशक, ग्रेड-2

श्री एस० नागराजन को दिनाक 23 नवम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) से ल०उ०से० संस्थान, नई दिल्ली मे तदर्थ श्राधार पर निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/पादुका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### विनाक 2 मार्च 1982

स० 12(614)/69-प्रणासन (राजपित्रत)--निवर्तन की आयु पूरी होने पर, श्री के० सी० श्रीवास्वत, ने दिनाक 30 नवस्वर, 1981 (ग्रपराह्न) से लघु उद्योग सेवा सस्थान, इलाहाबाद के सहायक निवेशक, ग्रेड-1 (यात्रिक) के पद का कार्यभार छोड विया।

स० ए०-19018/534/81-प्रणासन (राजपन्नित)--राष्ट्र-पति जी, श्री डी० के० शर्मा को दिनाक 30 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रावेशो तक लघु उद्योग मेवा सस्थान कानपुर मे सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यानिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निवेशक (प्रशासन)

# वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय (नागरिक पूर्ति मन्नालय)

नई विल्ली-19, दिनाक 23 फरवरी 1982

स० ए०-11013/1/79-स्था०—हस निदेशालय की 11 अगस्त, 1981 की इमी सख्या की अधिसूचना के कम में नागरिक पूर्ति मलालय में स्थानापन्न वरिष्ठ हिंदी अनुवादक श्री पी० एस० रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 कपये के वेतनमान में हिंदी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को पूर्णत अस्थायी और तदर्थ आधार पर 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाल) से 30 जून, 1982 (अपराह्ण) तक अथवा नियमित पवधारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

पी० एस० चीमा मुख्य निदेशक

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनाक 1 मार्च 1982

स० प्र०-1/1(274)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशा-लय मे स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) तथा स्थायी सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रड-III) श्री जे० पी० महेन्द्र निर्वतमान श्रायु होने पर दिनाक 28-2-82 (श्रपराह्म) से मेवा निवृत्त हो गये। एस० एल० कपूर उप-निदेशक (प्रशासन), नई दिल्ली, विनाक 26 फरवरी 1982

स० प्र०-1/1(1187)/82 — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय मे अवर क्षेत्र अधिकारी श्री भास्कर भादुरी को दिनाक 29-1-1982 के अपराह्न से और आगामी आदेशो के जारी होने तक उसी कार्यालय मे सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के रूप पूर्णत. स्थानीय तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री भादुरी की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप मे तद्ये नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का कोई हक नही होगा श्रीर तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा ग्रेड मे वरीयता श्रीर पदोन्नति तथा स्थायीकरण की योग्यता के लिए नही गिनी जायेगी।

# दिनाक 1 मार्च 1982

स० प्र०-1/1(917)—सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति मेवा, समूह 'ए' के ग्रेड-II) के पद पर श्रवनत होने पर श्री एम० पी० गुष्त ने दिनांक 15-2-82 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली मे उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह 'ए' के ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

सोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

# प्रशासन अनुभाग-6

नई दिल्ली, दिनाक 2 मार्च 1982

स० ए०-17011/200/81-प्र०-6 — महानिदेशक, पूरित तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मडल, नई दिल्ली में भड़ार परीक्षक श्री सी० एन० सक्सैना को दिनाक 14 जनवरी, 1982 के पूर्वीह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होंने तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रिधिकारी (इजी०) के पद पर स्थानिषन्न रूप से नियुक्त किया है।

स० ए०-17011/211/1982-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्या-लय मे भडार परीक्षक (इंजी०) श्री बी० एन० मुखर्जी को दिनाक 21 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी प्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरी-क्षण ग्राधिकारी (इजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

> न० म० पेरूमाल उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान मबालय (खान विभाग) भारतीय भूवेजानिक सर्वेक्षण

कलकसा-700016, दिनाक 24 फरवरी 1982

स० 1712-की/ए०-32013(ए० स्रो०)/80-19-ए०---भारतीय भूबैशांकिक सर्वेक्षण के स्रधीक्षक श्री एम० सी० समद्वार को प्रशासनिक ग्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-व०रो०-35-880-40-1000-व०रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में, ग्रस्थायी क्षमता में, ग्रागामी ग्रावेश होने तक 12-1-1982 के पूर्वाह्म से पदोन्ननि पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे० स्थामी नाथ महानिदेशक

# राष्ट्रीय प्रभिलेखागार

नई दिल्ली, विनाक 22 फरवरी 1982

मं० एफ० 8-30/81 स्थापना—श्री तरलोचन मिह, स्थायी श्रधीक्षक श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक श्रीकारी के श्रवकाश पर जाने के परिणामस्वरूप, श्री ए० के० शर्मा, वरिष्ठ श्रधीक्षक को बिल्कुल तदर्थ श्राधार प 22 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्म में श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न प्रशासनिक श्रधिकारी (श्रुप बी० राजपित्रत) के रूप में नियुक्त किया जाता है। तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिए कोई श्रधिकार या दावा प्रदान नहीं करेगी श्रीर वरिष्ठता सबंधी उद्देश्य के लिए ग्रीर श्रगले उच्च ग्रेड में पदीक्रति की श्रव्हंता के लिए नहीं ग्रिनी जाएगी।

उनका वेतन क० 840-40-1000-द०रो०-40-1200 के बेननमाम पर क० 880/- प्रतिमाह निश्चित किया जाना है। एस० ए० आर्ड० तिरमिजी ग्रभिलेख निदेशक

अस्ति र स्व

### म्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरकरी 1982

मं 4(18)/81-एस०-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री बरकत उज जमां खां को 24 विसम्बर, 1981 से अगले आदेश तक आकाशवाणी, नई दिल्ली में विदेश सेवा प्रभाग में अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 25 फरवरी 1982 -

सं० 5(15)/69-गम् ०गक—महानिदेशक, आक्राशवाणी, श्री जे०ग्रार० वाज, को 30 जनवरी, 1982 में अगले ग्रादेश सक आकाशवाणी, पणजी में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(11)/81-एस०एक० -- महानिदेशक, आक्राश- वाणी, श्री सी० पी० राजशेखरन नायर, उद्घोषक, आक्राश- वाणी, क्षिच्र को 11 जनवरी, 1982 से अगले आदेश नक आकाशवाणी, जिच्र में अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(16)/81-एम०-एक —-महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री मोहम्मद सज्जाद रिजवी की 12 जनवरी, 1982 से ग्रमले ग्रादेश तक रेडियो कण्मीर, श्रीनगर में ग्रस्थाय रूप में कार्यत्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

ग० 4(43)/81-एस एक.—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री खेतन प्रकाश व्यास को 27 जनवरी, 1982 से भ्रगले भ्रादेश तक केन्द्रीय विकय एकांश, विज्ञापन प्रसारण सेवा, भ्राकाशवाणी, बश्वई में श्रस्थायी रूप में कार्यक्रम निक्यायक के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 27 फरवरी 1982

मं० 6/16/60-एस-1—सेवा निवृक्ति की श्रायु प्राप्त करने पर, श्री के० एन० प्रसाद, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, वाराणसी, 31 जनवरी, 1981 की श्रपराह्म से सरकारी मेवा से सेवामुक्त हो गए हैं।

> हरीश<sup>ं</sup>चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1982

स० ए०-44014/3/81-डी०—श्री पीं० सीतारमध्या का चिकित्सा सेवा संस्थान, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में ग्रीषधि ग्रीर फार्मेसी के 'परामर्शदाता'' (डिप्टी चीफ प्राफ सिंबस) के पद घर चयन हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 26 दिसम्बर, 1981 से उप ग्रीषधि नियंत्रक (भारत) का कार्यालय, केन्द्रीय ग्रीषधि मानक नियंत्रण संगठन, उत्तरी जौन, गाजियाबाद में ग्रीषधि निर्गक्षक के पद का कार्यभार छोड दिया है।

शिव दयाल उप निदेशक प्रशासन (भण्डार) इ.से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनाक 26 फरवरी 1982

सं ० ए०-39013/1/79-प्र० तृ० — निम्नलिखित सहायक बिपणन श्रिधिकारियो का, इस निदेशालय में उनके द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र, उनके नाम के सामने लिखित नारीख से, स्वीकृत किया गया है .——

- श्री गुरचरन सिंह 10-11-1981 (पूर्वाह्न)
- श्री विवेका गयामेन 10-12-1981 (ग्रपराह्नु)
- 3. श्री के० पी० उपाध्याय 7-1-1982 (म्रपराह्म)

#### दिनाक 27 फरवरी 1982

स० ए.०-19025/48/81-प्र०तू०—संघ लोक सेवा म्रायोग की संस्तुतियों के मनुसार श्री मणिकांन चन्दूलाल माह को इस निदेशालय के भ्रधीन बम्बई में दिनांक 2-2-1982 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेश होने तक स्थानापक रूप में सहायक विपणन विकास श्रधिकारी (शीत संग्रह-प्रशीतन) नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19025/75/81-प्र०त्०—संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्पुतियों के ध्रनुसार श्री रवीन्द्र बहादुर सिंह को इस निदेशालय के प्रधीन नागपुर में दिनांक 1-2-82 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ध्रादेश होने तक स्थानापक्ष रूप में सहायक विगणन प्रधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कुते कृषि विपणन सलाहकार

#### फरीदाबाद, दिनाक 25 फरवरी 1982

सं ० ००-31014/2/81-प्र०-I—कृषि विषणन सलाहकार, भारत सरकार निम्नलिखित अधिकारियों को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय के विषणन अधिकारी (वर्ग 1) के स्थायी पद पर मूल रूप में उनके नाम के ब्रागे विनिर्दिष्ट तिथि से नियुक्त करते हैं:—

| <ol> <li>श्री र० ग्र० खनोरकर</li> </ol> | 19-12-1979 |
|---|------------|
| 2. श्री ह० प० सिंह                      | 31-10-1980 |
| 3. श्री क० सूर्यनारायण                  | 1-10-1981  |
| <b>। श्री क</b> ० क० नर्माबयार          | 1-10-1981  |

5. श्री स० क० सभरवाल

11-0-1981

6. श्री स० सुब्बा राव

1-10-1981

2. उपरोक्त प्रधिकारियों की निम्न पद पर ग्रहणा-धिकार यदि कोई हो तो, विपणन श्रधिकारी (वर्ग 1) के पद पर स्थायी होने की तारीख से समाप्त हो जायेगा। बी० एल० मनिहार

निदेशक प्रशासन

# भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, 9 फरवरी 1982

मं० पी०ए०/79(2)/81-भ्रार० III/—सिविल इंजी-नियरी प्रभाग/परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई से स्थानान्तरण होने पर श्री शंकरन शिवराम कृष्णन, महायक कार्मिक ग्रिधि-कारी ने भा०प०ग्र० केन्द्र में 4 फरवरी 1982 (पूर्वाह्न) से सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी का पदभार संभान लिया।

#### दिनांक 17 फरवरी 1982

सं० पी०ए०/79(4)/80-प्रार० III—नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रनुसंघान केन्द्र श्री श्रीनिवास रामचंद्र पिगे, सर्लेक्शन ग्रेड लिपिक को सहायक कार्मिक श्रीधकारी (रुपये 650—960) पद पर कार्य करने हेतु 28 दिसंम्बर 1981 (पूर्वाह्म) से 12 फरवरी 1982 (श्रपराह्म) तक तदर्भ हम में नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमारा मेनोन उपस्थापना श्रधिकारी

### बम्बई-400085, विनांक 18 फरवरी 1982

सं० 5(5 म्र)/81-स्थायीकरण/616—निदेशक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र इसके द्वारा निम्नलिखित म्रधिकारियों को मूल रूप से वैज्ञानिक म्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० पद पर भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1979 से नियुक्ति करते हैं:--

| क्रमांक नाम  | वर्तमान ग्रेड | प्रभाग                     | भा० प० इप० केन्द्र<br>में स्थायी पद |
|--|---------------|----------------------------|-------------------------------------|
| 1 2  | 3             | 4                          | 5                                   |
| <ol> <li>श्री एम०एस० चतुर्वेवी<br/>(जी०/104/27)</li> </ol> | एस०सी०        | पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं | वैं० सहा० (सी०)                     |
| 2. श्रीवी०बी०/वोर्ग<br>(जी०/701/132)                       | एस०मी •       | विकिरण मुरक्षा प्रभाग      | वै० सहा० (सी)                       |
| 3. श्री एम० नामलवार<br>(जी०/406/102)                       | एस०सी०        | इँधन पुनसँसाधन             | ंफोरमैन                             |
| 4. श्री एम० के० बनोदकर<br>•(जी०/602/197)                   | एस॰सी ०       | तकनीकी भौतिकी              | वै० सहा० (सी)                       |
| 5. श्री एच०एफ० गिल्बर्ट<br>(जी०/508/196)                   | एस०बी०        | रिएक्टर इंजीनियरिंग        | वै० सहा० (सी)                       |
| 6. श्री एस॰एस॰ दिवेकर<br>ॄ(जी॰/509/132).                   | एस०सी०        | रिएक्टर परिचालन ु}         | स <b>हा</b> ० फोर <b>मैन</b>        |

| 1 2  | 3                | 4                          | 5                     |
|--|------------------|----------------------------|-----------------------|
| 7. श्री जी ०एन० मेलवानी  | एस०मी०           | विक्लेषणात्मकः रसामनिकी    | ड्रा० मैन (सी)        |
| (जी०/501/89)<br>8. श्री वी०एन० नायक                                    | एस <b>०</b> मी०  | स्वास्थ्य भौतिकी           | वै० सहा० (सी)         |
| (জী০/305/193)  | Zuvilla          |                            | (- (6)- (11)          |
| 9 श्रीएम०त्री०भावसार<br>(जी०/4.03/58)                                  | ए <b>स</b> ०सी ० | तकनीकी सेवाए               | फोर <b>मैं</b> न      |
| 0 श्री एस० गणेशन   | एस०सी०           | रिएक्टर नियंत्रण           | <b>बै</b> ० सहा० (सी) |
| (जी०/303/76)<br>1. श्री वी०के० कथूरिया<br>(जी०/701/135)                | एस० सी०          | विकिरण सुरक्षा प्रभाग      | वै० सहा० (सी)         |
| 2. श्री एम० मार० मेनन<br>(जी०/702/48)                                  | एस ० सी ०        | विकिरण सुरक्षा प्रभाग      | वै० सहा० (सी)         |
| 3. श्री जे॰वी॰ सतम<br>(जी॰/602/100)                                    | एस०सी०           | तकनीकी भौतिकी              | वै० सहा० (सी)         |
| 4. श्री के॰जी॰ थोसर<br>(जी॰/509/133)                                   | एस०सी०           | रिएक्टर परिचालन            | फोरमैन                |
| 5. श्री पी०डी० पाटिल<br>(जी०/406/96)                                   | एस०सी०           | ईंधन पुनर्ससाधन            | ब्रा० मैन (सी)        |
| 6. श्री एस०एल० दिखोलकर<br>(जी०/104/28)                                 | एस ०सी ०         | पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं | वै० सहा० (सी)         |
| 7. श्री पी०श्वार० सुंदर राव<br>(जी०/601/209)                           | एस०सी०           | नाभिकीय भौतिकी             | वै० सहा० (सी)         |
| 8. श्री सी०पी० रामचन्द्रन<br>(जी०/409/25)                              | एस०सी०           | भारी पानी .                | बै० सहा० (सी)         |
| 9. श्री एन० एस० भ्रय्यर<br>(जी०/510/69)                                | एस ०सी ०         | भार-5 परियोजना             | वै० सहा० (सी)         |
| 0. श्री डी॰पी॰एस॰ भस्ला<br>(जी॰/406/103)                               | एस <b>ःबी</b> ०  | इँधन पुनर्ससाधन            | <b>ड्रा० मैन</b> (सी) |
| 2.1. श्री एस० के० कुलकर्णी<br>(जी०/4.0.2/9.6)                          | एस०सी०           | केन्द्रीय भंडार यृनिट      | ड्रा० मैन (सी)        |
| 22. श्री जी०बी० भट<br>(जी०/601/216)                                    | एस०सी ०          | नाभिकीय भौतिकी             | वै० सहा० (ही)         |
| 2.3. श्री वॉ॰पी॰ देशमुख<br>(जी॰/506/111)                               | एस०सी०.          | विकिरण तकनीकी              | ड़ा० मैन (सी)         |
| (জা-/১০০/111)<br>24. श्रीवी०वी० दिक्षित<br>(জी०/601/212)               | एस०सी०           | नाभिकीय भौतिकी             | ष्ट्रा० मैम (सी)      |
| 25. श्री ए०एन <b>० वैद्य</b><br>(जी०/506/32)                           | एस०सी०           | भाइसोटोप                   | बै० सहा० (सी)         |
| (आभ <i> 300 32)</i><br>26. भी मंकररामन <b>कु</b> ष्णन<br>(जी०/301/220) | <b>ल्स०सी</b> •  | इलें क्ट्र ॉलिक्स          | बै० सहा० (सी)         |
| (आर <i>्विडा,220)</i><br>27. श्री एस० झार० सावंस<br>(जी०/601/214)      | ए <b>स</b> ०सी०  | नामिकीय भौतिकी             | ड़ा० मैंन (सी)        |
| (जार/601/214)<br>28. श्री जे० एस० चावला<br>(जीरु/601/213)              | एस०सी०           | नाभिकीय भौतिकी             | ड़ा० मन (सी)          |
| (सार्/८०४/215)<br>29. श्री वी० मार० चवान<br>(जी०/104/29)               | एस <b>्बी</b> ०  | पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं | वै० सहा० (सी)         |
| (आर) 10 म् 23)<br>30. श्री एम्च० परेरा<br>· (जी०/508/216)              | एस ० बी ०        | रिएक्टर इंजीनियरी          | फोरमैन                |
| (आ०/308/210)<br>31. श्री एस०पी० चक्रवर्ती<br>(जी०/305/213)             | ए <b>स</b> ०सी०  | म्बास्थ्य भौतिकी           | वै० सहा० (सी)         |

सं० 5(5म)/81-स्थायीकरण/617 — निवेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केंद्र इसके द्वारा, श्री ए०वी० मुधोलकर, श्रस्थायी वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर एस०सी० कार्मिक प्रभाग को मूल रूप में वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर एस०बी० पद पर भाभा परमाणु श्रनुसंधान केंद्र में 1 फरवरी 1979 से नियुक्त करते हैं।

> राम लाल **बत्ना** उपस्थापना **ग्रधिका**री

# परमाणु ऊर्जा विभाग

# नरोरा, परमाणु विश्वत परियोजना

नरौरा विनांक 1 मार्च 1982

सं ० न ०प० वि ०प० / प्रशा ० / 1 (110) / 82-एस० / 3439 — परियोजना के सहायक कार्मिक प्रधिकारी, श्री सुभाव चन्द्र जैन ने, भाभा प्रनुसन्धान केन्द्र बस्बई में स्थानास्तरण पर, ग्रपने पद का कार्यभार 24 फरवरी 1982 के ग्रपराह्न में छोड़ दिया।

ग्रार०के० वाली, प्रशासन ग्राजकारी-III

# परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, विनांक 24 फरवरी 1982

सं० प०खा० प्र0-2/3262/81-प्रमासन — परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक ने श्री बी० देव-दास, वैज्ञानिक ग्रिधकारी/एस०बी० का त्यागपन्न स्वीकार कर लिया है। श्री बी० देवदास ने 22-12-1981 के अपराह न से ग्रपने पद का कार्यभार छोड दिया है।

म० सु० राव, वरिष्ठ प्रणासनिक एव ले**खा प्रधिकारी** 

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1982

सं ए० 32014/4/81-ई सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित पांच संचार सहायकों को जो इस समय सहायक संचार अधिकारी के ब्रेड में तदर्थ आधार पर पर कार्य कर रहे हैं विमांक 8-2-1982 से सहायक संचार अधिकारी के ब्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है भीर इन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:--

| ऋम सं०   |                            | तैनाती र         | <br>स्टेशन      | _      |
|----------|----------------------------|------------------|-----------------|--------|
| <u> </u> |                            | 3                |                 |        |
| 1 577    | सर्वश्री<br>ः गोधिन्दराजल् | वैमानिक          | सं <b>चा</b> 'र | स्टेशम |
| T- 3415  | नामिष्यसम्                 | नागपुर<br>नागपुर | 11411           | (८सग   |

| 1 2                                 |                                    | 3              |                 |
|-------------------------------------|------------------------------------|----------------|-----------------|
| 2 यू०पी० विश्वनाथ                   | वैमानिक<br>बम्बई                   | सचार           | स्टेशन          |
| 3. की० एन० चटर्जी                   | र्वंगानिक<br>क <b>लकस</b> ा        | स्चार          | स्टे <b>ण</b> न |
| <ol> <li>संदुष्पार चन्दा</li> </ol> | बमानिक<br>कलकक्ता                  | सचार           | स्टेशन          |
| 5. के० <b>एस० म्</b> ति             | <b>बै</b> मानिक<br>ना <b>ग</b> पुर | सं <b>चा</b> प | - स्टेशन        |

प्रेम चन्द्र, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर क्रिमामन

### नई विल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

र्सं० ए०-38013/1/81-ई०ए०—विमानक्षेत्र ग्रिध-कारी के कार्यालय, श्रीनगर के श्री डी०डी० वत्तू, विमानक्षेत्र ग्रिधकारी ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर विनोक 31-10-81 से भ्रम्भे पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> सुधाकर गुप्ता, उप निवेशक प्रणासन

# नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1982

सं• ए० 38013/2/81-ई०सी०---नागर विमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन के निम्निनिवित चार प्रधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन से निवर्तन प्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 जनवरी 1982 (प्रपराह्म) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:--

|  | . <u>— · —        </u><br>ाम | तैनासी स्टेमन               |                    |                 |
|--|------------------------------|-----------------------------|--------------------|-----------------|
| सर्वश्री                                   |                              |                             | <del></del>        |                 |
| ा <b>एम</b> ० के<br>ितकसीकी म              |                              | वैमामिक<br>कलकसा            | सचार               | स्टेजन          |
| 2. ए <b>म</b> ० पी<br>तकनीकी ग्र           |                              | वै <b>मा</b> निक<br>कलकत्ता | सं <b>चा</b> र     | स्टे <b>ग</b> न |
| 3. <b>भाई</b> ० स<br>सहायक सं <sup>क</sup> | रकार<br>बार श्रधिकारी        | वैमानिक<br>कलकत्ता          | संचार              | स्टेशन          |
| 4. पी० एस<br>सचार ग्राधि                   | ० राजू                       | वैभानिक<br>बम्बई            | सं <b>घा</b> र<br> | स्टेशन<br>      |

#### दिनांक 24 फरवरी, 1982

संब्यु 32013/2/81-ईब्सीब्-स्पष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी **प्रधिकारियों को,** प्रत्येक के नाम के सामने दी गई नारीख से छ : माम की प्रविध के लिए शौर विए गए स्टेशन पर तकनीकी **प्रधिकारी के ग्रेड** में तद**र्थ** ग्राधारपर नियुक्त किया है :---

| क्रमे सं० नाम          | वर्तमान तैनाती स्टेशन                  | नया तैनाती<br>स्टेगन             | कार्य <b>ग्रहण</b><br>करने<br>तारी <b>ख</b> |
|------------------------|--|----------------------------------|---|
| 1. श्री एच० सी० निवारी | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहबाद | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इर | •   |
| 2. श्री जे०एस० सरीन    | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाह्बाद | वैमानिक संचार स्टेशन, पालम       | (पूर्वास्त्र)<br>6-2-82<br>(पूर्वास्त्र)    |

प्रेम चन्द, सहायक निदेशक प्रशासन

# नई विल्ली, विनांक 24 फरवरी 1982

सं०ए०-12025/8/77-ई०एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति ने श्री झार०पी० साही को विनांक 24-12-81 से श्रीर श्रन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में विमान सुरक्षा श्रीधकारी (इंजी०) के पद पर स्थान।पन्न रूप में नियुक्त किया है श्रीर महानि-देशक नागर विमानन रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली के कार्यालय में तैन।म किया है।

#### विनांक 1 मार्च 1982

सं०-ए०-32013/4/79-६०एस०---राष्ट्रपति ने श्री ए० बागची, विमान निरीक्षक को दिनांक 26-12-81 से छः मास की ग्रवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, वरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में नवर्ष श्राधार पर नियुक्त किया है।

> जे० सी० गर्ग, सहायक निदेशक प्रशासन

# समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 26 फरवरी 1982

सं० 1/82 ---भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 14 दिसम्बर, 1981 के प०मं० ए०22012/105/81-ए०डी०-11 के ग्रंतर्गत जारी ग्रादेण कमांक 221/81 के द्वारा इस समाहर्ता क्षेत्र में तनात के फलस्वरूप श्री दिपक सनन परिवीक्षाधीन ने दिनांक 11 जनवर्रा, 1982 के पूर्वान्ह में वरिष्ठ ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, मुख्यालय, नागपुर के कार्यालय का पद भार संभान लिया।

के॰ शंकररामन, समाहर्ता

### केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 फरवरी 1982

सं०-ए० 19012/867/80-स्था० पांच—- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग एतद् द्वारा श्री पी०के० चौधरी, पर्यवेक्षक को ग्रितिरक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में पूर्णतया ग्रस्थायी तथा तदर्य ग्राधार पर रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-४०रो०-40-1200 के बेतनमान में 29 सितम्बर, 1980 की ग्रंपराह्म से 6 महीने की ग्रंवधि के लिये नियक्त करते हैं।

#### दिनांक 1 मार्च 1982

सं०ए०-19012/956/81-स्था० पांच—- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० आर० दास, पर्ववेक्षक को श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में 11 दिसम्बर, 1981 की अपराह्म से छः महीनें की अवधि तक अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

के० एल० भंडूला, श्रवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनिय के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर भेसर्स बिको मेख कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
अयपुर, दिनांक 20 मार्च 1982

 $\frac{\dot{\pi} \circ / 1372 - - \dot{\pi}}{1372} = \frac{1956}{1372}$  की प्राप्त की प्राप्त (5) के प्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना

दी जाती है कि मेसमं बिको मेच कम्पनी, प्राईवेट लिमिटेड का नाम उक्त रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० पी० दीक्षित, कम्पतियो का रिजस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कम्पर्ना श्रिधिनियम 1956 श्रीर ईमिऊनो कैमिकल लैंबोरेटरा लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं०-11942/560(5)—-कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 500 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद् हारः सूचना की जाती है कि ईमिंऋतो कैमिकल लैंबोरेटरी लिमिटेड का भाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

# कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर ड्रेस-भ्रो-मेटिरियलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 23 फरवरी 1982

मं० 2684/560(3)— कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-बारा यह सचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन माम के अवसान पर ड्रेम-श्रो-मिटिरियलम् प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेंगा और उक्त कम्पनी विघटित करदी जायेंगी।

कम्पनः प्रधिनियम 1956 श्रीर श्रार० सि०ए० ईस्पात कोक लिमिटेड के विषय मे

कलकत्ता, दिनाक 23 फरवरी 1982

सं०-29264/560(3)—कस्पनी स्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-ढारा यह राचना ही जाती है कि इस नारीख़ से तीन माम के अवसान पर आर०सि०ए० ईस्पात कोक लिमिटड का नाम इसके प्रतिहल कारण दिणत न विया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जायेगी। कम्पती श्रधिनियम 1956 श्रीर मेटकाशलस् एण्ड हार्ड प्राक्ष्वेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं० 32351/560(3)—कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के अवसान पर मेटकाशलस् एण्ड हार्डनर प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कस्पनी विषटिन कर दी जायगी।

एस०म्रार०वि०वि० सत्यनारायण कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर मैं० क्विक कैरियरस प्रा० लि० के विषय में।

हैदराबाद, दिनाक 25 फरवरी 1982

सं०-1454/560 -कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 56( की (5) के अनसरण में एतद्दारा सूचना दी जार्त है कि मैं० क्विक् कैरियरस प्रा० लि० का नाम श्राज रजिस्टा में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> वि० एस० राज् कम्पनियों का रजिस्ट्रार, भ्रांन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

# ग्राय-कर प्रपील प्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 24 फरवरी 1982

संल्प्फल-48-ए०डी० (ए०टी०) 82 — श्री एन०सी० चतुर्नेदी, स्थायी हिंदी अनुवादक, ग्राय-कर ग्रंपील ग्रंधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद की ग्राय-कर ग्रंपील ग्रंधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ भ्राधार पर ग्रस्थायी क्षमता में महायक पंजीकार के पद पर दिनाक 15-2-82 (श्रंपराह्म) में तीन महीने की श्रंबंधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी गींघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है स्रीर यह श्री एन० सी० चतुर्वेदी को उसी श्रेणी मे नियमित नियुक्ति के लिए कोई दाव) प्रदान नहीं करती तथा तदर्थ आधार पर प्रदत्त मेवाए उसी श्रेणी में बरीयता के श्रीभिप्राय से न तो परि-गणित की जाएंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्तत किये जाने की पालता ही प्रदान करेंगी। श्री सुरेन्द्र प्रसाद, स्थायी हिंदी श्रनुवादक, श्रीय-कर ग्रंपील श्रीधकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई को श्रीय-कर ग्रंपील श्रीधकरण, बंगलीर न्यायपीठ, बंगलीर में तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 15-2-1982 (श्रपराह्न) से तीन महीने की श्रवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेनु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीझतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तद्दर्थ प्राधार पर है और यह श्रीक युरेन्द्र प्रसाद को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करती तथा तद्दर्थ प्राधार पर प्रदस्त सेवाएं उसी श्रेणी में वरीयता के प्रक्षिप्राय से न तो परि-गणित की जाएंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्तत किये जाने की पावता ही प्रदान करेंगी।

बी०बी० पालेकर, अध्यक्ष

# प्ररूप आर्धः दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, शहमवाबाद

शह्मवाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निवेश सं० पी० भार॰ 1432/एकवी०-23-II/81-82---भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्भ,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के ज्भीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी नोद नं 1722-1723, वार्ड नं 8 है तथा जो गोपीपुरा मंजिल रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनु-भूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण धिक्तियम, 1908 (1908 का 18) के भीन जुन 1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम, के क्थीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः⊸– (1) श्रीमती चन्द्रवाली रजनीकान्त दलाल,
18, धनलक्ष्मी सोसाईटी,
मंणीनगर, ग्रहमदाबाद ।
श्रीमती नेखाबेन रजनीकान्त दलाल,
पारेण रजनीकान्त दलाल,
हीतेश ,, ,,
छुष्नकुमार ,, ,,
पी०ए० होल्डर रजनीकान्न चमपकलाल
18, धनलक्ष्मी सोसायटी, मणीमगर, ग्रहमदाबाद
में सब रहते है ।

(अन्तरक)

(2) श्रीपाल श्रपार्टमैन्ट को-श्रॉप-ह्रॉ-सोसायटी का मन्स्री, कालपम सोसायटी, ग्रडाजन रोड, सूरत । श्री हसमुखलाल पनाचन्द, काटयाकनगर सोसायटी, रानवेर रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कन सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जने को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, थो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1922~23, वार्ड नं० 8, गोपीपुरा, मेथिन रोड, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

सारी**ख**: 3-2-1982

### प्रकप भाई० टी० एन० एस●

धायकर ध्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-ा], श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० नं० 106-ए-बी०, 112-बी, 113-बी, 115-बी है तथा जो एस० नं० 47, उम्रा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1981

कों। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें प्रन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त घिषियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिष्टियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात:--- (1) श्री नटबरलाल छगनलाल मोदी, श्री प्रवीणचन्द्रा ,, ,, रानी तलाब, भारवानधवार्ड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री णाह गोतमलाल जीवनमभाई, गोपीपुरा, श्रोसवाल महोरुला, सूरत । पोयूप बाबूलाल शाह; 35, करुपना सोसायटी, श्रदाजन रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्यत्ति के यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्बों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### न्युस्पी

मिलकत जो एस० नं० 106-ए-बी, 112-बी, 113-बी, 115-बी, 116-बी, एस-47, उम्रा, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 3-2-1982

मीहर 🖰

# प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 393/5, वेंसुमा, सब- जिला, सूरत हैं सथा जो सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत म रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन जून, 1981

का पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रिक्तिल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का करण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मों कभी करने या उससे अधने मों सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, नुर्धात्ः—

| (1) | श्री मनस्रल | ाल नातुभाष | बागेला, |
|-----|-------------|------------|---------|
|     | वसन्तलाल    | 1)         | 11      |
|     | रतीलाल      | "          | 71      |
|     | ज्योती शकुम | ार ईशवरलाल | ,,      |
|     | कीर्तीकुमार | "          | ) )     |
|     | कमलेण       | 11         | n       |
|     | बेगामपुरा,  | कुवरसीनगनी | सोरी,   |
|     | सूरत ।      |            |         |
|     |             |            |         |

(अन्तरक)

- (2) श्री बनराज राजदेव सिंह माक़ोर,
  - (2) हनसराजसौनह
  - (3) रमेश सं/नह
  - (4) भारत ,, ,
  - (5) हरी**ह**र ,,
  - (6) बिजय ,, ,, जालीन मन्दिर के सामने, श्रतवा, सुरत ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस् वी

मिसकत जो एस० नं० 393/5 (पैकी) वेसुमा, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबादः।

ता**रीख**: 2-2-1982

मीहर ा

(1)

# प्रक्रम आई० टी० एन० एस०---

आयक्र घिविषयम, 1961 (1961 का 43) न घारा 269-व(1) द यधीन स्वता

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-[I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

धौर जिसकी मं० टी० पी० एस० एफ० पी० नं० 15, 16, 62, मजुरा है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत से रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1981

को पूर्वीक्ष सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है धीर मुझे यह बिष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उत्तिक वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह पनिश्चत से पिक है धीर यह कि अस्तरक (अन्तरकों) अप अस्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उच्छ अस्नरण लिखित में बास्नविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण सं तृष्ट किसी साय. की बाबत उक्त श्रीधियम के स्रधीन कर देने के सस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी हिसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी जारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा कियाने में सचित्र के लिए;

शतः पद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के बनुसरण में, में, खनत अधिनियम की धारा 269वण की बधीम, निक्तिलिखित व्यक्तियों, संबीद :---

(1) श्री मोहम्मद याक्ब कादरमिया भारवानद रोड, रानीतलाव, मूरत। म्रबीबी कादरमिया, वही भ्रब्दुलाखा छोट्रमिया वही गुलाम वही गुलाम हैदर वही सोहराबीबी छोटुमिय्या, श्रमबाई----रेशमबाई, सूरत । सुगराबीबी कादरमिया, नवाबरोड, सलामतपुरा, कुलम्कतयार, न ० २--७, नं० 1, मोहम्मद याकूब कादर मिया, ऋल्लारखी, उर्फ बीलकीसाबागु छोटु-भाखादवार्ड, रणीतलाब, कुलमुरतयार, श्री चमपकलाल चूणी लाल जीलाल, नानपुरा, तिमिलयार्ड, सुरत।

(अन्सरक)

(2) प्रमुख ग्रौर सिखव : योगी कूपा को-श्रो-है० सोमायटी लिमिटेड,
श्री जितेन्द्रा दीमनी डानकर चवला,
ग्रनमारम मुखाडनी पोल,
बालाजी रोड, सूरत ।
साकाभाई, केशवभाई पटेल,
दली चनदे नगर, जानपुरा,
सूरत।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

**एक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में काई भी आक्रेप** :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 विन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवळ मिसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंग।

हराबदीक्ररण:---इसमें प्रपुत्रन शब्दों और पर्दोत्रा, जो 'उस्त बधि-नियम', के बाध्याय 20-क में परिवाधित हैं; बही श्रवें होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

#### अमुसूची

मिलकत जो टि॰ पी॰ एस॰ 6, एस॰ पी॰ नं॰ 15, 16, 62, मजुरा, जुन, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

(जी० सी० गर्ग) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज—11, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-2-1982

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

थायकर यमि**नियम, 1**961 **(1961 का 43) की धारा** 26**9-थ (1) के प्रधीन सूच**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीर पन्नप राणिकारों की यह विख्वाम करने का कारण है। क स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से मधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 63/1, हिस्सा-8, पार्ट-4, है। तथा को उम्रा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय स्रत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीध है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीं) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूरिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् :—-

(1) श्री प्राणलाल छुणीलाल कनसारा, 13/25, नवजीवन सोमाईटी, लायीगढ़ रोड, वाम्बे।

(मन्तरक)

(2) प्रमुख भ्रौर सचिव, चन्ना पार्क-को-भ्रो-है-सोसाईटी, श्री राकेश कुन्दनलाल कापाधिया, 7/716, हरीपुरा, धवानीवार्ड, सूरत किशोरकुमार चन्द्राकान्त छोकरा, भ्रनुगर, मोहल्ला, नानपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्यक्ति के ब्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तम्मन्त्रची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितवस किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त प्रक्ति-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

मिलकत जो एस० नं० 63/1, हिस्सा-8, प्लाट 4, उम्प्रा जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-2-1982

महिर:

# प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

# ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1437/एक्की/23-I/81-82—श्रतः मुक्षे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ज के अधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वसास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्दित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भीर जिसकी सं०. नं० 800, अतरा, है। तथा जो सूरत मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुन, 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल है और वृश्यमान प्रतिफल है और अन्तरह (अन्तरहों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त पत्तरण निखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से तुई कियी श्राय को बाबत उक्त श्रधि-तियन के अधीन हर देने के अन्तरह के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (क्का) ऐसो किसी आय या कसो धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रताजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुक्किश के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, व्यक्तिः—
3—506GI/81

(1) श्री योगेशकुमार छगनलाल, मनोजकुमार ,, , छगनलाल मूलछन्द शाह का पी० ए० होल्डर गांव कादोव, ताल० बारदोली, सूरत।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) डा० बानिकम नटवरलाल शाह दीवाली भाग, मूरत।
  - (2) छगनलाल मूलचन्ददास शाह, कादोद—ताल० बारशेली।
  - (3) कुषमटबेन छगनलाल, कादोद-ताल० बारदोली
  - (4) दीपककुमार श्रम्प्रतलाल माह, निमा एपार्टमेन्ट, गोपीपुरा, सूरत।
  - (5) किणोर भाई अमृतलाल शाह नवसारी बाजार, भूरत।
  - (6) कीरती लाल पोपटलाल शाह, राज एपार्टमेन्ट काजी मेंदान, मूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हिसक्द किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रध्येहस्ताक्षणी के पास लिखित में किये जा सर्कों।

स्यध्वीकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों का, जो उनत अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में स्थिग गया है।

#### अनसची

मिलकत जो एस० नं० 800, श्रथचा सूरत जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982

# प्ररूप बाइ . टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश मं० पी० म्नार० 1438/एकवी/23—II/81—82—— भ्रप्तः मुझे, जी० सी० गर्ग

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी०/ग्राई एन डी/178, है। तथा जो उधना उद्योगनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दी उधना उद्योगनगर सहकारी सनग लिमिटेड, सेन्ट्रल रोड नं० 10, उधना, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सपान डायगेनास्टिकस प्राईवेट लिमिटेड, 61, श्रादर्श सोमाईटी, श्रथवा लाईन्स, भूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो प्लाट नं० बी/ईनड/173, उधना, सूरत जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

बृतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 3-2-1982

# प्रक्रम भाई • ही • एन • एस • -

# थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने ब्राचीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाध, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० म्नार०नं० 1430/एकली/23-II/81-82 ---म्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' सद्दा गया है), की धारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 30 से प्रविक्त है

ग्रांर जिसकी सं० हैलाल सादाण, हरीपुरा, गोकानता, है। तथा जो मेथिज रोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बवापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्वह प्रतिस्तत से अधिक है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया नया प्रसिफल, निम्नलिखित छह्मय से उच्त सम्तरण लिखित में वास्तिबक इप से कवित नहीं किया गया। है !---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उपत श्रिष्ठानियम के श्रीत कर देने के ग्रन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घाष्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिर्मियम, या धन-कर भिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री शशीकान्त मोतीलाल दलाल— वीगनेश्वर एस्टेट, नानपुरा, सूरत।

. (अन्तरक)

- (4) सुरेशचन्य नरोतमभाई शाह, दलाल सदन, हरीपुरा, गोकानता, सूरत।

सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के भार्तन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल के 20 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घिनियम के घच्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस घडवाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

मिलकत जो वार्ड नं० 5, नोद नं० 1976, हरीपुरा, गोका-नत मिलन रोड, सूरत, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

तारीख : 3−2−1982

मोहर ः

प्रक्रप प्राई० टी● एन० एस•---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694(1) के भ्रमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 24, टिपिएस. 5, एफ० पी० 600-ए है। तथा जो पैकी, अतथा में स्थित है (और इसमे उपायद्ध अनुसूधी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रणिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ए, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक का में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आप की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के वाधित्व में कमी करने था जससे राजने में सुविध्य के लिए, भौष/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्रीमती भानुभाई भानामती थीमेर, नवनीरमान सोसाईटी, नःमलीयावार्ड, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रजीतभाई नारसीनह भाई पटेन, गयानदीप सोसाईटी, दूसरी मंजिल, श्रतवा गेट, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके श्रजंन के निय कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस मूचना के राजवल में प्रकाशन की तारी के लें की प्रविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के ब्रघ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 24, टी० पी० एस० 5, एफ० पी० 600-ए० (पैकी), अतया जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 3-2-1982

प्रकप भाई० टीट एन० एस०---

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 4 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० न०  $1441/\sigma$ कवी/23-U/81-82—ग्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग

श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं विलेण पाल, नालूका चोरयासी है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूफ से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण कि बिबत में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई कियी ब्राय की बाबत, शकत भिन्नयम के भिन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री शाहेरीयारजी वारजेरजी मंदि। उनका कुलमुख्तयार श्री हमी शाहरीयार मोदी, रासीस, बुड हैस रोड, कोलाबा, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) नारसीभाई गोविन्द भाई पटेल, दमख, ता—-चोरयासी, (2) श्रजित भाई नारमीभाई पटेल, गयनदीप सोसाईटी, ग्रतवा गेट, सूरत।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यकाहिया करता हं।

उक्त तम्पत्ति के प्रवंत के पम्बन्ध्र में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रतागत की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मन्द्रन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### नम्स्ची

मिलकत जो पाल, एस० नं० 590, 591,/1,591/1/1, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 3 फरवरी, 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्मूने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 9/1304, बालाजी रोड, है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नृष्टी किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; मार्ट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती सरलाबेन रमणीकलाल मेहता, निलेश शशीकान्त ,, शशीकान्त रमणीकलाल ,, श्रौर दूसरे, पंकज शशीकान्त ,, के द्वारा सुनील भुरवणवाला, ''देवरश्री'' कासाय पाल्ली, सोसाईटी, तिमालीयावार्ड,

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सारणम श्रौरगनाईसर्ज , 10/710, हावाडीया चकला, बालाजी रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध शो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कृष्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1304, वार्ड नं० 9, बालाजी रोड, सूरप्त जून, 1981 में एजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1[, ग्रहमदाबाद ।

अत: जब, उमत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, जों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन निक्तितिवृत्तित व्यक्तियों, जर्भात् :---

तारीख: 3-2-1982

# प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 1443/एकवी/23-II/81~82 ---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० उम्रा एस० नं० 41/8 पैकी जमीन है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीज ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में साहनविक हा में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरम मे हुई िक्सो स्राय को बाबत, उक्त स्रिध-नियम के स्रधीन कर देने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए, सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री पारेषा ताकोरभाई नायीक के द्वारा ताकोरभाई मगन भाई नायीक, 10, कादयपल्ली सोमाईटी, नानपुरा, सुरत।

(अन्सरक)

(2) श्री मिलान कान्तीलाल मेहता, जोली मिलन मेहता, महाबीर एपार्टमेन्ट, ग्रथवा कलिनम, मूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारो कर ह पूर्वा स्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की स्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 बिन की स्रविध, जो भी स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पढतो करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो उम्रा एस० नं० 41/8 पैकी, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- , ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. एस्.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1444/एकवी/23-II/81-82 ----भ्रतः, मुझे जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० सी० एस०न० 2/4882/9 श्रीर 2/4882/ 10 है। तथा जो लाल दरबाजा रोड, एस० टी० सदानन्द के पास कामबे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कामबे/ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-6~1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्टविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उसत अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व माँ कमी करने मा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) (1) श्री णाह चिमनलाल गभुभाई, चौकवनी पोल, कामबे, (2) णाह मणीलाल गभूभाई मलीपास बाबू भाई, एसं० टी० सदानन्द के पास, सदेरान रोड, कामबे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रसीयावेन सीराजभाई मीयामवाला, वोरावाड, डाला रोरी, कामबे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्में :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्ची

जमीन श्रौर मकान जो सी० एस० नं० 2/4882/9 श्रौर 2/4882/10 लालदरवाजा रोड के पुर्व भाग में, एस० टी० सदानन्द के पासे, कामबे शहर में स्थित है श्रौर जो विक्रीखाता नं० 1325—में सम्पूर्ण वर्णित में कामबे सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 29-6-81 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-[], श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1982

# प्रकृप भाई०टी० एन० एस०----

प्रायकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-II, ग्रहमसाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1445/एकवी 23—<sup>II</sup>/81—82 —-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राथात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- व० से घिषक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 2932/1 (भाग) श्रीर 2935/2 है। तथा जो लाखावाडे पाट, नडीयार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नौडीयांड में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-6-1981

को व्रबंकित सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है।-

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किया धन या स्रम्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या स्वन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्विधा के लिए;

अतः प्रय, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनन प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रश्रीननिम्नत्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

4-506GI/81

(1) श्री जगमाई छोटाभाई पटेल, बुझाल बाजार, नडीयाड ।

(अन्तरक)

(2) नीककमल को-ग्रो-है-सोसायटी लिमिटेड के द्वारा सचिव ग्रमबु भाई बुधाभाई, कुबेरनगर, नडीयाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण ।---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, को उन्त भिर्मियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में विमा गया है।

# अनुसूची

खुल्ला जमीन जो एस० नं० 2935/1 (भाग) ग्रीर 2935/2, लाखवार्ड पाटी विसार में, नडीयाड में स्थित है ग्रीर जो बिक्रीखत रिजस्ट्रार नं० 4668 पर सम्पूर्ण विणित में तारीख 20-6-1981 में नडीयाड सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाणाद ।

तारीख: 5-2-1982

महिर :

\_\_\_\_\_

# प्रारूप आहर्. टपी. एन . एस . -----

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- , ग्रहमकाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 19 (भाग), प्लाट नं० 13, ग्रार० एस० है। तथा जो नं० 25-98 (भाग) नडीयाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ ग्रनुसूचि में पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-6-1981

को पूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम इस्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिक्तत से, एसे दस्यमान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक्काल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण । व्यक्ति में बास्तिक का से अधित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससी सचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का .27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के, अब्बर्ध्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) कु वधीन निम्नितिवत व्यक्तियों वर्धातः-- (1) श्री मगनभाई माहीजी भाई परमार, नवा पूलिया, मिषग रोड, नडीयाड।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश मणीलाल शेपाडी, लाबी ईसामानुक सोसाईटी बेबेल चर्च के पास, विक्रम मिल्स के पीछे, सरसपुर, अञ्चमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त धम्कों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वन्स्ची

जमीन और मकान जो नडीयाड से एस० नं० 19 (भाग) प्लाट नं० 13, घार० एस० नं० 25—98 (भाग) घीर जो बिक्रीखत नं० 4321 पर सम्पूर्ण वर्णित पर नडियाड सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-6-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1982

मोहर ;

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1447/एकवी/23– $I^{I}/81$ –82–-श्रतः सुझे, जी० सी० गर्ग

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० न० 44/3 (पैकी) है। तथा जो रोहाव पोर, ता० त्रोच में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्का ग्रधिकारी के कार्यालय त्रोच में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन, 1981

का पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिशत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निवनतिचित्त व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री ईसमेथिल ईसाप श्रहमक पटेल, राहदपोर, ता० श्रोच

(अन्सरक)

- (2) (1) श्री पूसा सुलेमान कारमादी, बी/16, शालिमार षापीग सेनटर, क्रोच।
- (2) मुकतर भहमद हाजी भ्रादय, कनतारीली, तीं श्रीच ।
- (3) याकूब इक्साहिम मालकी, कनतारिया, ता० क्रोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आखोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास किस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 44/3 (पैकी) राह्रादपोर, क्रोच जून 1981 में राजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**इ**।यक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद।

तारी**ख**: 6-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. पर----

**आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 

269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

# मजन रेंज 2, महमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिमांक 6 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० नं० 11, म्रलीपट्टी है, तथा जो ब्रोच में स्थित है (भीर इससे उपाबद भ्रतुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण भधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के जाचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिचत बाजार मूल्य. उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित की बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अन्तः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री नारायन टेडर्स, मानस्द ।

(अन्तरक)

(2) नारायण को-भ्रापरेटिय हुग्जिसिंग सोसायटी लिभिटेड के भ्रष्ट्यक्ष, श्री गंकर भाई, हरिकशनवास मेहता, वेजालपुर, पारसीवाड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 11, झलीपट्टी, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, झहमवाबाव

तारीख: 6-2-1982

प्ररूप आह्ने,टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत भरकाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, विनांक 6 फरवरी 1982

ग्रायकर पित्रनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनन अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के अग्रान मझन प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मूक्य 25,000/- रूपर से श्रिकिक है

भौर जिसकी सं नं 4267, सरवारबाग है, तथा जो बारदोली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बारदोली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल क निष् प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परतह प्रतिमान से अधिक है और अन्तरक (धन्सरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के निष् तथा पाया यवा प्रतिकल निम्नलिखित बहेश्य से उच्त बन्तरण लिखत में नाहन्यिक रूप से क्यिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई !कर्मा आय को बाबत, शक्त अधिनयन के ज्ञीन कर देने के सम्तरक के वावित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविज्ञा के लिए और/या;
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियमं, 1922 (1922 का 1। या उक्त घिनियम, या सन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अन, उन्त भिर्धिनियम की बारा 289-ग के धनुसरण में, में, उन्त भिर्धिनियम की नारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहम्मद ग्रहमद हाफेसजी मीनजानवाला, वाहोरवाट, बारदोली।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री इज्राहीम इस्माइल भाम,
  - (2) यूनुस मोबीन भाम,
  - (3) श्री ग्रहमद मोबीन भाम सरदारकाग, बारदोली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की अबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धबिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस भूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितब के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उच्त ग्रीव्यनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उम ध्रव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 4267, सरदारवाग, वारवोली, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2, महमवानाष

तारीख: 6-2-1982

प्रक्ष प्रार्हे॰ टी॰ एन॰ एस॰---

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, ग्रहमचाबाद

महमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छश्त अधिनियम' कहा चया है), की भारा 26% के अधिन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मूख्य 25,000/- दे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 30/1+2 ग्रीर 31, श्रालीपट्टी, है। तथा जो ग्रोच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ग्रोच में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुम, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृष्यमान प्रतिकाल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे वृष्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और प्रश्तरक (अश्वरकों) और अश्वरिती (प्रश्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के निए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नीविज्ञत छहेश्य से सकत अश्वरण लिखित में वास्त्विक कप से क्षित तहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयंक्षर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिपियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः अव, अवतं विधिनियमं की धारा 289ना के भनुकरण में, मैं छन्त अधिनियम की धारा 269न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों सर्थात् :-- (1) श्री विजयसिन्ह नाथासिन्ह बायाभाई उर्फ चनबीरसिन्ह मोहनसिन्ह, ग्रासी, क्रोच।

(अन्तरक)

(2) मधुरम को-श्रो-है-सोसायटी का प्रमुख श्री मूलजी भाई झवेरभाई, पटेल, के द्वारा सी-1014, नावहोकी श्रोवरा, हेतना, श्रोच।

(अम्सरितीं)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिए कार्यशाहियां करता है।

सकत सम्पत्ति कें अर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारींक से 46 विन की अपित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 विन की धवित की भी धवित वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्ट व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, प्रधेहस्ताक्षरी के पास निक्रित में किए जा सकों।

स्वव्हीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबस अश्विनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,वही भवं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# मन्स्ची

मिलकत जो ग्रालीपटी—एस० नं० 30/1+2 भौर 30 जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गग स्क्षेम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षज) प्रजेन रेंज 2, ग्रहमदाबाद ।

तारीख : 6-2-1982

प्रकप कार्ड.टी.एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 77 ग्रीर 107-की, है तथा जो वेजलंपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1981

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अश्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिक्त उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दीने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री रही मखा न्रका लीम्ब्याला साकार तालाब, घीकान्ता मस्जिदके सामने, घासमन्डी, ब्रोच।

(अन्तरक)

(2) श्री महेशचन्द्रा कृष्णलास जवेरी, शेठ फालिया, कोच।

(अन्तरिती)

कार्यक्ष सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्थान्थी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हिसजक्थ किसी जम्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के एस्ड लिखित में किए जा सकों ने 1

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# मनुज्ञी

मिलकत जो बेजालपुर, भार० एस० नं० 77 भौर 107-बी, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2. शहमदाबाद

तारीख: 6-2-1982

मोद्धर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रष्ठमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1452/एक्वी/23-2/81-82--ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० गांव तेमा, ता० मामोद है तथा जो एस० नं० ब्लाक नं० 17, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्याजय मामोद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन जुम, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उभित नाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित नाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ब्रॅ, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रः विनोव चन्द्रा छोटूभाई पटेल, तेगवा ता० ग्रामोव, जिला क्षोच ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतीलाल मानाभाई पटेल, बी०नं० 6, पुनीत सोसायटी लिमिटेड, ओच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाैक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुत्वी

मिलकत जो सर्वे नं० ब्लाक नं० 17, तेगवा ता० भ्रामोद जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, ध्रहमदाबाष

तारीख: 6-2-1982

# प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1453/एक्वी/23-2/81-82--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं.

ग्रौर जिसकी सं० नोव नं० 967, नं० 8, मोमना बाइ, है तथा जो गोपीपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन, 1981

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभाज के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभाज से एसे दृश्यमान प्रतिभाज के पन्से दृश्यमान प्रतिभाज के पन्से दृश्यमान प्रतिभाज के पन्से इत्तरिता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तिगती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभाज, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
5—506GI|81

(1) श्रीमती श्रमवीबेन, श्रमबाराम भिखाभाई की विधवा, रोहितकुमार—खूद श्रीर श्रीमती भानुमती इन्द्रावदन का कुलमुखत्थार, प्रियवदन श्रमबाराम, जयाबेन जयन्तलाल, श्रमबाराम बुखाभाई, की पुत्री, जमुबेन जमना दास पनछोलीवाड, गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री गयासुदीन श्रमीनुद्दीन मिस्त्री
  - 2. मालिनुद्दीन गयासुद्दीन मिस्त्री,
  - 3. कमम्दीन ग्रमनुद्दीन मिस्त्री,
  - जालालुद्दीन कगरुद्दीन मिस्त्री, मोमनाबाद, गोपीपुरा, सुरत।

(अन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

पक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

मिलकत जो नोद नं० 967, मोमनावार्ड, गोपीपुरा, थथाविधि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

नारीख: 6-2-1982

प्ररूप आई. दही. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनाक 6 फरवरी 1982

निदेश मं ० पी० श्रार० नं० 1454/एक्बी/23-2/81-82--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० 589/590 (भाग) है तथा जो बड़ौदा कस्बा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बडौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) उ अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् ६---

- (1) (1) स्वामी गोविन्दलाल कनयालाल,
  - (2) रमनलाल सोमनाथ पानचाल नव बाजार, बडौदा ।

(भ्रन्तरकः)

(2) समीर बिलडर्स के द्वारा: भागीदार श्री महेन्द्रा वी० णाह, 41, बिश्वास कालोनी, श्रलकापुरी, बड़ौदा।

(अन्तरितौ)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर मूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अप्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

खुला जमीन जो बड़ौदा कस्बा श्रार० एस० नं० 589/ 590 (पी) श्रार० जो बिक्षीखत नं० 3282 पर सम्पूर्ण वर्णित पर सब रजिस्ट्रार बडौदा के कार्यालय में जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज 2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 6-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री शिवाभाई मोतीभाई पटेल (एच० यू० एफ०) ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

(2) जयश्री महाकाली को-म्रा-हार्डीसग-सोसायटी लिमिटेड, मन्जलपुर, बङ्गैदा।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रर्जन रेज-11, प्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थार सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 39 है तथा जो मन्जलपुर, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूरियधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पृवोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुलें। जमीन जो एस० नं० 39, मन्जलपुर, बड़ौबा (सिटी) के एरिया में स्थित है और बिकीखत नं० 2281 और 2292 पर सम्पूर्ण वर्णित पर बड़ौदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में जून 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमधाबाद

नारीख: 6-2-1982

**भावकर अधिनियम, 1**,961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 145,6/एक्वी०/23-II/ 81-82—श्रत. मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों क यह जिस्त्राम करने का कारण ही कि स्थावर सम्भित, जिसका अंगत राजार मृत्य 25,000/ रु. ने अधिक ही

श्रौर जिसकी सं ं नं ं 540/18 प्लाट नं ं 2 है तथा जो बड़ौदा कस्वा में स्थित है (श्रौर इससे उपात्रद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नृही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री प्रभुदास डी०, वल्लभ विद्यानगर, श्रानंद।

(अन्तरक)

(2) श्री पंकज एम० पटेल, भागीदार, नेशनल कंस्ट्रकणन कार्पेरिशन बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनुसूची

खुला जमीन जो एस० नं० 540/18 में बड़ोदा कस्बा में स्थित है श्रीर जो बिकीखत नं० 3283 पर बड़ोदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख जून 1981 में संपूर्ण बर्णित में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 6-2-1982

भोष्टर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-1], श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 6 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1457/एक्बी/23-II/81-82---भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्चेत वाजार मृत्य 25,000 / रु में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ए० टिका नं० 11-5 है तथा जो वाडी विस्तार, सिटी बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुन 1981

को पृवांकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रातिक के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रं प्रभावती भ्रम्बालाल

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद ए० श्रहमदभाई जेतलवाडा, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबष्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### समस्री

खुला जमीन जो वाडी विस्तार बड़ौदा सिटी में स्थित है श्रीर जो बिकीखत नं० 3663 पर बड़ौदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में जून 1981 में सपूर्ण विणित पर यथाविधी रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

मारीख: 6-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन, एसु.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left($ 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बि० टिका न० 21/1, एस० न० 158 है तथा जो रावपुरा विस्तार, बड़ौदा सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (व) फ्लान्ण स हडा बन्ती आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सृविधा के लिए; और/या
- ंख) एरी घिली आय या किसी धन या अन्य शस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निध्नसिष्ठिक व्यक्तियों, अधीत :---

(1) फार्म नं० 37-जी पर वर्णित किया गया है जिसका रजिस्ट्रोणन नं० 3477 ।

(अन्तरक)

(2) श्री फुलाबाई सी० पटेल, डाक का पता 37-जी फार्म में जैसे वर्णित किया गया है वैसे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मर्वागे।

स्मध्यीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्पी

जमीन शौर पुराना मकान जो बं ० हिका नं० 21/1, सर्वे न० 158, पर रावपुरा विस्तार में बड़ोदा सिटी में स्थित है जो बिक्रीख़त नं० 3477 पर बड़ौदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में जुन, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

नारीख 6-2-1982 मोहर: प्ररूप आइ<sup>°</sup> टी.एन.एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

कार्यालयः, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1459/एक्वी०/23-JT/81-82—श्रतः सुझे, जे० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उकत अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं एएए० नं 0 107, प्लाट नं 49/ए (भाग) है तथा जो जेनलपुर त्रिस्तार, बड़ौदा सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1981

को पूर्विक्त भपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमार प्रतिफाल के लिए अन्तिश्वित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिष्क अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिशितों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्त में वास्तिक रूप में किया नया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उसन अधिनय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निटिष्ति व्यक्तियों अर्थात् .-- (1) श्री ए० वी० पोपट, 5, संदीप एपार्टमेंट्स, विश्वास कोलोनी, बडौदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) रोहिणी श्रार० चोकसी, रंग ज्योत कालोमी, बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन र "लए कार्यवाहिसां करता हुं।

उत्तत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकिस व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण ---इसमं प्रोंकत रुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुला जमीन जो एस० नं० 107, प्लाट नं० 44/ए (भाग), जेतलपुर विस्तार, बड़ौदा सिटी में स्थित है श्रौर जो बिकीखत नं० 3383 श्रौर 3384 पर मंपूर्ण वर्णित पर सब रजिस्ट्रार, मुंबेदा के कार्यालय में तार्र ख जून 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारी**ख** : 6-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालए,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, मीनाल एपार्टमेन्ट, है, तथा जो गोपीपुरा, कायसथा महोल्ला, सूरत में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद श्रनुसूची म श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सूरत, में रिजस्ट्रीकर्रा श्रिधिकारी के कार्यालय सूरत, में रिजस्ट्रीकर्रा श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जन 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) डा्० क्रुष्णाकान्त वेनीलाल मेहता, श्रभीजात एपार्टमेंट, पहला मंजिल, कावभपल्ली सोसायटी, नानपुरा, सुरत ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री बालधन्दभाई लालजीभाई सोनी।
2. श्री भरत कुमार बालचन्दभाई सोनी, डा॰
रामलाल गली, बालाजी रोड, श्रूरत।

(श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अदिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्टीकरण: — इसमो प्रोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया हो।

# अमृस्ची

मिलकियत जो मीनाल एपार्टमेट, फ्लैंट नं० 2, यथाविधी जुन, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

तारीख: 6-2-1982

मोहर ;

## प्रक्य बाईं.टी.एन.एस.------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद.

श्रह्मदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1461 / vक्वी० $/23-\frac{17}{7}/81-82$ —श्रतः, म्झे, जी० मी० गर्गे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित याजार मूल्य 25,000 रु., से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 99 है जो 37-नी फास में है तथा जो जैसे वर्णित किया गया है वैसे में स्थित है (यौर इससे उपाबद्ध श्रतूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दादरा ए्न० एच० सिलवासा में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1981

को पूर्वों क्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे इर्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक फल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में डार्स्टिन कर हम से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ए उससे बचने में सिबिधा के लिए; और/या
- (ख) भेरेसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्ही भारतीय आसं-वार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणान में सविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तिवाँ क्यांश्री ——
6—506GI|81

- (1) श्रो एस० ए० चन्दावरकर, बम्बई; श्रीमती णान्ता अक्रहाम, वापी (मैसर्स ग्ररूटर इन्डिया का भागीदार)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कान्तीलाल रामसुखजी भाह (एच० यू० एफ०) दादरा (दादरा, एन० एच० श्रीर सिलवासा) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित ह्<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत जो प्लाट नं० 99 जो फार्मे नं० 37-जी पर जसे वर्णित किया गया है वैसे—जून 1981 म∮रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज्ञा, ग्रहमदाबाव

नारीख: 8-2-1982

महर:

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

आतयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 हा 43) की बारा 269-घ (1) के ग्रधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार०नं० 1462/एक्वी/23-II/81-82---श्रतः, मुझे, जी० सी० गर्गे,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' ग्रहा गया है), की धारा 269- व हे पश्चीत पत्मन पाधिक रोको, पह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 93/1 और 93/2 है तथा जो धडखोल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्ष्त नम्यत्ति का उधिक बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के। पन्द्रह प्रतिश्चन श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का मे किया महीं किया गया है!~~

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवं, उक्त श्रिष्ठितियमं की धार 25 -थं की अपृत्य सरण में, सें, उक्त श्रिष्ठितियमं की धार 25 -थं की उपधार। (1) के श्रश्रीच, निम्निकिखित स्थिक्तयों, धर्नात् .~~ (1) श्री रामभाई त्रिकमभाई; प्रभुभाई हंमाजीभाई पटेल, घडखोल, तहु० अकलेण्यर ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती सुशीलाबेन नग्हरीलाल श्रीर ग्रन्य, पारसीवाड, श्रंकलेश्वर ।
  - 2. कंचनलाल माथुरदास गांधी ग्रौर ग्रन्य, कानसार फलिया, ग्रंकलेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त नम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित कि श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्य होगा. जो उस सहवाय में दिया गया है

## अमुस्ची

मिलिक्यत जो घडखोल एस० नं० 93/1 श्रौर 93/2, जून, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 8-2-1982

# प्रकप आई• टी• एव• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्षेण सं० पी भ्रार० नं० 1463/एक्सी०/23- $\Pi/81$ -82— भ्रतः, मुझे, जी० सी० गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 99 (पैकी) घडखोल है तथा जो घडखोल में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रेनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का अन्तर्क प्रतिशत मं अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:-->

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कर्लए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री धानाभाई बेचरभाई पटेल, परषोतमभाई काला भाई पटेल, घडखोल श्रंकलेश्वर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमबेन श्रमाइदास पटेल, श्रादर्श सोमायटी, ग्रंकलेश्वर, दिनेशचन्द्रा जावेरलाल मोदी—पारसीवाड, श्रंकलेश्वर, मगनभाई रनछोड़-भाई—नावी दिवी, तह०—ग्रंकलेश्वर, जयंतीभाई नाथाभाई पारेख— लिमडीकुयी, गोपीपुरा, सूरत प्रकाशचन्द्रा कुंवरजी पटेल, पाटिया तह० वालीया, जिला बोच।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछितिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलिकयत जो घडखोल—एस०नं० 99 (पी) जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीखा: 8-2-1982

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज 11 श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1464/एक्वी०/23-<sup>II</sup>/81-82—श्रत मुझे जी० सी० गर्ग

बायकर प्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिमित्यम' कहा गया है। की धारा 269-खाँ प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वाम करने का कारण है कि स्यावर मस्पति, जिनका उति बाजार नून्य 25,000/- कर्य से प्रधिन हैं और जिसकी संव प्लाट नंव 86, 81, 80 और 75 है तथा जो गाव भ्रामली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उप।बद्ध भ्रनू-सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, दाद्रा एनव एचव सिल्यासा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य न कम क दृश्यमा प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की गई के और मुझे यह निश्व। करन का कारण है कि उधापूर्वोक्त पम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तर पुरस्तात प्रोतकत र, ऐसे दृश्यमा। प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरः (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया यया प्रतिकृत, निम्नलिखि । इहेश्य में उन्त प्रन्तरण लिखिन में बाह्नियक रूप से कथिन नहीं रिया गया है :----

- (क) भ्रन्तरण स हुई किसी भाष की बाबन उक्त भ्रष्टिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा क लिय; और/था
- (ख) एसा किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत ग्रिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रोमती ऊषा के० पहित श्रौर मसस के मिक कापोरणन, गालकोट हाउम, दसर मजिला, 8/10, तामरीवार्ड लेन, फोर्ट, बम्बई -400001।

(अन्तरक)

(2) ममस इम्पोर्टक्स इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटड, साधना रेयोन हाउस डा० डी० एन० रोड, फोट, बम्बई-400001।

(अन्तरिती)

का यद सूचना जारा कर कार्योकन सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हु।

उक्त सम्पति के प्रजेत के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जी भी पद्याध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वीकन व्यक्तियां में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुजन। ६ राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध 16सी प्रन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिष्यित न किय जा सकेंगे।

त्यक्टीकरणः--- समें प्रयुक्त किटा और पद्य का, जी खबत अधिनयम के अध्याय 20-क ने परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

मिलकत जो गांव श्रमली, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गग सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

अतः क्षवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 260-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :—

नारीख <sup>-</sup> 8~2-1982

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज II ग्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनाक 8 फरवरी 1982

निर्देश सं०पी० श्रार०नं० 1465/एनवी/23-IJ/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

स्रायकर आधिनयम, 1961 (1961 का ब्रुट) (जिस् उत्तर क्ष्मक पश्चान् उद्देश प्रधिनयम कहा एता है), का वारा उत्तर के जिल्ला उद्देश प्रधीन प्रधा प्रधिकारों रूर, पर विश्वास हर का जारण है कि स्थावर सम्पोन, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- किंग से आधक है स्रीर जिसकी सर्व नव 87, ह क्या जा भाडखाल में स्थित है (और इसस उपाबद अनूश्वा में आर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय, प्रकलेशवर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमों यह पिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एस रूथमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्दश्य से उनत अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त प्रीधिनयम के अबीन कर दाने के अन्तरक के वाधित्य में कमी हरने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी तन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहो किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्रीभाईजीभाई कुपालभाई, कारसनभाई कुषाल-भाई, मगन भाई कुषालभाई, गाउखोल, ता० श्रंकलेशवर ।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल कचनलाल मोदी, (दनेशचन्द्रा कचन-लाल मोदी, श्रकलेशवर, झावरलाल मोद, कनचनलाल मोदी-पारसीवाड, श्रकलेशवर, कुसुमबेन श्रमाईदास पटेल श्रादर्श सोसायटी श्रकलेशवर।

(अन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उक्त सम्परित क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ए किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना क राजपन में प्रकाशन की तारांख स 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टाकरण.--इसमा अगूजा अस्वा और पका का, जो उक्त बीधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

मिलकत जो गडखोल एस० नं० 87 (पैकी) जून 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज श्रहमदादाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थोन् ---

तारीख: 8-2-82

मोहर

# प्रकल भाइं,.टी.एस.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### े प्राप्ता चर्डक्ट

# कार्याच्या, सहायक भावकार नायका (निर्दाश्य)

ग्रर्जन रेज-]], ग्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 1466/एक्वी) 23-II/81-82----भ्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राप्तिकार्यी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका किन्त वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 413, श्रंकलेश्वर है। तथा जो श्रंकलेश्वर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन जुन 1981

की पूर्वोक्त संपरित् के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रिटेशन के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि मुआपूर्वोक्त संपरित का उर्जित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्स अन्तरण, लिखित में वास्त-विक क्य में काथित नहीं दि सा ना हो---

- (क) अन्तरच से हुई किसी भाग की बाबत, उन्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बुचने में स्विधा के लिए; अडि/वा
- (क) एसी किसी बाय था किसी थन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्थिभा के लिए।

भत भवं, उत्त अधिनिया ६ । धार १६०-ग के राज्यण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि, खित व्यक्तियों मुखाद्:—- (1) श्रीमती बाई खतीजाबीबी, युसुफ हसनजी पटेल की विधवा, श्रहमद युसुफ हसनजी पटेल; मकबुल हुसैनजी पटेल । श्रबदुल कादर युसुफ हसनजी पटेल पावर श्राफ एटारनी श्री श्रायुब श्रहमद मोटाला जोतालीन का श्रंकलेश्वर मुल्लावार्ड 1, श्रंकलेश्वर।

(अन्तरक)

(2) बीरातनगर को-भ्रो० हाउसिंग सोसायटी, श्रंकलेश्वर बीजीकोलोणी, जूना वकारीया कम्पाऊंड।

(अन्त*रिती*)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुन्।

# उन्तु सुम्पृत्ति के वृत्रीतृ के सुम्बुन्ध् में कोई भी बाक्षेप्र---

- (क) इस सुवान के उपयुक्त में प्रकाखन की तारीय से 45 दिन की वृतिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन के भीतर उकत् स्थावर संपत्ति में हित्वव्य किसी कृत्य व्यक्ति इतारा स्थाहस्ताकरी के पास सिहित में किए जा सकेंचे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मालिकियत जो एस० नं० 413, श्रंकलेश्वर, जून, 1981 र में रजिस्ट्री के गयी है।

> जी० सी० र्गुंगर्ग सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाष

नारोखा: 8-2-1983

माहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का ४५) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-11. ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 8 फरवरी 1982

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० न० 252/1/2/3/4, हैं। तथा जो सारनगपर ना० अंकलेश्वर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1981।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रशिक्षल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य स उथन प्रन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से किवन नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण । हुई । हसा प्राय की बाधन उकन प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के । लए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन या अन्य श्राह्नका को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए वा, खिपाने दे सुविधा के लिए;

अतः जब उचत अभिनियम की भारा 269 ग के अन्सरण जे, जे, उचत अभिनियम, की भारा 269-च की उपभान्त (1) के अभीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों नर्थाक् :-- (1) श्री वणीलाल नारसी भाई नागजी पाटी उकड़ भाई पटेल और दूसरे सारनगरपुर, नारु श्रकले-क्वर

(अन्तरक)

(2) के० के० लैण्ड डलबलपमेन्ट कोपोरेशन कामीनुकका आनक्षीयवर ।

(अन्तरि**ती**)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रतासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्र्स्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

मालकीयत जो भ्रार० एस० न० 252/1/3/3/4, मारनगपुर, जून 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, तक्षम प्राधिकारी तक्षमक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख 8-2-1982

# प्ररूप आई टी.एन एस ------

आयकर अधिरियस : 1961 (1961 को 4°) नती भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आर्थकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाकाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्देश मं० पी० ग्राग्० नं० 1468/एक्की/23-II/ 81-82---ग्रत मुझे जी० मी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) किय हममें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दि:बास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु मं अधिक है

और जिसकी मं० भ्रार० एस० न० 185, प्लाट नं० 22-एन है तथा जो हरीनगर. को-भ्रो-हाउसिंग सोसाइटी, बडौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पृणं रूप से वर्णित है; रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बडौदा में एजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 ) के श्रधीन जुन 1981

को पूर्वोंक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नितिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्नितिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, तनत अधिनियम की भारा 269-ध की नगधाम (1) के अभीन निम्नलिखित. समिलामों पर्शात - (1) श्रीमती लिलतागीरी विश्वण्यास रावल शान्तीलाल रामकृष्ण रावल का कुलमुकतवार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वेती बेन मनु भाई पटेल; 43, पारसराम नगर, संयोजीगण, बडौदा।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां तरता हां।

# उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर न्यानिका में से किमी व्यक्ति बुनारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए या सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो श्रार० एस० नं० 185, प्लाट नं० 22-एन, हरीनगर को०-श्रो०-हाउसिंग सोसायटी में स्थित है। बिक्रीखत नं० (6788) पर संपूर्ण वर्णित पर जून, 1981 में बड़ौदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-]], श्रहमदाबाद

नारीख: 8-2-1982

रहेहार

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाधक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्ज रेंज-II, भ्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्दे : सं० पी० श्रार० नं० 1469/एनती/23- $\Pi/81$ -82---श्रनः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह देक्तास करने का कारण है कि स्थाया संगीतन जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शीट नं० 23 एस० नं० 1864 है तथा जो अलकापुरी एरिया, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1981 को पूर्वोंक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल दा पन्झ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा का सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तों अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अधीत् :--- 7--506QI/81

- া. (1) श्री अयानी भाई कल्पन भाई पटेल,
  - (2) हरपाद भाई बलव भाई पटेल बल्लभ पार्ट "ण्यदास पटेल का कुल कुलयार 12. सम्पत्तरप्त कालोनी अलकापुरी, बड़ौदा

(अन्तरक)

 श्री नीरंजन छोडालाल बोहरा; संगीता एपार्टमेन्ट्स झलकापरी कडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजंन के जिल्ला कार्यवाहियों करता है।

जक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आअप :---

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीगे।

स्पर्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन और उसका भाग मकान जो एस० नं० 1864, सीट नं० 23, ग्रालकापुरी विस्तार, बड़ोदा सिटी में स्थित है और जो बिकीखत (नं० 1431) पर संपूर्ण वर्णित में बड़ौदा सब-रिजस्ट्रार के कार्यालय में जन, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-11, ग्रहमदाबाद

तारी**य** 8-2-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्देश स० पी० घ्रार० नं० 1470/एक्ट्री/23-U/81-82-घ्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अमिन कक्षम माध्यकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/र से अधिक है

25,000/र से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं एस नं 78, प्लाट नं 16 हैं
तथा जो जेनलपुर एरिया, बड़ौदा सिटी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं),
रिजट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981 को पूर्विक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और, पा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) विकिश्वित पर जैसे उल्लिखित किया गया है बैसे। (अन्तरक)
- (2) श्रीरण बिल्डर्स, के द्वारा मुजाता मोसाइटी, गोस्री रोड, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अससची

खुली जमीन जो एस० नं० 78, प्लाट नं० 16, जेतलपुर एरिया बड़ौदा सिटी में स्थित है ग्रीर जो बिकीखत पर संपूर्ण बर्णित पर जून, 1981 में बड़ौदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारी**य** . 8-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

न्नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के भधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 581 प्लाट एस० नं० 2, है तथा जो जेतलपुर एरिया, बड़ौदा सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1981

1908 (1908 को 16) क अधान जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसा भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर वेने के भ्रश्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों की, जिस्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिखिनियम, या धन-कर भ्रिखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में भ्रुविधा के लिए;

भ्रत: प्रव, उक्त भ्रविनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त भ्रविनियम की उपधारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् क्ष्--- (1) डा॰ नानुभाई श्रार॰ पटेल, जायम एपार्टमेंट्स नं० 3, पलेट नं० 2, रेसकोर्स, बड़ौदा।

(अन्सरक)

(2) श्री एस० एस० पटेल, के द्वारा डा० नानुभाई श्रार० पटेल, जायम एपार्टमेंट्स नं० 3, फ्लेट नं० 2, रेसकोर्स, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की प्रविध्व या तत्सक्व नधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन का प्रविध, जा भी प्रविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंतर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

खुली जमीन जैतलपुर एरिया बड़ाँथा सिटी में स्थित है भौर बिक्रीखत नं० 1717 पर संपूर्ण वर्णित में सब-रजि-स्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में जून, 1981 में रजिस्ट्री की गई है ।

> जी० सी० गग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 8-2-1982

प्रकृप आई• ही• एन• एस•--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के **मधी**न सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निर्देश स० पी० श्रार् नं० 1472/ एक्नी 0/23-II/ 81-82--श्रात , मुझे, पी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० श्रार० एस० नं० 548-550 श्रौर 553, तथा प्लाट नं० 13 है तथा जो बड़ोदा कस्बा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूरूय से कम के वृद्यमान शांतफर के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह जतियत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरित) जोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निर्ना गांगा गांग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त पन्तरण निख्ति में बारूनिक रूप से कथिन नहीं किया गांग है:---

- (क) पन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीध-तियम, के अधीन कर देने के श्रग्लरक के शायित्व में किसी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे श्रीवधा के लिए;

भ्रत प्रव. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपजारा (1) के अशीन निम्नलिसित व्यक्तियो, अर्थात्.---

- (1) निक्रीखत पर जो वर्णित किया गया है वैसा। जून, 1981 मे रजिस्ट्री की गयी श्रौर (रजिस्ट्रेशन न० 1246)।
- (2) श्री परेशमाई जयन्तीभाई पटेल, वीराट मोसायटी, बडोदा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी अधरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचरा के राजास में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितकश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्राड्याय 2) के में परिभाषित है, बही भ्रायं होगा, जो उस ग्राड्यार में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जो बड़ौदा कस्बा मे ध्रार० एस० नं० 548-550 धीर 553, प्लाट नं० 13 धीर जो बिकी- खत नं 1246 पर संपूर्ण वर्णित मे बडौदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय मे जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद

दिनाक : 8-2-1982

प्रकृप भाई • टी ॰ एन • एस • —

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-II, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 8 फरवरी 1982

निर्देश स० पी० ग्रार० न० 1473/एक्वी०/23- $^{1}$ /81-82 - श्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सर्पारत जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क से अधिक हैं

भौर जिसकी स० मी० एम० न० 5080 है तथा जो बडौदा सिटी में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1981

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीराफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण म हाइ किसी आय का बाबत उक्स अधि-िर म के प्राप्त गर देन के अन्तरक के दायित्व में कमो करन या उससे बचने में सृविचा के लिए, और या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क जिला,

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री चन्दु भाई भूनीलाल पटेल, सम्पतराव कालोगी, बढ़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रम्बालाल वादी लाल मोदी, ग्रशोक कुमार वादी-लाल मोदी, नारोरबाडा, बड़ौदा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गयवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भन्स्ची

जमीन भ्रौर पुराना मकान जो सिटी में सर्वे नं० 5080 में बड़ौदा सिटी में स्थित है श्रौण जो बिक्रीखत पर बड़ौदा सब-रिजस्ट्रार के कार्यालय में जून, 1981 में यथाविधि रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

मा**रीख** . 8-2-1982

## त्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1483/एक्की०/23-II/ 81-82--भ्रत:, मृझे, जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपस्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या सी० एस० टिका न० 57, एस० नं० 3022 है तथा जो अजीत सोसायटी के पास, नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जन, 1981

को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उव्वरेष्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम को भावत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में अभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और'गा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित न्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मनु भाई काली दास शाह, टावर के पास, नवसारी । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गैलेश कुमार शान्तीलाल भनशाली, श्रीमित प्रतिमाबेन शलेशकुमार, ग्राशानगर, नवसारी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मर्पास्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्दारा अभारेहम्नाक्षरी के पास निस्ति में किए जा सदर्गि।

स्पष्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मिलिकयरा जो भ्रजीस सोसाइटी के पास, टिका नं० 57, एस० नं० 3022, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकौरी सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

नारीख: 10-2-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 10 फरवरी 1982

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 1482/v्मवी०/23-II/81-82-ग्नतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी टीका नं० 24, वार्ड नं० 10, प्लाट नं० 1, 13, 21, 28,31, 32, 34, 35, 36 श्रीर 40 है तथा जो जालास-पोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उि । बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वसन्तराय धमाभाई देसाई, बिपिन चन्द्र ईण्वरलाल देसाई, कानसीलाल छोटाभाई देसाई, डा० प्रकाण वसनतराय देसाई, पंकजकुमार सोमचन्द्र णाह. श्रीमित णकुन्नलाबेन जी० देसाई, प्रभाभाई दाजीभाई पटेल ।

(अन्तरक)

(2) ग्रीतल को० श्राप० हौसिंग सोसायटी लिमिटेड, जालालपोर, रोड, नबसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तमील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मलकीयत जो टीका नं० 24, वार्ड नं० 10, प्लाट नं० 1, 13, 21, 28, 31, 32, 34, 35, 36 और 40 है जो जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्राजीन रेज-II, ब्रहमदाबाद

**तारीच** : 10-2-1982

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

# य यकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की आहा 269व(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-।।, श्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश ं० पी० भ्रार० नं० 1481/  $\sqrt{9}$  स्वी०/23-I/81-82 स्त: मुझे जी० सी० गर्गे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं नं 541-2-2, है तथा जी चाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधि । री के कार्यालय पारडी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिसित द्युवदेश में उक्त अन्तरण कि सिसत में बास्तिवक रूप ने कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 260-ग के, अन्सरण को मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ अर्थात् —— (1) श्री अहमदमीया फकीरभाई फानासवाला, खतीजाबेन श्रक्षमदमिया फानासवाला, श्रमीकदीन श्रहमदमिया फानासवाला, मासलादीन श्रहमदमिया फानासवाला, भीतवाडो, मोटी डामन, डामन ।

(अन्तरक)

(2) श्री खीमचन्द मगनलाल णाहा चाला । ता० पारडी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मलकात जो चाला, एस० नं ० 541-22, जून, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)** भ्रजेंन रेज-II ग्रहमदाबाद

तारी**च** 10 फरवरी 1982। मो**हर**ः

धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-।।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाव 10 फरवरी 1982

निर्देश स० पी० श्रार० 1480/ एक्वी०/23-II/81-82---श्रत, मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 357 (पी) है तथा जो वापी मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के वार्यालय, पारडी मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1981 को पूर्विकन सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात स अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; आर्रिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभि। निम्हिलिलिन व्यक्तिया, अर्थन् --- 8-506GI/81

श्री श्रशकीन पाणभाई देसाई, विजयबेन प्राणभाई नीळासाई, दौलतराम प्राणभाई देसाई, खुद श्रीर सपुक्त कुद्वा का करता, दीनेशभाई, प्राणभाई देसाई, प्राणभाई नीळासाई देसाई वाणी ता० पारडी ।

(अन्तरक)

2 (1) भीखाभाई मगनाथजी देसाई, (2) डा० दीवलप्रकाश भीखाभाई पटेल, (3) डा० प्रतापराई भीखाभाई देसाई चाला वापी, ता० पारडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृवर्षिक्स व्यक्तियों मां से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो ता, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो एस० न० 357 (पी) वापी, जन, 1981 मे रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० मी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रह्मदाबाद

नारीख 10-2-1982 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 1479| एक्की०|23-11| 81-82-श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वेजलपुर है तथा जो एस नं० 228 (पी) में स्थित है ग्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवसारी मे राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

के। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण में सिचित बास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिसित व्यक्तियाँ अर्थात्ः (1) श्रीमति सवीताबेन बालुभाई देसाई, नवसारी होसिंग मोसायटी, नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री नागरभाई भागुभाई, धनम्खभाई मोरारभाई पटेल, लाल भाई गोविन्दजी पटेल, दयाराम भाई, लल्लूभाई पटेल, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकों गे।

स्यख्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 228 (पी.) जवलपूर में स्थित है जून, 1981 में रिजस्ट्रों की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारील : 10-2-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० 166-ए-1 (पी), सी० एस० है तथा जो नं० 166-ए-1 (पी) सी० एस० न० 1522/ए, बलसाड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981

को पूर्वा वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अरुरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री परागभाई नागरभाई भंडारी खुद और संयुक्त कुढुंवा का कर्ती राम भाई पराग भाई भंडारी, कुडूंवा का कर्ती बेछर रोड, वलसाद

(बन्तरक)

(2) श्री केकी फिरोजशाह मारू, रूसी फिरोसशाह मारू मोटा पारसीवाद, बलसाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मिलकत जो वलसाद ग्रार० एस० नं० 166-ए-- 1 (पी) जून, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 10-2-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आइ टी एन एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अजन रेज-॥, श्रहमदाबगद

श्रहमदाबाद, दिनाक 10 फरवरी 1982

निर्देण स० पी० म्रार० 1 475/एक्वी०/23-II/81-82--म्रत, मुझे, जी० सी० गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात जबत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स अ अधीन सजम प्राधिकारी । यह विश्व म करन का कारण है कि स्थार सम्पति कि जिल्ला कारण है कि स्थार सम्पति कि जिल्ला कारण दे के से अधिक है

और जिसकी स० टिका न०  $47/\sigma$ , 48, 47/4ी है तथा जा एस० न० 1784 1785 1786, मणेकनाल रोड, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ श्रनुम्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्याचय नवसारी में रिजस्ट्रीकर्राण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वों कत सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वित सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अतिरित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में आसाविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई िकसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भेल्य अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग की, अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

(1) हिन्दुस्तान बोबिन धौर एस० एम० का० का भागी-दारो भोपेन्द्रा मगनभाई पटेल, सुरज प्लाजा, सायाजी गज, बडोदा भानुभाई छोटाभाई पटेल धौर दूसरे, बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वरलाल छगनलाल ग्रीर दूसरे, सतगादियाबाद, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों इत स्थावितयों में से किसी स्थावित ब्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्प्रश्नीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

मिलिकियत जो मणेकलाल रोड, एस० न० 1784, 1785, 1786 जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज ॥, भ्रहमदाबाद

नारीख 10-2-1982 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालर, सहायक आगकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज- श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश स० पी० भ्रार० नं०1476/एक्यी०/23-॥/ 81---82---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० विजालपुर, ग्रार० एस०न० 190/1-1-ए है तथा जो विजालपुर में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय, नवसारी मं र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राचीन जून, 1981

को पूर्वाक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नालिक्त उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तितयों अर्थात् :--- (1) श्रीमित णानताबेन भीखाभाई देसाई, ठाकोर भाई भीखाभाई देसाई, सुमनभाई भीखाभाई देसाई, विजालपुर, ता० नवसारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भगवान दास जेठालाल मिस्त्री बुधीया बिल्डिंग, बुधीन तालाब, नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास न्यिकत में किए जा सकरें।

स्पष्टीकारण — इसमे प्रॉब्ब्स कब्दों और पदो का, जो जबस अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

मलिकयस जो बीजालपुर, ग्रार एस० नं० 190/1-1-ए यथाविधि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-II श्रहमदाबाद

तारीख: 10-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-II, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, 10 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० वेजलपुर गांव में है तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्त अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री जयन्ती भाई जीवनभाई प्रजापित, नरेण कुमार जीवन भाई प्रजापित, नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) जालकमल को० ग्रो० हौसिंग सोसायटी का प्रमुख श्री योगेश कुमार जयन्तीलाल पास वेजालपुर, नव-सारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मत्रंथी अयिकतरों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्राँवत रृज्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मालकीयत जो पास वेजालपुर नवसारी में स्थित है जून, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख 10-2-1982

मांहर :

भाग [[[---खण्ड 1]

प्ररूप आइ<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यावर, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-[[, श्रहमदात्र\द

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1478/एक्बी०/23-II/ 81-82--श्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उचन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अभीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एस० नं ० 228 एच० 2(पी०) है तथा जो वेजल-पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्दिलखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा श्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्रीमति ग्रस्नाबेन ग्ररिवन्दभाई देसाई, नवसारी हाउसिंग सोमायटी, नवसारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमथादास जगजीवनदास पटेल, ठाक्नोरभाई लाल-भाई पटेल, नटवरभाई मोरारभाई पटेल, रामभाई भीखाभाई पटेल, नवसारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्राृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

मिलिकियत जो भ्रार० एस० नं० 228, वेजलपुर में स्थित है। जुन, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 10-2-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-च (1) के अधीन स्चना** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी (1982

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 1486/एक्वी०/23—।।/ 81—82---श्रतः मुझे जी० मी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० न० 12/1—2, टीका न० 12-3 डिर्ब जन बी०, तथा जो बड़ौदा सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-स्था, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 6-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि के लिए; और/या
- (का) एंगी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नटवरलाल भ्रबालाल दवे, श्राह्मण सभा हाल के सामने, दान्डीया बाजार, प्रताप रोड, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मीतुल नटवरलाल दवे, मिलाप, पाद्रा रोड, बड़ीदा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

श्रम्मल संपत्ति जो सर्वे नं० 12/1-2, टिका नं० 12-3, डिवीजन—बी, बड़ौदा श्रीर जो विश्रीखत नं० $^{\circ}_{1}3304$  पर सब-रिजस्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में तारीख 6-6 1981 को संपूर्ण विणित में रिजस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II; ग्रहमदाबाद

नारीखाः: 10-2-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधिन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982 निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1489/एक्वी०/23–॥/ 81–82—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी नोंद सं० 3257, वार्ड नं० 4, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उच्चित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संप्रतित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल मिम्निविद्यित उद्वेष्य से उक्त अन्मरण लिखित में वास्तविक रूप से स्विथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। धीर/या
- (ख) ऐसो कियो अप पा किसी प्रत्या अस्य आहित्यों को जिन्हों भारतीय आय कर सिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-9—506GI/81

(1) शेख सालेह भाई शेख मोहमद भाई अतार, शेख मुजौदीन शेख मोहमद भाई प्रतार, बानु भाई श्रव-दुल्ला भाई हैदर मोटा, जम्या बाजार, बड़ी महोलो, मूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री अहमदभाई साहेब अबदुल्ला भाई साहेब वाजीरी इसमायल भाई साहेब व अबदुल्ला भाई साहेब वाजीरी बेगमपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूत्रता नारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अक्कांन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

उन्त सम्पत्ति हे प्रजॅन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारी सा से-45 दिन की अविधि या तत्स क्वाची क्यक्तिमों पर सूचना की सम्मील से 30 दिन की भविध, वो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका श्वावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति हारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

ाढदो करम :---इनमें गुन्त गन्दां तोर नहीं का, जो उनन प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### जन्त्वी

मालिकयत जो नींव नं० 3257 वार्ड नं० 4, इन्यरपुरा, सूरत में जून, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद,

तारीख: 10-2-1982

## प्रकप बाई • ही • एन • एस •----

# ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1488/एक्वी०/23—II/81— 82—-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 310 (पी०) टी० पी० एस० 3 है तथा जो कातारंगाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रमू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री नागीनवास छोटालाल श्रीर दूसरे बारानपुरी, भागल भाजीवाली पोल के द्वारा मेसेसे बारदोलीवाला एण्ड कम्पनी, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल चन्दुलाल गांधी श्रीर दूसरे हरीपुरा, मैन रोड, सूरल ।

(भन्तरिती)

को यह मूचना जारो करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप:---

- (क) इसे सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी
  भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकन
  क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशनं की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो भ्रार० एस० नं० 310 (पी) दि० पि० एस० 3, कतारगाम जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त् (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख: 10 फरवरी 1982

प्रकृप् आर्थः टी. एन. एस.-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज II, ध्रहमदाबाध

भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० 1485/एक्बी०/23—II/
81-82—-ग्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपीत्स जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 422-3, 424, 423-1-2/3, 5, है तथा जो चाला में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन, 1981

को पूर्वेक्सि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पीया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरणु से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त मुभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र्या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ए के अनुस्रण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन निम्न्लिकित व्यक्तिस्यों अर्थात्:— (1) श्री श्रब्बकर ईस्माइल लाखोटा, खुद, श्रहमदमीया ईस्माइल लाखोटा, उमान ईस्माइल लाखोटा श्रौर श्रबदुल रहमान ईसफ का खुदमुज्तियार, चाला ता० पारश्री ।

(अन्तरक)

(2) श्री मादाताली गुलामहुसेन खोजा, वापी, ता० पारडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## अमृस्ची

मिलकत जो चाला एस० नं० 422-3, 424, 423-1-2/3, 5 जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-2-1982

मोहर 🖫

## प्रकृष आहुई. टी. एवः एसः-----

# आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्णन रेंज II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाध, दिनांक 10 फरवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० 1484/एक्सी०/23-II/ 81-82--भ्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० नं. 542, 543, 556, 545, 553, 1050 है तथा जो प्लाट नं० 28, 25—27, वापी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के बार्यालय पारडी मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यश्रम्यूबेंचित सम्पत्ति का उचिक बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/या
- (न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री फीरोजखान सयदखान, वापी , बेनगाली बाहार , ता० पारडी

(अन्तरक)

(2) श्री कानती लाल वेलजी सावला, 7, चीन्तामणी सोमायटी, हाईवे रोड, सावरमती, श्रहमदाबाद, श्री श्रणोक रामजी सावला, हाइवे रोड, सादर मती, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्यक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियस की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मिलकत जो वापी—एस० नं० 542, 543, 556, 553, 545, 1050 प्लाट नं० 28, 25—27, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-2-1982

मोहरः

# प्रस्तप आर्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्वेण सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/2276——श्रतः देव-

प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

जिसकी मं० मं० नं० 84ए है तथा जो जबलपुर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण के रूप है से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-6-81 को ग्रेबिंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्द है और म्मे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंक्त मपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के किए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्तित उद्देष्य से उक्त अन्तरक लिक्तित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री जे० दिलीपसिंह, लक्षमन पुत्र एन० ए० सिंह लक्ष-मण एलाइन्स डेला केसकेडे 92500 फास द्वारा श्री बलराम सेगन, 87 नवदिगोड, जबलपुर

(अन्तरक)

(2) कुमारी विनीतारानी सेगन पुत्नी श्री बलराम सेगन, 87, नर्वदारोड, जबलपुर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथित्वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ता) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसुची

म० नं० 84ए शीट नं० 83 जबलपुर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज भोपाल

तारीख: 5-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 फरवरी 1982

निदेश ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/2277—ग्रत. मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ से अधिक है

स्रौर जिसकी स० म० न० 402/202 है जो गोरापटक में स्थित है (स्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 5-6-1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कड़ दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री सुदर्शन चावला पुत्र श्री प्रियतम लाल चावला रानी-ताल जबलपुर

(अन्तरक)

(2) मे • सेन्ट्रल इंडिया पलोर एड बेसन मिल्स प्रा० लि०, जवलपुर द्वारा—अीमित जी०वी०ग्राहूजा, पत्नी स्व० पी० डी० ग्राहूजा नि० श्रोम भवन राइट टाउन जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सपित्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

गोरा फाटक जबलपुर स्थित नगर निगम मकान न० 402/ 202 जबलपुर ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज भोपाल

नारीख: 5-2-1982

मोहारः

प्रकप धाई • टी • एन • एस •-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/2279—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,090/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संव बंव नंव 756, है नथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-6-81 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उविन बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राप की बाबत उबत प्रधि-नियम के प्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य प्राक्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रविनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उत्रत प्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उत्रत अधिनियम की घारा 269-न की अपधारा (1) क्रिम्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा॰ सुनील कुमार जैन पुत्र गरीबदास परेरान, 87 नर्वदा रोड, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) महिला ध्यान विद्यापीठ 107, नेपियर टाउन, जबलपूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी धाक्रंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूक्ष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

बंगला नं० 756 नेपियर टाउन जबलपुर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-2-1982।

मोद्वर:

# प्ररूप आहर . टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जनवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2280—म्प्रतः मुझै, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० एक मंजिला मकान स्टेणन रोड दुर्ग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 3-6-1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बच्ने में सुविधा के लिए बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अन्सरण** प्र<sup>1</sup>, प्र<sup>1</sup>, उक्त आधिनियम की धारा 269**-म की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री रामराज पुत्न गंगामसाद गुप्ता, स्टेगन रोड, दुर्ग (अन्तरक)
- (2) श्री गुलशन गुप्ता पुत्न बलदेव प्रसाद गुप्ता पदमाम-पुर एच० श्राई० जी०-8 हाउसिंग बोर्ड कालोनी, दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारिकत है, वहां अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

स्टेशन रोड स्थित एक मंजिला मकान, दुर्ग।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 29-1-82

# प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1982 निवेश सं० म्राई०ए०सी०/श्रर्जन/22-81—म्रतः मृ**शे**, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन व मकान है तथा जो गोलबाजार-बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-सय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-6-1981

को प्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम स क्षियन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 10—506GI/81

- (1) श्रीमती साराबाई पत्नी सैकुद्दीन सदर बाजार बिलासपुर ।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री प्रभाकर पुत्र राधाकिणन विलासपुर । (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित को अर्जन के जिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में मांज्ञाणित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नमृत्यी

गोलबाजार, नगरनिगम बिलासपुर स्थित, जमीन व मकान ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2283— म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 299 है, तथा जो गोलबाजार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सतना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 25-6-1981

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रामकिशन श्रात्मज श्री मिटठनलाल जी सर्राफ नि॰ निपयरटाउन जबलपुर

(अम्सरक)

(2) श्री राम लुभाया भाला पुत्र श्री ज्वालामल जी भाला नि० गोलबाजार वार्ड सतना बिल्डिंग क्वार्टर शहर जबलपुर वाले।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वनां के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विभ की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यविस व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वम्स्ची

गोलबाजार राइट टाउन स्थित दो मंजिला पक्का मकान नं० 299 जबलपुर।

> देव प्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरक्षिण) धर्जन रेंज, भोपाल,

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख: 5-2-1982

मोहर ;

प्ररूप आर्द्र ेटी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जनवरी 1982

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/2284—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) कुमारी लीलावती बाइलेट एम० कुमारी द्वारा एजेंट श्री बलराम पुन्न राम लाल, निवासी 87 नर्मदा रोड, जबलप्र ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित चंदरानी सैगन पत्नी अलराम सैगन निवासी 87 नर्मदा रोड, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

# अनुसूची

साउथ सिविल लाइन्स, जबलेपुर स्थित मं० नं० 169 (नया 459)

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 29-1-1982।

मोहर 🕄

प्ररूप आर्ध: टी. एन. एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सदायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी 1982

निवेश सं० धाई० ए० सी०/(धर्जन)/2286—धतः मुझे, वेवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/- राज्ये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० प्लाट नं० 17/677 है तथा जो केलकरपारा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-6-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतस्को और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उनत भ्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भीर/प्रा
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अभ्य भास्तियों की जिल्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपान में सुविधा के लिएं।

अतः धव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीज, निस्निसिक्त व्यक्तियों, व्यक्ति :--

- (1) श्री सरदार ग्रवनार सिंह पुत्र श्री बाबालक्षमन सिंह द्वारा शान्ति स्वरूप, निवासी स्टेशन रोड, रायपुर (अन्तरक)
- (2) श्री धीरेन्द्र शाह पुत्र रामजीभाई शाह, 17/677 केलकरपारा, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर हे पूर्वोक्त सम्पति के प्रार्थन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

न्यव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटो का, वो उक्त सिध-नियम, के श्रव्याय 20क में परिमाधित है, बही अर्थ होगा जो उप श्रव्याय में दिया गया है।

### बनस्वी

मकान नं० 17/677 का केलकरपारा रायपुर स्थित एक भाग-1100 वर्ग फट।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल,

तारीख: 27-1-1982

प्ररूप आई . टी . एन . एम . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० भ्राई०ए०सी०/भ्रर्जन/2287—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सो अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान, गोडाउन क्षेत्र है, तथा जो गुक्रवारी बाजार में स्थित है (भौर इससे उपापत्र अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 4-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री मंगलमल पुत्र धुरीमल (2) ग्रम'रलाल पुत्र टेकचंद, नाहरपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मंगतीदेवी पत्नी बाबूलाल भ्रम्मवाल 2. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र बाबूलाल भ्रम्मवाल, नि० रामसागर-पारा रायपुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनसभी

राइस मिल्स का भ्राधार तल का भाग, मकान गुडियारी (शुक्रवारी बाजार) रायपुर स्थित ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनांक : 3-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 28 जनवरी 1982

निवेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/2288—श्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० ख० नं० 1147/2 एवं भ्रन्य 12 क्षेत्र शुक्रवारा बाजार रायपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 6-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मंगलमल पुत्र धुरीमल (2) भ्रमरलाल पुत्र टेक-चंद, नाहरपारा रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदनलाल पुत्र भैरोलाल जैन, एम० जी० मार्ग, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

शुक्रवारा बाजार, रायपुर स्थित खसरानं० 1147/2 एवं ग्रन्य 12 क्षेत्र।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 28-1-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1982

निदेश सं० भाई०ए०सी०/धर्जन 2289—भतः मुझे, वेब प्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सो अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खा० नं० 1147/2 तथा श्रन्य है तथा जो शुक्र-बारा बाजार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-7-1981

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री मंगलमल पुत्र घुरी चंद एवं ग्रमरलाल पुत्र टेकचंद श्रमधाल नाहरपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदनलाल पुत्र भैरोलाल जैन, नाहरपारा, रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिातबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अम्स्ची

शुक्रवारा बाजार वार्ड, रायपुर स्थित खसरा नं० 1147/2 एवं प्रन्य क्षेत्र ।

> धेव प्रिय पन्स, संभुम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

्रापंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 28 जनवरी 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/भ्रजेन/2290—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० नं० 1147/2 व ग्रन्य 12 क्षेत्र गुक्रवारी ग्राजार रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्ससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) 1. श्री मंगलमल पुत्त घुरीमल 2. ग्रमरलाल पुत्र टेकचन्द नाहरपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदनलाल पुत्न भैरोलाल जैन महात्मागांधी रोड, राय पुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्यक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

# अनुसूची

मकान शुक्रवारी बाजार रायपुर स्थित खसरा नं० 1147/2 एवं 12 ग्रन्य एरिया।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1982

निदेश सं० म्राई०ए०सी० (म्रार्जन) 2291--- म्रासः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं०७० नं० 1147, 1151/2, 1141/1, 1152, 1140, 1138, 1153, 1154,

टाइल हाउस है, तथा णुकवार बाजार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 26-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (:\ के के अधीन निम्निलिसित व्यस्तियों, अधीत :---- 11—506G1/81

(1) 1. श्री मंगलमल पुत्र धरिं। मल, 2. श्री श्रगरलाल पुत टेकचंद नाहरपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विजयकुमार पुत्र मामचद 2 विष्ण्प्रसाद पुत्र मानिकचंद श्रग्नवाल निवासी रामसासपारा, राथपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की नार्गाल से 45 दिन की अर्वाण या तत्स्यबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी उपिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितव दूध किसी अन्य कितन द्वारा अधोहस्थाक्षरी के पास लिसित में कितन जा सकरों।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असम्बी

शुक्रवार बाजार रायपुर स्थित खमरा नं ० 1147/, 1151/2, 1141/1, 1152, 1140, 1138, 1153, 1154 एवं गोडाउन 1147/1, 1151/1 त्री, 1141/2 वी, 1140/2

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी स्महायटा आयकार आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रोंज, भोपाल,

नारीख: 28-1-1982

मोपर :

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.------

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी, 1982

निदेश सं० भ्राई०ए० सी०/धर्जन/2292—भ्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 94 है तथा जो नगरिन रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 16-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अभीन, प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित मे वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (+922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म तिक्था के लिए:

(1) श्रीभास्कर गोगारे नि॰ 94 नगरनिगम रोड, इन्होर

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति सीताबाई विधवा श्री बंकुलाल ेन, तारा सुभाष चन्द पुत्र पंदुलाल जैन नि० 86/1 लोधी पुरा इन्दौर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्माधिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वसमी

ागर निगम रोड इन्दौर स्थित मं० नं० 94 का एक भाग।

वेबप्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित स्यिक्तयों, अधीत :--

तारी**व** : 4-2-1982

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, विनांक 30 जनवरी 1982

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/2293—भतः मुझे देवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० गोडाउन है सथा जो संयोगितागंज मंडी में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-6-1981

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के प्रधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत :--

- (1) श्री मानकचंद पुत्र चासीलाल जी मल्हारगंज इन्दौर (अन्तरक)
- (2) श्री मैं० सावलानी ट्रेडर्स द्वारा शान्तिलाल पुत्र गेंदा-लाल भोल्ड मण्डी, रायली गेट, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

क्षेत्र सुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्की

संयोगिता गंज मण्डी स्थित गोडाउन इन्दौर

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

तारीच: 30-1-1982

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

## श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल दिनांक, 3 फरवरी, 1982

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2295—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० ख० नं० 99-100 है तथा जो तेजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यासय इन्दौर मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1981

को निर्वाक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुव् किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारम (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री प्रिसेस मारवा राजे होल्कर 48, दसहरा मैदान रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनय नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था लि० 6/7 महेणनगर इन्दौर

(अन्त<u>िर</u>ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी त से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम तेजपुरा स्थित खसरा नं० 99~100 की भूमि इन्दौर।

देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 3-2-1982 ।

प्रकप नाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
रेंज प्रर्जन क्षेत्र भोपाल
भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेण मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2296——ग्रतः मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी स० लाट न० 65 है तथा जो विवेणी मेन इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में प्रणित है), रजिस्ट्रीक्तां ग्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से किथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय ग किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधित्:——

- (1) इन्द्रलोक को० श्रोपरेटिय हार्जीसग सोसायटी मयो० स्त्रिवेणी कालोनी इन्दौर द्वारा प्रेसीडेंट जियालाल
- (2) श्रीमित सौ बादामी बाई पित भवर लाल जी दगही निवासी राधा नगर मं नं० 78 इन्दौर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थायर संपत्ति में हित्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेमहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

विवेनी मेन स्थित प्लाट नं० 65 इन्सौर।

देव प्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज भोपाल,

नारीख: 3-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आह .टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, विनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई०ए० ्सी०/म्रर्जन/2297—म्प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 245 है, तथा जो एम० जी० रोड, इस्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप सै वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इस्दौर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 9 जून 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती 'अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्तं अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धून या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित बुंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

शतः व्यव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कें कभीन निकासिवित व्यक्तियों स्वृतिःच (1) फर्म कूकाणी विहारीलाल के मालिक (1) जमनाबाई विश्ववा स्व० रामरतनजी नीमा (2) गोरधनदास पिता स्व० रामरतन जी नीमा नि० सितलामाता बाजार, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री यासीनभाई पिता छोटे खां नि॰ 35, गफुरखां की बजरिया साउथ, इन्दौर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त रववों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनुस्थी

महात्मा गांधी मार्ग स्थित म० नं० 245 इन्दौर।

देवप्रिय<sup>\*</sup>पन्त, **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज भोषाल,

मारी**ख**: 4-2-1982

मंहिर :

प्ररूप भार्षः दो । एन । एस । ---

आयकर विविवस, 1961 (1961 का 43) की घार। 268-व (1) के ग्रधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/2298—ग्रतः मुझे, देव-प्रिय पन्त,!

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी म० नं० 207 है, तथा जो रबीन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिट्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 27-6-1982

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गर्ड है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उक्त खन्तरण जिखित में वाहनविक रूप से कविन नहीं किया गया है:--4

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम को भारा 269 घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित बैतूल बेगम पुत्री करीक माई, नि॰ 207, रवीन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इस्वीर

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कैलाशभन्द नि० 7-8-श्री जागरा कम्पाउन्ड, इन्दौर, 2. प्रमाणचन्द श्रग्रवाल नि० 7-8-9, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाधन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वादा अधोहस्ताकारी के पास लिस्ति में किए जा सकरो

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गधा है।

#### असम्बद्धी

रनीम्द्र नाथ टैगोर नार्ग स्थिम म० नं • 2,07 का भाग, इन्दीर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकक्ष आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, भोपाल,

तारीच : 3-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रानन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० ग्राई॰ए॰सी॰/ग्रर्जन/2299——ग्रतः मुझे, देव-प्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० म नं० 157 है तथा जो एम० टी० क्लाथ मार्केट, इन्दीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-6-81

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल सं, एस रूर्यमान प्रतिफल का पन्नेष्ठ प्रतिकत म अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल किनिनिलिस उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक कप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहृद्धं िकसी काम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किण्ण गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण जौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:--

- (1) श्रीमित लाजवंसी बाई, काष्ट्रजू कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)
- (2) श्रीमिति हरीबाई, 33, जयरामपुर, कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उलन सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी मार्भए .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मों हित-अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एम० टी० क्वाथ मार्केट इन्दौर स्थित मकान नं० 157।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगाल

मारी**खा** : 3-2-1982

प्रकृष प्राई० टा० एन० एस०----

आयकर अतिविम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ(1) के संशीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेण सं० ग्राई०ए०सी०/श्रर्जन/2300—ग्रन मुझे, देवप्रिय पन्त.

नायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन पक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थायर गीति, निसक्ष उन्ति बाजार मुख्य 25,000/- ब॰ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान प्लाट नं० 990 है तथा जो खातीवाला टैंक में स्थित है (स्रौर इससे उपाबड़ प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कर्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3 जुन 1981

का व वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) भीर प्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निय्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रस्तरण निविचन में वास्त्विक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के डायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौरीया
- (ख) ऐमो किसी आप या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—506GI/81 (1) श्रीमित हेमीबाई पांत श्री झमटमल जी निवासी म० न० 990 खातीबालटैक इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित पारीबाई पति श्रानंदरामजी हिरानी निवासी 44 मच्छी बाजार, इंदौर ।

(अन्सरिती)

की यह लूचना गारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में भोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकारन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त, होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अतस ची

खाती वाला टैक इन्दौर स्थित प्लाष्ट नं० १०० पर बने मकान का एक भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर जायूक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख़ : 4-2-1982

# प्ररूप बाई. टी. एन., एस.-----

बायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2301—म्प्रनः मुझे देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भंपीत्त जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/--रु. से निधक है

ग्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 171 है, तथा जो श्रीनगर एक्सटेंशन कालोनी इन्दौर में स्थित है (ग्री इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, इदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्री न 3 जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री प्रशोकशुमार बापट पुत्र वसलय वापट नि० 19 एम० जी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष अरोरा पत्नी डा० चिमनलाल अरोरा 75 जवाहर मार्ग, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेग :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ष्ट्राट नं० 171 श्रीनगर एक्सटेंशन कालोनी इन्दौर।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/2302--म्रतः मुझे देव-प्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बागार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी में भूमि है लोहार पिपल्या (देवास) में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसुची में श्रौर पूर्ण रूप से दर्णित हैं), रजिस्ट्रेंकरण श्रिष्ठकारी के कार्यालय, इदौर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1981

को पूर्वस्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से काम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप में किथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चुन्नी लाल, गिरधारीलाल पुत्र श्री मुकुन्द राम नि० लोहारपिपलिया तेह०, जिला देवाम

(अन्तरक)

(2) मैं गीता लेम्प एंड कम्पोनेन्ट्म प्रा० लि० पलासिया ए० बी० रोड, इन्दौर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस. गया है।

# अनुसूची

लोहार पिपल्या तेह० जिला देवाम स्थित भूमि ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

नारीख: 3-2-1982

# प्ररूप आहर्र. टी. एम. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन भूषना

भारत सरका

## धर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1982

निवेश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/2303--ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० नं० 37 है, तथा जो जावरा कम्पाउन्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-1981

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से काम के इस्यमान अंतिपल को लिए अन्तरित की गई हों और मूक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के विन ए गे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकान कि निम्निसित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सृविधा को लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) मैं ० लक्ष्मीदेवी श्रनुप्रभा सेठी, द्वारा श्रीमित श्रनुपमा देवी पत्नी भंबर लाल सेठी मानिक भवन इन्दौर

(अन्सरक)

(2) श्री गजेन्द्र सिंह पुत्र बुधिसिंह कोहली निवासी-1/1, ऊषागंज, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स करिक्तयों में से किसी क्रिक्त व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

जावरा कम्पाउन्ड स्थित प्लाट नं ० ३७ इन्दौर ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजेंन रेंज, भो**पा**ल

तारीख : 30-1-1982

प्रकृप नाई. टी. एन. एस.-----

प्रायक्तर प्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2304—म्प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रश्नीत सञ्जय पालिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से अधिक है

भौर जिसकी सं० मं० नं० 70 है, तथा जो सुभाषनगर, उज्जैन में स्थित है (भौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण धिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिधीन 17-6-1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितो (अन्तरितों) के बीव ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिकल, निम्निविधा उद्देश्य से उना अन्तरण लिखित में बास्तविक कप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिक्तियन के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों
  को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम 1922
  (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
  धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
  मे मुनिधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त उधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री मो० जफरखान पुत्र गुलाम मो० 198, महाकाल रोड, उज्जैन

(अन्तरक)

(2) श्रीमित णान्तीबाई विधवा मोहनलाल जैन(2) दिनेणचन्द पुत्र मोहनलाल (3) संजय कुमार निवासी उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्अंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूबता के राजपत्न में प्रकाणन की नौरीख से
  45 बिन की श्रविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की सबिधि जो भी
  श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

सुभाष नगर उज्जैन स्थित म० ब्लाक नं० 70 ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

नारीख: 30-1-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 फरवरी 1982

निदेश मं० भ्राई० .ए० मी०/ग्रर्जन/2306---ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्न

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है। क स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० म० नं० 15 है, तथा जो जेल रोड इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4 जुन 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनिया, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखित अधिकतयो, अर्थात्:---

(1) श्रीमित रमाबाई शामराव लाड (2) श्री विजयचंद शामराय लाड (3) मुरेशशामराय लाड, नि० 180, सरस्वती नीलायन सरवालचन्द रोड, हिन्दूकालोनी, बर्बई-19 । (4) श्री अक्ष्ण पिता शामराय लाड 24 जाय विल्डमें कालोनी, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री जायसवाल नवयुवक सेवा ट्रस्ट, इन्दौर हैहय-क्षत्रिय समाजधर्मणाला 8/5 जवाहर मार्ग इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के मग्बन्ध मो कोई भी काश्रोप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजां के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जेल रोड गली नं० 1 स्थित मकान नं० 15, इन्दौर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 5-2-1982।

प्रहप आर्द्र .टी .एन .एन . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/अर्जन/2307--श्रतः मुझे, देविश्रय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 8 व 9 है तथा जो स्टेशन रोड इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), पर स्थित मकान रिजर्स्ट्रांकर्ता श्रीधारारी के कार्यालय, इन्दीर, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 2 ज्न 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (६) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिस्टित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री मो तुमैन पुन्न हाजा अञ्चास पती जायडवाला (2) अलीहुमैन पुन हाजी अञ्चास नि० कारवा गली ग्राड रोड आयरन मार्केट बम्बई-४ बी० मी०। (अन्तरक)
- (2) फेज बाबा मुल्ला खान साहब सोसायटी, 141/ 145, सारग स्ट्रीट मुबारक मंजिल रूम नं० 4 पहली मंजिल, बंम्बई-400003।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

स्टेशन रोड ग्राम राव जिला इन्दौर स्थित प्लाट नं० ८ व ९ पर निर्मित मक्षान हानिम मजिल।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज भोपाल ।

नारीख: 5-2-82

मोहरः

प्ररूप ब्राई० डी० एत० एस०---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 4 फरवरी 19

निर्देण मं० भ्राई० ए० मी०/श्रर्जन/2312⊶-श्रतः मुझे, वेषप्रिय पन्त,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका अविन बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी म० गेंड है तथा जो श्रीद्योगिक क्षेत्र में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रतूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से श्रीणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रीद्यकारी के कार्यालय, उज्जैन मे, रजिस्ट्रीकरण श्रीद्यनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2 जन 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरिं। की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त मनिल का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रकारण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तर के बायित्व में कभी हरने या उसते बचने में गुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनो भाष या किसी धन या घन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं कि ग गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उन्त श्रधिनियम, कें। धारा 269-ग के धनुसरण में, में, छन्तः ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मे० भ्रम्नवाल एजेन्सी, ग्रौद्योगिक क्षेत्र, उज्जैन, (अन्तरक)
- (2) श्रौम प्रकाश पुत्र बसीलाल निः० पटनी बाजार, पटना बाखल, उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजरत में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गढदो श्रीर पदा का, जा उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टमाय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जा उस श्रष्टमाय मे दिया गया है।

# अनुसूची

भौद्योगिक क्षेत्र उज्जैन स्थित शेड।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, गंगोन्नी भवन, 4थी मंजिल भोपाल

नारी**ख**: 4-2-1982

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/2313--अतः, मुझे देवित्रिय पन्त,

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प० नं० 163 है, तथा जो आस्त्रीनगर में स्थित है (भ्रीर इससे उपापढ़ श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कायिलय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-6-1981

को। पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से किथित महीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ष) एसी दिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुरेशपंकज पुत्र रामिकशनशर्मा ब्दारा-श्री श्रोम भट्ट पुत्र श्री शिवशंकर भट निवासी वैरन बाजार, रायपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल पुत्र मांगीलाल चौपड़ा निवासी वजाजखाना रतलाम

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिस-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कास्त्रीनगर स्थित आपिन प्लाट, रतलाम ।

दोविध्य पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोती भवन, 4थी मंजिल, भोषाल

तारीख: 30-1-82

मोइर :

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2314—-श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 163 है तथा जो शास्त्री नगर रतलाम में स्थित है (धौर इसमे उपबद्ध श्रनूसूची में धौर पूर्ण रूप से बर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्राधिवारी के कार्यालय, रतलाम में, राजम्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 17-6-1981

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार यूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल गे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिपल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्तिका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, के, उद्या अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुरेश पंकज पिता श्रीरामकृष्ण निव्लोहाबाजा भोपाल श्रोव एमव भट्ट पिता शिवशंकर जी भट्ट तिव बेरत बाजार, रायपुर ।

(अन्सरक)

(2) श्री नरेन्द्रकुमार पिता मांगीलाल चौपडा बजाज खाना रतलाम

(अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसुची

प्लाट नं० 163 णास्त्री नगर, रतलाम।

देशिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोली भवन 4थी मंजिल, भोपाल

त। रीख: 5-2-82

मा**हर**ः

# प्रक्ष बाह्री, ट्री...पृष्ठ, एस ह------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### प्रारुष वरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 4 फरवरी 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2315---अत मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतकें इसके परवात् 'उक्त विधितियम्' कहा गया हैं), की वारा 269-इ के वधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, विश्वा उचित वाबार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस ही स० खुला भूमि है, तथा जो बोह्राबाखल में स्थित है (श्रीर इससे हुँगाबड़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, रतलाम मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्राधीन 2 जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्निवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्त- दिका कर्म से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी फिली बाय या किसी धन या अन्य आहितवाँ को, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया प्रा था या किया बाना जाहिए था छिपाने में स्त्रिभा औ दिस्सूष्ट

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री मकसूद बेग पुत्र इमदाद बग नोहरापुरा रतलाम

(अन्तरक)

 (2) 1 श्रा सादीरभाई पुत्र मोहसीन श्रली चिलवाला,
 2. श्रध्याम भाई पुत्र मोहसीन श्रली चिलवाला नि० चांदनी चौक रतलाम

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यमाहियां करता हुई॥

जनत् सम्मतित् को वृर्धन को सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेपू:----

- (क) इस सूचना को डाधपन में प्रकाशन की तारीं है, 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 • दिन को भीतर उच्छ स्थावर संपत्ति में हित्यव्य किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिठ ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गः ही।

## अन्स्ची

खुली भूमी एवं झोपडी, बोहरा बाखल रत्लाम

देवप्रिय पन्त भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, गगोती भवन, 4णी मजिल, भोपाल

तारीख: 4-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 30 जनवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/म्रर्जन/2316--- ग्रतः मुझे, देविशिय पन्त,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया है), की धारा 269- स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० नं० 447 है, तथा जो ग्रा० एकलदूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री दगढ़ पुत्र गोपाल ना० बा० माता केणरबाई विधवा गोपाल निवासी एकलदूना (दिगठान)। (अन्तरक)
- (2) कुसुम इन्टर प्रार्डजेज एकलदूना प्री० कुमारी कुसुम पिताबाबूलाल मिल्तल नि० ग्रोल्ड पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरिती)

नदे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिक् कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की उविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरो।

स्पब्दीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम एकलबूना (दिगठान) तह० धार स्थित सं० नं० 447 जिला इन्दौर ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, गंगोत्नी भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 30-1-82

प्ररूप आइ<sup>1</sup>.टी. एन. एस. ------

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्वेश सं० घाई० ए० मी०/ग्रर्जन/2317—ग्रतः मुझे, देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भूमि खा० नं० 70 है, तथा जो ग्राम एकलदूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन जून 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रितिष्ठत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्द्रोध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने पें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री द्गदू पित्ता गोपाल ना० बा० वर्ता माता केसरबाई बेबा गोपाल नि० एकलदूना (दिगठान) । (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रग्नवाल इण्डस्ट्री एकलदूना (दिगठान) गोपाल-दास पिता रामनारायण नागोरी नि० 6/1 मनोरमा गंज इन्दौर।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुस्ची

ग्राम एकलवूना स्थित कृषि भूमि खाता नं० 70 ते० धार ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोन्नी भवन 4थीं मंजिल, भोपाल

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2318—म्प्रतः मुझे, देवप्रिथ पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रां. से अधिक हैं स्थाय जो एकलबना में स्थित

भौर जिसकी सं० कृषिभूमि है, तथा जो एकलवूना में स्थित है (भौर इससे उपाधड़ भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम औं अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री दगडू पिता गोपाल ना० बा० माता केसरबाई विधवा गोपाल निवासी एकलदूना (दिग्ठान) तह० धाम।

(ग्रन्तरक)

(2) साई सीमेण्ट (एकलदूना दिग्ठान) प्रो० राधेण्याम पिता चौथमल भ्रप्रवाल नि० 5 धानगली इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों श्रीर पश्चें का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम एकलदूना (विग्ठान) ते० धार।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन 4थी मीजिल, भोपाल

तारी**ख** : 4-2-82

प्ररूप भाइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरघरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2319—म्प्रतः भुसे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो एकलदूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकत्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी माय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विथा के लिए;

- (1) श्री दगढूपिता गोपाल ना० बा० माता केसरबाई विधवा गोपाल नि० एकलदूना (दिग्ठान) । (श्रन्तरक)
- (2) मे॰ उषा सीमेण्ट एकलदूना (दिग्ठान) प्रो॰ दिलिपकुमार पिता गोपालदास नि॰ 6/3 मनोरमा गंज इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कें अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

ग्राम एकलदूना स्थित कृषिभृमि नेह० धारा।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज गंगोत्री भवन 4थीं मंजिला, भोगाल

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखितु व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 4-2-82

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आड़ 269-प (1) के अधीन सूपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1982

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2320—म्प्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गोडाउन है, तथा जो संयोगितागंत्र मंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 12 जून 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था दा किया जाना धाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत. जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मेहशकुमार मल्हारगंज मकान नं 336 इन्दौर।

(भ्रंतरक)

(2) श्री नाथूराम श्रसाटी पुत चवदेलाल श्रसाठी बड़ा मलहरा छतरपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

संयोगितागंज मण्डी स्थित गोडाउन इन्दौर।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, गंगोती भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 30-1-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सुरकारु

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रार्जन/2322----म्रत मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो राजगढ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनृमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजगढ़ में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रबृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अपि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के, अनूभरण मं, मं, एक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
14—506GI/81

(1) दि भिष्ठला काइन स्पीतिग एण्ड विविध मिल्स लि० प्रि० द्वारा श्री पारसचेद पिता राजजादा छाजेड नि० बिडला लाइन्स, देहली ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री माणकलाल पिता रतनलाल चौरडिया

2 वाबूलाल पिता राजमल पिरोदिया, चांदनी चौक
रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समास्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी ब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

ग्राम राजगढ स्थित खसरा नं० 193/3, 193/2, 194, 195 का भाग ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

नारीख 3-2-82 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकार आयक्त (निरिक्षिण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० सी० /म्रर्जन/2324—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 192/3, 193/2, 194, 195 है जो ग्राम राजगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, राजगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन 24-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बाच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक कप से कि थित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत जिंधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधि यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति अ्योक्तियों, अर्थात्:--

- (1) दि० बिड्ला काटन स्पिनिंग एड विविग ासरा लि० द्वारा—-पारसचंद पिता राजजादा बालचंद जी छाजेड़, फाडनेंस मैंगेनर, विउला लाइन्स, देहली। (श्रन्तरक)
  - (2) श्री सागरमल पिता मिश्रीलाल पोखाङ बजाजखाना रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षेत्र सम्यक्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

् उत्तर सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई जाक्षोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्ची

ग्राम राजगढ़ स्थित काश्त भूमि खसरा नं० 192/3, 193/2, 194, 195।

देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, गंगोवी भवन, 4थी मंजिल, भोषाल

नारीख: 3-2-1982

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आहर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

- भाषाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सा०/ग्रर्जन/2325---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मुर्पात्त जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ए. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो राजगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजम्द्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजगढ़ में, राजस्द्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-6-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (प्रन्तरितयों) के बीच एस इन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिका निमानिता उद्ध्य से उसन श्रन्तरण लिखित में शास्तिकां रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) दि० बिड़ला काटन स्पिनिंग एंड विविंग मिल्स लि० द्वारा पारमचंद राजजादा बालचंदजी छाजेड फा० मैनेजर, बिड़ला लाइन्स, देहली ।
- (2) रामचंद धुलजी बारोदिया एंड कं० के पार्टनर्स, रामचंद धुलजी बारोदिया कालेज रोड, रनलाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

ग्राम राजगढ़ स्थित भूमि खसरा नं० 192/3, 193/2, 194, 195 का भाग।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्नी भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 3-2-1982

मोष्ट्र :

प्रसः भादा हो. गाः. गास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रजंन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 29 जनवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /म्रार्जन / 2326---म्रान मुझे, देविप्रिय पन्त,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षग प्राधिकारी का, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० म० न० 142 गा० म० है, तथा जो भाटापारा में स्थित है (श्रीर इसरे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के रूप से वर्णित है), रजिट्रोकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में, र्राजस्ट्रीकरण श्रीद्यानियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीद्यान 15 जून 1981

को पूर्वोक्त सपिति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरम् संह्यं किसी नाग् की नाग्तः अनत् अपित्रम् कं अभीत् कर योगं के मृत्यरक के यामित्य में कभी करने या उससे ब्यूने में सृत्या के जिए। अहें/मा
- (क) पूर्वी किसी अप या किसी भूग या कृत्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ कर्जिस्ती द्वारा प्रत्य कहा किया गया था विषय जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्रीमती कमलारानी सिह पत्नी जगदीशप्रकाश सिह, निवासी गाधी मन्दिर वार्ड, भाटापारा, रायपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गगा चौपड़ा पत्नी श्री गुरचंद चौपड़ा, भाटापारा ।

(धन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपर्तित में हित- बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शृशिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गांधी मंदिर वार्ड भाष्टापारा स्थित मं० नं० 142, रायपुर।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, गंगोन्नी भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

नारीख: 29-1-82

### प्राक्षप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2327—श्रतः मुझे, देवित्रिय पन्त,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्प्रित, जिसका छिनत बाजार मूह्य 25,000/र र से अधिक है

झौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो महू नीमच रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपापढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18 जून 1981

को पूर्वों क्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करते का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से पिषक है और मन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकत निम्तलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक को से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत बक्त श्रिक्षियम के प्रश्नीत कर देते के प्रश्नारक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए। और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिंधिनियम, या धन-कर भिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्ताअन, जनत सिविनियम की धारा 269-व के सनुबरण में, में, वनत प्रविनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) बिजेन्द्रकुमार पुत्र सुन्दर्शसह केमु० बा० श्री हुकमचंद पिना सुन्दर सिंह नि० त्रिपलिया गेष्ट, रतलाम।

(मन्तरक)

(2) श्रकेलसेरिया ग्राटो मोबाइन्स भागीदार फर्म द्वारा भागीदार श्रीमती नीना टी० श्रकलेमरिया छत्नी-वाली पुल रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी श्ररके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के मबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजात्र में प्रकाशन की लारी ब से 45 दिन की धविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामी स से 30 दिन की अविष्ठ, जी भी धविष्ठ बाद में ममाप्त होती हो, के भी नर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उयत स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी तरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो खस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

मह नीमच रोडस्थित भूमि जिस पैट्रोल पंप लगा **हुन्ना** है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्री भवन 4थी मंजिल भोपाल

नारीख: 3-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2329—-श्रतः सुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं । मं । नं । 5 है, तथा जो छोटी खालटोली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से सुर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सर्व श्री प्रकवरस्रली, 2. कवराबाई, 3. जैहराबाई, 4 खातीवाई पता श्री गवती मीहम्मदजी नि० उदयपुर नम्बर 2, 3, 4 जरफे श्राप्तमुख्यतीर नम्बर 1 स्रकवरस्रली पिता श्री गैफा मोहम्मद जी (थन्तरक)
- (2) श्री श्रकबरश्रनी पिता हाजी साहब कादरजी काचवाला निवासी महा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रवासन की तारीख से 45 दिन को अवधि पा तरकम्बन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद मी समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजगण में प्रदाशन को नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक रणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

छोटी ग्वालटोली इन्दौर स्थित मकान एवं भूमि

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोन्नी भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 3-2 1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन क्षेत्र भीपाल

भोपाल, दिनाक 27 जनवरी 1982

निर्देश सं० पाई० ए० स्१०/सर्जन 2331—अतः मुझे देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवन र्राधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारा को, यह जिस्ताम करने का कारण ही कि स्थावर सम्पिति जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक ही

श्रीर जिसकी मं विता न् 6 है, तथा जो मालवीयनगैर मे स्थित है (श्रीर हमने उरबढ़ श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रशिक्षारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 3-6-81

को पूर्वोक्त सपित के उत्तित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिथा, उद्देश्य में अक्ष्य अन्तरण लिखित में थास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कमी घरन सा उसप बबने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिन्यिमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री हरीणचंद भारमज श्री चुन्नीलाल बबर निवासी 6 मालवीय नगर, भोपाल,

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार मनजीत सिंह, पुत्न श्रीमसिंह, निवासी सराएं सिकन्दरी रेलवे स्टेशन, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिष्प कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ईस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

लैण्ड रकवा 2254.92 वर्ग फींट मालवीय नगर, भोपाल, में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोती भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 27-1-1982

# प्ररूप् काइं. टी. पुन् प्स .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश मं० श्राई० ए० सी ०/श्रर्जन/2332--श्रतः मुझे, वेबिशिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काउण है कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मं० नं० 6/92, तथा जो फ्रीगंज में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन, में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-7-91

कां, पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक किल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुबने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) दि विनोद मिल कं० लि० उज्जैन द्वारा भूपेन्द्र कुमार जी सेठी एवंश्री तेजकुमार सेठी धगर रोड, उज्जैन (अन्तरक)
- (2) मे ० एरन काटन एण्ड श्राइल मिल्स लि ० इन्दौर 6/4 स्नेहलतागंज इन्दौर द्वारा श्री छगनलाल जी एरन (अन्स्रितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पृष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

माधवनगर फीगंज उज्जैन स्थित मकाम नं० 6/82

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, गंगोत्री भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप धाई० ठी० एन० एस०---

न्नाय कर प्रधिति रन, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के समीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2333—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्सें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पासिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उविन बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मं० नं० 143 है, तथा जो जूनीकसेरा बाखल है (श्रौर इससे उपापद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्र्मिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 12-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उन्देश्य में उंकत अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (व) ऐसी किसी आय या जिसी धन या जिल्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुलिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरणें में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :——

15---506G1/81

(1) में हरकचंद रतनचंद शैखावत 75, सीतलामाला बजार, इन्दौर,

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द पुत्र क्रजमोहन •जालान नि० 2, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य क्वित कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विशिष्त में किए जा सकेंगे।

रूपकरीकरण: ----इसमें प्रयुक्त अवदां और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जी उस सब्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मन० नं० 143, जनी कसेरा बाखल इन्दौर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), द्रार्जन रेंज, गंगोती भवन, 4थी मंजिल, भोपास

तारीख: 4-2-1982

प्ररूप आइं.टी एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2334--श्रतः, मुझे देवित्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के तीन कमा ग्राहिकार, तो प्रहा प्रकार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रजादा उत्तर प्रकार करने कर 25,000/ राज्य से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० म० नं० 144 है, तथा जो ज्नीकप्रेरा इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध प्रनूसूची में ग्रौर ूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीम 12-6-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्यास्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्या में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अम्सरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्ताक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स हरक चंद्र रसन चंद्र शेखायत 75 शीतलामाता बाजार, इन्दीर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गोराबाई पति बजमोह्न जालान 2 जूनी कसेरा इन्दौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है तें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकनानं० 144 जो जूनी कमेरा इन्दौर में स्थित है।

प्रियदेव पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, गंगोली भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 4-2-1982

मोहर 🗄

# प्रकर धाई० टी• एन• एस•---धायकर धांधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनाक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /श्रर्जन /2335—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म० न० 154 ए० तथा जो न्यू रोड रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की गई है भीर भुने यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित म वास्तविक छप से कथिन नह किया गया है :—

- (का) व्यन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत उक्त भाषांनयम के प्रधीन कर दने के प्रस्तरक के दायिस्य में सभी करन या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवित्यम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के (नए;

ग्रतः अ**ब, उब्**त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उब्त अधिनियम की धारा 269-म की उपबारा (1) के ग्रधान, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत् .—

- (1) श्री नासिरशाह श्रा० दाराशाह पारसी व्यवसाय सर्विस नि० न्यू० रोड, रतलाम । (अन्तरक)
- (2) 1. श्री लक्ष्मीचंद जी पिता पञ्चालालजी जैन
  2. श्रीमती कमलाबाई पति सक्ष्मीचद जी जैन
  नि० ग्राम पिपलखुटा त० जिला, रतलाम ।
  (अन्तरिती)

को यह यूचना जारा लरक पूर्वेतन सम्पति ६ प्रजन के । नए कार्यवाहिया करता है।

उनन सम्पन्ति । प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तियों पर भूचना की तामील ने 30 दिन की सविधि, जो भी भविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका क्यानिताों में में किसी क्यांकित दारा,
- (क) इस सूचना क राजपन्न में प्रकाणन को ताराध्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाबित है, वही ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म० नं ० 154 ए० वार्ष नं ० 16 मोहल्ला न्यू रोड रतलाम।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रापेन रेंज, गंगोक्षी भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 5-2-82

माहर:

प्रक्रिय आहीं. टी. एन. एस -

# द्भाग्नक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2698 (1) के घडीन सुचना?

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई ए० सी० /श्रर्जन/2336—श्रतः मुझे वैवत्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्द प्रिक्षित्यम' कहा गया है), की झारा 269-ज के अधीत सक्षम प्राक्षकारों को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- कि से आधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 38 है, जो साघेतनगर कालोनी में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्वीर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 29 जून 1981

को पूर्विक्त सम्मिल के उचित प्राचार मूल्य कम से कम के पूर्विक्त सम्मिल के उचित प्राचार मूल्य कम से कम के पूर्विक्त प्रतिकृत के लिए यन्तरित की नई है और मुझे यह विष्णास करने का कारण है कि यचापूर्विक्त सम्मिल का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और झन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के निए स्य पाया प्रया प्रतिकृत की निम्नलिखित उद्देश्य से उसत बन्तरण बिखित में बास्तिक क्या से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती हारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना जाहिए का, जिपाने में सुविधा के लिए;

वतः, अव, उक्त अविनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, तक्त अविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्रह्मीन नियमतिस्थित स्थिकित्यों भ्रष्यति :~- (1) श्रीमती उर्मिला पत्नी बंगत राव नि० 115 जेलरोड, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) भागिया लक्ष्मी हाउसिंग सोसायटी इन्दौर 306 शिवाजी नगर इन्दौर

(अन्सरिती)

(3) द्वारा चेयरमैन गोप्पालवास नागरी वह ध्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति हैं )

को यदं सूर्वना जारी करके पुर्वोक्तसम्मति के अर्वन के लि**ए** कार्य**वाहियाँ कर**ना है।

उपन सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध म कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन की प्रविद्य या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नापील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रंथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दो क्का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है कड़ी श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

#### अतमची

प्लाट नं० 38 साकेत नगर कालोनी, इन्दौर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30-1-82

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भौपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश सं० निरी० सहा० (भ्रर्जन) 2278—म्रातः मुझे वेवप्रिय पन्त.

आयकर ाधनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रश्नात 'उनत प्रधिनियम' कहा नया है), की बारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 - द० से प्रक्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० मं० नं० 84 है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10 जुन 1981

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय को बाबत, उक्त श्राध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतन अब, उक्त मिथिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) जे० दिलीपसिंह पुद्र श्री एन० ए० लक्षमण नि० एलाइसडेला केसकेडे फांस, द्वारा बलराम सेगन ऐजेन्ट नि 87, नवंदा रोड, जबलपुर,

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक प्रकाश पुत्र बलराम सेगन, 87, नर्बदा रोड, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्वादिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

मं० नं० 84 शीट-83 जबलपुर

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रिज, गंगोली भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 5-2**-**82

मोहार 👸

# प्रकप आई० ठी • एन० एत•⊸-

भाषिकार अभिकित्म, 195। (1**96**1 का 4**3) की घारा** 269-घ(११ के **अ**धीन गंधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 27 जनवरी 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० (इक्वी)/2282—श्रत: मुझे, देवप्रिय पंत.

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घंधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 1567 तथा जो नेपियरटाउन में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क जिन्त बाजार मूल्य सेक्स के ब्रुवमान पति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कार्य है कि यथार्वोक्त मध्यसि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकार से ऐसे दृश्यमान पति कल का पत्थत् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निस्तिसिश्चन उद्देश्य से छवन अन्तरण विक्तित में बह्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरगसे तुई किसी आय की बाबत खकत आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व पंक्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या भन्य भारितयों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मिध-ं नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री दिनकर गजानन चौधरी
  - 2. श्री दत्तावय गजानन चौधरी
  - 3. श्रीमती इन्दिराबाई पत्नी श्री पंडुरावगजानन चौधरी, राइटरटाउम, जबलपुर

(अन्तरक)

(2) श्री दुलीचन्द पुत्र हरिशम श्रीवास निवासी 1567, नेपियर टाउन, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतच्च्वारा कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में की इ भी खाक्षेत्र :---

- (क) इस सूबना त ए उपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या क्ष्संबधी व्यक्तिमों पर सूबना ल तामील से 30 दिन की गुल्दि, जो भी भ्रथष्टि बाद में समाप्त होती ो, ने भीतर (बॉक्न व्यक्ति शं में किसी व्यक्ति द्वाराः)
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
  के पान निवात में किए जा सकेंगे।

स्पन्ती करण :—इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदौँ का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्यो

मकान नं० 1567 का प्लाट नं० 168 ए पर स्थित एक भाग

> देवप्रिय पन्त स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरोक्षण)** ग्र**जैन रेंज, भो**पाल

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 27-1-1982

परूप आक्र.टी.एन.एस.------

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन मुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (श्रर्जन) 2285—श्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त.

पायकर क्षिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त ग्रिप्तियम' कहा गया है), की धारा 400-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी हो. यह विस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी मं० म० नं० 17/677 है तथा जो केलकरपारा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनूस्ची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है ) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 11 जुन 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह्र प्रतिकात भिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक दृप से काबत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिक्ष-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वागिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, धर्मर/या।
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या वर्ण्य भारितयों को जिन्हों भारतीय भाय-कर भिष्ठितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उका प्राधितियम की धारा 289-ग के प्रमुसरण में, में, जक्त प्रधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर० भ्रत्नरसिंह पत्र लक्षमन मिह, निवासी स्टेशम रोड, रायपर

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रक्षिवनीकुमार पुत करवर सांघवी, 17/677केलकरपारा, रायपुर

(अन्तरितौ)

को पत्र सूचनाचारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष म प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  जिख्यित में किए जा सर्वेंगे।

स्वरुद्धी तरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्थी और पदों का, जो उक्त भाषिक नियम के श्रष्टयाय 20-क भ परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रष्टयाय ने दिया गया

# वनुसूची

केलकरपारा स्थित मकान नं० 17/677 का एक भाग

देवप्रिय पन्त सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, भोषाल

तारीख: 28-1-82

प्ररूप वार्षः टी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० श्रर्जन/2294—ग्रत मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी स० म० नं० 207 है, तथा जो टेगोर मार्गे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्सौर म, रजिस्ट्रीकरण श्रिधियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 19-6-81

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे द्यमने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलीलत व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमती बत्ल बेगम पुत्नी करीम भाई 149, श्रार० एन० टेगोर मार्ग, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाम चन्द, 7,89 जावरा कम्पाउण्ड इन्दौर (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्युक्त करणः — इसमें प्रयुक्त कर्जां और पदां का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

# वनुसूची

र्त्रार० एन० टैगोर मार्ग स्थित मं० नं० 207 इन्दौर का एक हिस्सा ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज , गंगोत्री भवन, 4थी मंजिल, भोपांल

तारीख: 30-1-82

मोहुर 🔂

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2308—ग्रतः, मुझे, वेवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० म० नं० 1/423 है तथा जो फब्बारा चौक में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-6-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
16—506GI/81

(1) श्री इक्षाहीम भाई पुत्र हाजी गुलाम हुसैन जिनवाले नि० छत्रीचौक उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री बद्रीलाल ग्रग्नवाल निवासी इन्दौर गेट उज्जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषाकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिसित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **जन्**सूची

नगर निगम मं० नं० 1/423 का भाग फब्बारा चौक उज्जैन ।

देवप्रिय पन्त सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन र्पण, गंगोती भवन, 4थीं मंजिल, भोपाल

तारीख: 5-2-1982

# प्ररूप प्राई • टी • एन • एस • ----

# आयकर प्रधिनियनः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्रार्थ० ए० सी०/धर्जन/2309—धतः, मुझे, देवप्रिय पन्स

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका अधिनियम' कही गया है), की धारा 260-घ के अधीन सभार प्राधिकारों की यह विश्वाम करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचि वाजार मूल्य 25,000/- क से ग्रधिक है भीर जिसकी संग् मंग नंग 1/423 है तथा जो फब्बारा चौंक में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुस्ची में और पूर्ण क्य से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 9-6-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाउविकत सम्पत्ति का खिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिये नय पाया गया प्रतिफल, निष्निलिखन छर्ग्य से छुन्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक एक में किया नहीं किया गया है।

- (क) यन राष्ट्र से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्षमें में सुविधि के लिए। और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपामें में सुविधा के लिए;

ग्रनः अत्र; उनन ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनन ग्रिजियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इब्राहीम भाई पुत्र हाजी गुलाम हुसैन जिनवोल छत्रीचौक उज्जैन ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णाबाई ग्रग्नवाल पति श्री साहबलाल जी ग्रग्नवाल उज्जैन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाद्वियों करता हूं।

उनत सम्पंति के अर्जन के सम्बन्ध में को ई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जों भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में बकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राभो सामरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी छन्त अधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो छस अब्धाय में दिया गया है।

# वन्स्ची

फड्यारा चौक स्थित मकान नं० 1/423 उज्जैन ( नया नं० 60) क भाग ।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोती भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

**तारीख: 5-2-1982** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आय तर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2310---श्रत. मुझे, देव प्रिय पन्त.

स्नायकर सिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त सिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मं० नं० 31 है, तथा जो हैलाबाढ़ी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-6-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में नम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पष्ट्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिक्त कि विश्वत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तिक इस ने किया नहीं कि सम्मा है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या प्रथ्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री फैजालहुसैन पुत्र हाजी युसुफ ग्रली, पिटेवान बोहरा नि० गोलमंडीबाखन उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलामग्रली पुत्र हाजी श्रब्दुलहुसैन पिटेवान बोहरा नि० जानसापुरा उज्जैन ।

(अन्तरिसी)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रार्क प:---

- (क) इस सूचना के राज्यस्त्र में प्रका ा की तारीख से 45 विन की मंदिल या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रवित्त, जो भी भवित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन है भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब ह किसी अन्य व्यक्ति होरा, अधोत्रस्ता अरी के पान लिखित में कि जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:—इसमें प्रपुत्रत शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्राधिनियम के यहवाय 20-क में यथा उरिमाधित है, वह। ग्राथे होगा, जा उस ग्रह्माय में विया गया है।

### अनुसूची

हेलावाढ़ी उज्जैन में स्थित मकान न० 31 नया बाड़ा।

देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोब्री भवन 4थी मंजिल, भोपाल

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

तारीख: 5-2-82

मोहार 🛭

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/म्रर्जन/2311—म्बतः मेझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं गोड है, जो ग्रौ क्षित उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2 जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नुम्निलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) में श्रम्भवाल एजेन्सी उद्योग पुरी द्वारा भागीदार
  - (1) बाबूलाल जगन्नाथ जी
  - (2) रमेशचन्द्र बद्रीलाल
  - (3) कृष्णवल्लभ रामधन्द्र
  - (4) श्रीमती इंदिरादेवी जगदीश प्रसाद निवासी उज्जैन, तथा
  - (5) श्रोमप्रकाश धीमालाल गर्ग, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द पुत्र बद्रीलाल मित्तल पटवा बासल उण्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशींक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्द्रीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रौद्योगिक क्षेत्र उज्जैन स्थित गोड्स प्लाट नं० 4, श्रागरा रोड, हिरामील मार्ग, परा मु० 7, उज्जैन।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, गंगोस्नी भवन, 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 5-2-1982

मोष्ट्र :

# प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० म्रर्जन/2321—म्ब्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह त्रिस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो लालबाग में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर, में, राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26 जून, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान को प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; आर्रि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

- (1) श्री जहांनवस्था पिरोसणा लालवाग बुरहानपुर हाल निवासी मोदी बिल्डिंग गामख्या कालोनी साउदेव बंबर्ष ।
  - (1) मोतीलाल
  - (2) गोतमचंद
  - (3) हरीशचंद
  - (4) जीधराव वार्ड नं० 29, न 279।

(अन्सरक)

(2)(1) श्री मोतीलाल रहारा बस्तीमल जैन

2) गोत्मचन्द ∫

(3) हरिचन्द धन्नालाल गढवाल

लालबाग, बुरहानपुर

(4) जिवराज खेमराज देवटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति क अजन क स्थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

ग्राम लालबाग बुरहानपुर स्थित कृषि भूमि ।

ृदेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्राथुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, गंगोदी भवन 4यी मंजिल, भोपाल

तारीखा: 5-2-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

ंकायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, विनांक 3 फरबरी 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी० म्रर्जन/2323~-म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० भुमि, है, तथा जो राजगढ़ में स्थित (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, राजगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 24-6-1981 को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का, कारण ही कि यथापूर्वों कत मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित अधिकताओं अधीतः—

(1) श्री वि० बिरला काटन स्पीनिंग एंड विविंग मिल्स लि० बिढ़ला लाइन्स द्वारा पारसचंदछाजेड पिता रायजादा बालचंद जी छाजेड़ देहसी

(अन्तरक)

(2) मुकेशकुमार एवं नरेशकुमार पंत श्रशोक कुमार जैन, श्रभयकुमार पुत्र रतनलाला 4 श्रशोक कुमार मुनक चौक रतलाम, 5, श्रीमती मीनव बंबई, 6 श्रीमती सूरज, बंबई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एत्द्दनारा कार्यवाहियां कारता हुं।

उपरा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अजिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर धूवें कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि बाके ग्राम राजगढ़ खसरा नं० 192/3, 194/2, 194, 195।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज गंगोत्नी भवन 4थी मंजिल, भोपल

तारीख: 3-2-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश सं० श्राई० ए० मी० श्रर्जन 2328—श्रातः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक हैं

भीर जिसकी सं अभि है तथा जो लोहारिषपल्या में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-6-81 को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का प्रमुद्ध प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के सभीन कर देने के अक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को 'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम वा धनकर अधि-ित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः -- (1) श्री चुन्नीलाल पिता मुकुन्दराम गिरधारी पिता मुकुन्दराम वगैरा निवासी ग्राम लोहारपिपल्या लेह जिला० देवास

(प्रन्तरक)

(1) म० गीता लम्प एड क्षम्पनी नि० प्रालि० 25, भ्रोल्ड पलासिया, बी० ए० रोड, इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवाना जारी । हरके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समानि ह अर्जन ह राम्बन्य में होई भी आशेप:→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण:--- इसमे प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का जो उन्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमी लोहार पिपल्या लेह जिला देवास

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्नी भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख: 3-2-1982

भोहर :

# प्ररूप आई० टी • एन० एस०-

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जनवरी 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी० ध्रजंन/2330—प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- ह० से

मधिक है

श्रौर जिसकी सं० मं० 74/1 गोडाउन फार्म क्विं है, सथा जो धनेली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 11-6-1981

को तूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिभल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिभल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभक्त निम्निजिबन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखिन में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की नानत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) हाजी हबीब हाजी अहमद पुत्र म्रहमद बेबार, निवासी बैजनाथपारा, रायपुर,

(अन्तरक)

(2) श्री जिकर हाजी श्रहमद देबार बैजनाथपारा रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसो वाक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो जनत ग्रविनियम, के ग्राज्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो जम ग्राज्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्राम धनेली स्थित कृषिफार्म गोडाउन क्वार्टर, खसरा न० 74/1, 302/4 जिला रायप्र

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्नी भवन 4थी मंजिल, भोपाल

तारीख : 29-1-82

मोह्रर :

श्रुरूप आई. टी. एन. एसं.----

क्षायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्नाई० ए० सी० /ग्नर्जन 2305---ग्रत०, मुझे, वेवप्रिय पन्त

वायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 27 है, तथा जो उद्योगनगर इस्वौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, इस्तौर में, रजिट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 5 जून 1981

को पूर्वेक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति- एल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्ते अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/सा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिशित स्थितस्यों सर्थातः—
17—506GI/81

(1) श्री सेव। राम पिता देवसीभाई नि० 28 खातीपुरा इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) 1. शरदचंदन,

2. शंकरलाल, 3. मतीशचन्द्र पिता श्री मोहनलाल जी, 4. लोकेशकुमार पिता रामदास, 5. योगेश-कुमार पिता यशवन्तकुमार, नि० 20 टैगोर मार्ग, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पद्धीकरणे:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्कर्त विभागियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### मन्स्ची

उद्योग नगर सेक्टर- ए पर प्लाट नं० 27 इन्दौर । देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) श्रुजैन रेंज, गंगोब्री भवन, 4यी मंजिल, भोषाल

तारीख: 5-2-1982

### प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, तई विल्ली नई विल्ली, विनांक 11 फरवरी 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु०/II /एस०ग्रार०-1/

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-30 है, तथा जो बंगला रोड, ग्रादर्शनगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981

को पूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाजार मूल्य मे कम के धरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती प्रेम भाटी पत्नी श्री श्रोमप्रभाश निवासी सी-30, बंगला रोड, ग्रादर्श नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मुऱ्शंन जेठी पत्नी श्री भृणन लाल जेठी। (2) श्री ग्रशोक्त जेठी सुपुत-श्री भूषन लाल जेठी निवासी डी-52, पृथ्वीराज रोड, ग्रादर्ण नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्पिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों गरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक संजिला मकान जो कि दक्षिणी हिस्से में बना हुआ है । प्लाट नं० 30 ब्लाक-सी, बंगला रोड, ग्रावर्ण नगर, दिल्ली।

> श्रीमती विमला विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली 110002

तारीख: 11 फरवरी, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एस०भ्रार०-1/6-81/7961---भ्रत. मुझे श्रीमती विमल विशिष्ट

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० एम-46 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भागा गया प्रतिफल निम्निसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्ष्मं) जुन्तरक से हुन्दै हैंकसी बाव की बावत उक्त अधि-वियम के अभीन कड़ दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? जौर/या
- (क्स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री श्रशोक कुमार सुपुत्र श्री सदा नन्द निवासी डी-II, पूर्वी निजामुद्दीन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री रवीन्द्र चढ्ढा, सुपुत्र श्री मनोहर लाल चढ्ढा, निवासी ज-48, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण : → इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### मन्सूची

प्लाट नं० एभ-46, जिसका क्षेत्रफल 213 वर्ग गज है तथ राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली 110002

तारीख: 11 फरवरी, 1982

मोहरः

# प्रकल्प आइं. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्चार०-2/6-81/ 4665---श्रतः मुझे, विमल विशष्ट

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 1100 वर्ग गज है, तथा जो बहार खस्रा नं० 560, गांव सेमपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः स्रवः, उक्तः अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरणः पः, में, उक्तः अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) । अभीन निकृतिस्थित स्थितस्यों अभितः :---

- 1. (1) श्री जिलें सिंह
  - (2) तारीफ सिंह सुपुत्र प्रेम श्रौर
  - (3) श्रीमती रामो पुत्री प्रेम और पत्नी श्री शेरिंसह निवासी गांव सीराण पुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी जसबीर सिंह निवासी ई-1/3, माडल टाऊन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# वन्सूची

खसरा नं० 560, भूमि का क्षेत्र फल 1100 वर्ग गज है। गाव सेमपुर।

> विमल वशिष्ट सक्षम् प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीख 11 फरवरी, 1982 **नोहर** ः प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० श्रार०-2/6-81/8009 - श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट, श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्न पिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी मं० श्रगला भाग है तथा जो जायदाद नं० 4633, 19-ए, असारी राड, दरियागंज, विहली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1981 को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों अत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे, दश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरितीं (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किवन नहीं गया है ---

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण के, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीत, निकृतिविद्य व्यक्तियों, कर्णात् :---

 मैं० एस० बन्द एण्ड क० निमिटेड रामनगर, दिल्ली द्वारा निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री श्याम लाल गुप्ता

(अस्तरक)

2. मैं० भ्रानन्द ट्रेड्सं, 2578, नगी संडक, दिल्ली द्वारा हिस्सेदार सतीम चन्द गुप्ता, सी-155, पूर्वी कैलाश, नगी दिल्ली।

(नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारं सधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्परहोकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### नगचनी

श्रगला हिस्सा, जायदाद नं० 4633, 19-ए, ग्रंसारी रोड, दरियागंज, नयी विल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 11 फरवरी 1982

मोहुर ३

प्ररूप आर्थ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्<del>च</del>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्मार०-2/6/81/8008—अतः मुझे, विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं० ध्रमला हिम्मा है तथा जो जायदाद नं० 4633, 190, ग्रंमारी रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विश्वत हैं) रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारों के कार्यालय दिल्ली, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारों के कार्यालय दिल्ली, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिकार 1908 (1908का 16) के प्रधीन दिनाक जून, 1981 को पूर्वोक्त सपिल के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार

मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखल उद्देवस से उसत अन्तरण सिच्ति में वास्तिवृक्

रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:-

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयुकी आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तुरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ए'सी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवाँ, अर्थात् ह——  मैसर्स एस० चन्द्र एण्ड कम्पनी, लिभिटेड रामनगर, नयी दिल्ली द्वारा निदेशक श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, 16-बी/4, श्रसफश्रली रोड, नयी दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स टाइल इम्पोरियम, 3679, चावड़ी बाजार, दिल्ली हारा हिस्सेदार श्री म्रानन्व कुमार जैन, 7/3, म्रंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली।

(बन्तरिती)

को मह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवित व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसर्ची

श्रगला हिस्सा, जायदाद नं० 4633, 19-ए, श्रंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली।

> विमल विधाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई विल्ली-110002

तारीख . 11-2-1982 मो**ह्**रध प्ररूप आई० टी० एन० एस०~-

ग्रायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०म्रार०-2/6/81/8021-----म्रतः मुझे, विमल विशष्ट

कायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व० अ अधिक है

श्रोर जिसकी मं० जी-2, ई-2/16 है तथा जो दरियागज, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन पिताल जुन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किश्वत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण गड़ के किसा पाय की बाबत जक्त प्रधि-नियम के भ्रमीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या जयसे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उन्त प्रविनियम को धारा 249-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपसारा (1) के प्रश्लीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात .-- 1 मै० सरस्थती बिल्डण्स फेज-2, जी-1/16, दरियागज, नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 मै० विश्व रामा होइल लिमि०.
2-बी. मागर एपार्टमेट, तिलक मार्ग, नरी दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों जा, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

नं० जी-2, ई-2/16, दरियागंज, नयी दिल्ली।

विमल विभिन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 11 फरवरी, 1982

मोह्नर:

प्ररूप आर्ष: .टी. एन. एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिस्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०घार०-2/6/81/ 4665---ध्रत: मुझे, विमल विशष्ट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 8/31 बी है, तथा जो तिलक नगर, नयी दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन, 1981

को पूर्वो क्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिचत में बास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अधीत:—

- 1 श्रो निहास चन्द्र मिगलानी निवासी 1074, मेन बाजार, नजफगढ, नथी दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्रीमती नसीब कौर श्रौर मन्ता रानी, निवासी बीई-231, हरी नगर, नथी दिल्ली (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवीं कत क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) ६ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ेस्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### **अन्**त्र्ची

प्लाट नं० 8/31 बी, तिलक नगर, नयी दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मई दिल्ली

तारीख: 11 फरवरी, 1982

मोक्स्य:

प्ररूप बाई • टी • एन • एव • ----

न्नायकर ब्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रिवित सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नयी विल्ली नई दिल्ली दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक् २०-2/एसम्रार-2/6/81/4737--- प्रतः भुसे, विमन विशिष्ट प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख त अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाध करने का कारण है कि न्याप एना कन क, उन्ति ब; आर मूल्य 25,000/- इन म प्राधिक हैं। ग्रीर जिसकी स० प्लाट का ग्राधा भाग नं० 70 है तथा जा न्यू

ग्रीर जिसकी स० प्लाट का ग्राधा भाग तं० 70 ह तथा जा त्यू मुलतान नगर, रोहतक रोष्ठ, दिल्ली-110056 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्याजय दिल्ली में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल नो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरभ सं हुई १६२३। नाय को बाबत, अवश पछि-नियम के अधीन कर केने के अक्तरक के बायित्व में कमी करने वा अससे बचने में बुविचा के लिए; और/या
- (ख) ऐसं किसा भाष या किसी धन या भण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिनियम, 1922 (1922 इ. 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया रूम भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में गुंबधा के लिए;

सत्य अव, उनत प्रधिनियन की धारा 269-म के मनुसरण में, मैं,, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निक्नशिक्ति व्यक्तियों अभीत् :—
8—506GI81

- श्री धर्मबीर सिंह दहिया, सुपुत्र श्री उमराव सिंह दहिया,
   डी-19, न्यू मुल्तान नगर, रोहतक रोड, विल्ली।
   (ग्रन्तरक)
- श्री चन्द्र प्रकाश धिंगरा सुपुत्र श्री मोहन लाल धिंगरा,
   95/26, पश्चिम पटेल नगर, नयी दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह पूजना जारो करक पूर्वोंका प्रभिक्त के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्यास के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इप सुवना के राजपन्न में प्रकाशन की वारी से 45 दिन हो अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर नूचना को नामी ल पे 30 दिन को भविष, जो भी अवधि बाद में समाण्ड होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियां में अ दिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) अन भूचना अ राजगत में प्रकाणन की वारीबा से 45 दिन मीतर उस्त स्थावर जन्मति में हिनबद्ध किसा प्र- व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्वाकारी के पास क्षित्रन में किए जा मकीं।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दा ग्रीर पदी का, जा उक्त ग्रीचन नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, वहा वर्थ होगा, जो सम अध्याय में विधा गया है।

## मनुस्ची

ण्लाट का श्राधा हिस्सा जिसका नं० 70 ब्लाक "डी", न्यू मुल्तान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट | सभुम प्राभिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरी**भण**) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 11 फरवरी, 1982

भाहर 🗈

प्रकप आर्धः टी. एन. एस.-----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी० एक्यू०-2 एस० प्रार०-2 6-81/4649—प्रत: मुझे, विमल विशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्नौर जिसकी स० जे-10/1 है तथा जो राजौरी गार्डन, गाय ततारपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ज्न, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के सिए; बीडः/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा क लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--

- श्री सोम नाथ एण्ड मतीश कुमार सुपुत्र श्री भगवान दास बेद निवासी ज-10/1, राजौरी गार्डन, नयी दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 (1) श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी एस० ग्रमर सिंह
  - (2) एस० तरणजीत सिंह सुपुत्र एस० श्रमर सिंह
  - (3) एस० जगमोहन सिंह सुपुत्र एस० ग्रमर सिंह
  - (4) एस० बांका सिंह सुपुत्र एस० ग्रमर सिंह
  - (5) श्रीमती श्रमरजीन कौर पत्नी तरणजीन सिंह
  - (6) श्रीमनी तजीण कौर पत्नी जगमोहन सिंह ग्रीर
  - (7) श्रोमती श्रजीत कौर पत्नी एस० बांका सिह् सभी निवासी, एच-35, राजौरी गार्डन, नयी दिल्ली।

(अन्सरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### अनुसूची

जे-10/1, राजौरी गार्डन, गांव ततारपुर, दिल्ली।

्विमल विणिष्ट सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 2, नई विस्ली

तारीख: 11 फरवरी 1982

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यृ०/2/एस०ग्रार०-2/6-81/ 4660—--श्रतः सुक्षे, विसल विणष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- र स अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० डब्ल्यू-जै-174 है, तथा जो एस० पी० मुर्खेजी मार्ग दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण द्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्या) के बीच एस अन्तर्भ के लिए तय पाया एया प्रतिक्षक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ लिखित में वास्तविक दृष्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा क लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपजात (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्रीमती लीला बती पत्नी श्री महेश्वर नाथ मुंशी निवासी 174, श्यामा प्रामाद मुखर्जी पार्क, विल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री पूरन चन्द सुपुत श्री रेमल दास, निवासी 9134, गली नं० 4, मुख्यानी ढाँडा, पहाड़गंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर अंपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसंची

मकान नं० डब्ल्यू-जैंड 174, स्थामा प्रसाद मुखर्जी पार्क, विल्ली, खसरा नं० 15/16 तथा 15/25, गांव चौखड़ी, दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 11 फरवरी 1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०भ्रार०-2/6-81/ 4662—श्रत: मुझे, विमल विणिष्ट,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रुपए से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं प्रकान है तथा जो लाल डोरा गांव साहिबाबाद दोलतपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कीथत महीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्नत जिथानियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा को क्षिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राष्ट्रिश के लिए;

 श्री केदार नाथ मुपुत्र श्री विरध्, माहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री बासुदेव सुपुत श्री राधा किमन बी-165, इन्द्र स्थार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसची

मकान लाल डोरा गांव में स्थित है, साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक अगयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अत अब, उक्ता अधिरियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

नारीखा: 11-2-82

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/6-81/7980—ग्रतः मुझे, विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० टी-1, है तथा जो तीसरी मंजिल ई-2/16, दिरमागंज, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष: बौर/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अच्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए;

1. मै॰ सरस्वती बिल्डिर्स, फेंस-2, जी-1/16, दिरयागंज, बिल्ली

(अन्सरक)

श्री एस० के० जैन,
 टी-1, ई-2/16, दिरयागज, दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अअंन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं  $\circ$  टी-1, तीसरी मंजिल, जो कि ई-2/16, विरियागंज, विस्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

अतः अतः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख: 11 फरवरी 1982

माहरू 🛭

प्ररूप धाईं व टी॰ एन • एस०- ----

आयकर प्रधितियय, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-**ण (**1) के प्रशीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०प्रार०-2/6-81/4816---प्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आय कर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम, कहा गया है), की बारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास भारने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- दे से अधिक है

भौर जिसकी सं० कारखाना है तथा जो लाल डौरा, गांव बोहरगढ़, नयी दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के बृण्यमान प्रतिकुल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रविक्त है और भग्तरक (भग्तरकों) और प्रम्तरिती (भन्तरितियों) के बीज ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित खड़ेश्य से जक्त भग्तरण जिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) प्रश्तरण से द्रुई किसी जाग की बाबत उक्त बाधिनियम के प्रधीन कर देन के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिंघिनयम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में युविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, भृष्कि :--  श्री दुलीचन्द सुपुन्न श्री लेख राम बोहरगढ़, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रिय दर्शनी त्रिपाठी मुपुत्र श्री के० बी० त्रिपाठी, 51/4, एन्ड्रयूज गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्त्वभ्यन्थी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (अ) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

### अनुसूची

फैक्टरी जो कि 226 वर्ग गज भूमि पर बनी है तथा लाख डोरा, गांव बोहर गढ़, दिल्ली में स्थित है।

> विमल विधाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीख: 11 फरवरी 1982

प्रकृष आई० टी० ए५० ए५० ----

यायकर आंधिन मा, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-व (1) के सीन प

कार्यालय, महायक आयकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्वेश स० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/6-81/ 4664---श्रत:, मुझे, विमल विशिष्ट,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ए॰ से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव मिर्जापुर, पालम, नयी दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूच में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) र्जन्स्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुन, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का जिलत वाजार मूल्य, उत्तरे दृश्यमान प्रतिकल स, एसे पृथ्यमान प्रतिकण का कि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस प्रम्तरण के लिए उथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक छप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर श्रीधिनयम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए। श्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य ग्रस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के खिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिहित व्यक्तियाँ स्थात ॥—

- 1 श्री गणपत राय सुपुत्र श्री छनरू मल निवासी—4530, डाईबाला, नयी सङ्क, दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री राजबीर सिंह मुपुत्र श्री चैतराम गाव-पालम, नयी दिल्ली ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजार में प्रकाश की तारीख स 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 3 विद्या की जबबि, जो भी अविश्व गांव में समाध्य होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किया व्यक्ति ज्ञाय
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हिस्तुब्ध किसी प्रन्य क्यस्ति दारा, भणकाराज्य ते पास लिखिन में पर्य जा पर्दे

स्वव्दीकरण :-- इसमें प्रमुक्त सब्दों सीर पथी था, जो खक्त प्रधिनियम के सब्याय 20क में विरिधाणित है, कड़ी अब डामर, जो उस अब्याय में दिया एए

# अनुसूची

कृषि भूमि मिजापुर, पालम नयी दिल्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 11 फरवरी, 1982 मोहर् प्रमप अप्त . टी . एन . एन . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ए (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/6-81/4758—-श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्विमरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए-51, न्यू मुल्सान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली श्रीर खसरा न० 1/16/2, गांव-ज्वाला हरी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 81 को पूर्वोवत संपरित के उचित वाजार यून्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास काने या कारण है कि येथा पूर्वेका संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का निद्र प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत प्रिम्निलियत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत् अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धान्तर अधिनियम, या धान्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

- पं राधे प्याम सुपुत्र स्व० पण्डित शिव नन्दन लाल, श्रीमती भगवती बेबी सुपुत्री पण्डित सोहनलाल, पत्नी राधे प्याम,
  - ए-51, न्यू मुल्तान नगर, रोहतक रोड, विल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्री नन्द किशोर माहेश्वरी सुपुत श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी, 5/5770, गली नं० 3, देव नगर, नयी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगराची

ए-51, म्यु मुल्तान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली । खसरा नं । 1/16/2, गांव-ज्वाला हरी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम् प्राभिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्मियन क्यक्तियों. अर्थात ---

ता**रीख 11-2-1982** में**हर**ः प्रकप शाई० टी० एन०, एस•----

आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के क्राधीन सुचन।

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एक्य् ०-2/एस०श्रार०-2/6-81/ 4698—श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निपका उचित बाजार मूख्य 25,000/=हपये मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं सी-111 है, तथा जो गाव नरेणा, इन्द्रपुरी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्त बाजार मृहय से कम के वृष्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार मृहय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्न अन्तरण लिखित में वास्तिबक्त रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत खबत श्रिक्षित नियम के श्रीक्षीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसय बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ₹न ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के अनु-सरण मं, मं, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन निम्निजिखित स्थितियो, ग्रथीत्. → 19—506GI/81

- श्री हरी सिह सुपुत श्री मेहर सिंह निवासी डब्ल्यू जैड-2वी, विष्नृ गार्डन, नयी दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री मेघ राज अग्रवाल मुपुत्र श्री कपूर चन्द निवासी 6-ई, रानी झासी रोड, नयी दिल्ली -55 (अन्तरिती)

का यह मूचना जारी हरके इर्जोक्त पमाति है पर्वत है निए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरंत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप मूचना ह राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास तिखिन में किए जा सकरों।

हरब्दीकरग: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

भी होल्ड प्लाट नं० 111, क्षेत्रफल वर्ग गज, 500, ब्लाक "सी", गाव नरेणा, इन्द्रपुरी कालोनी नयी दिल्ली-12

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली−110002

तारीख: 11-2-1982

मोहर:

# प्रकृष् मार्च. टी. पृत्. पृत. -----

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/6-81/ 4654—श्रतः मुझे, विमल विशष्ट

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव वी-248 है, तथा जो राजौरी गार्डन, नयी दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे दृश्यमान प्रितिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंफरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिये; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलीवत स्थितियों सधीत :--

- 1. श्री धर्मा नन्य गर्मा, सुपुत्र स्व० पं० प्यारे लाल गर्मा, निवासी 2-सी/12, रोहतक रोड, नयी दिल्ली (अन्तरक)
- श्री राम ग्रथतार नागपाल सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द नागपाल
   (2) मिसेज रंजना नागपाल, पत्नी श्री राम श्रवतार नागपाल, निवासी 37 ए, (एम० ग्राई० जी०,)
   डी०डी० ए० फ्लेट, राजौरी गार्डन, नयी दिल्ली।
   (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. विम की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पृथींकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्री होल्ड प्लाट नं० 248, ब्लाक बी, क्षेत्रफल 239 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, नयी दिल्ली ।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली—110002

तारीख: 11-2-1982

मोहरः

प्रकप आई • टी • एन • एस • ----

# नायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षिण) ग्रर्जनरेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 फरवरी 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/6-81/ 8050—-आतः मुझे, विमल विशिष्ट

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ढ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 39/7-8 है, तथा जो रमेण नगर, नयी विल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरित (अन्तरित्यों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उका अन्तरण जिखित में वास्तविक कर से कथिन नहीं किया गया है:—

- (च) अन्तरण से हुई चिसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या इससे अवसे में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य धास्तियों को, जिन्हें नारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रथिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

भतः, अब, उक्त समिनियमं की घारा 269-म के जनुतरण में, में, उक्त समिनियमं की चारा 269-च की उपद्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- श्री वीवान चन्द सुपुत्र श्री सदा रंग, निवासी ए-1/267, जनक पुरी, नयी दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री बन्द्र जीत कौर, पत्नी, श्री गुरदीप सिंह निवासी-1476, दरीबा कलां, चांदनी चौक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओभी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सरकारी द्वारा निर्माण क्वार्टर नं० 39/7-8, रमेश नगर, नयी दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक वायुकार वायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-2-1982 मो**इर** : प्ररूप आहु टी. एन एस.-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एवयू०-2/एस०आर०-1/6-81/7959—अत मुझे विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम 1961 (196! का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उतित बाजार मूख्य 25,000/- द० से विधिक है और जिसकी स० 34/5 है, तथा जो पूर्वी पटेल नगर, नयी दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावह अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1981

को पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कर के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कियवायू वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान अतिफल ५, ऐसे दृश्यमान अतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में अक्त ग्रांतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिष्ठ। नियम के भिर्धान कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी कपने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर धिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्रीमती निर्मल भाटिया. पन्त श्री सुदेश लाल भाटिया निवासी 34/5, पूर्वी पटेल नगर, नयी दिल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्री विनय भाटिया सुपुत्र कृष्ण लाल भाटिया निवासी 34/5, पूर्वी पटेल नगर, नयी दल्ली। (अन्तरिती)

कांयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

# अनुसूची

जायदाद नं० 34/5, भूमि का क्षेत्र फल 200 वर्ग गज पर प्लाट की रचना पूर्वी पटेल नगर, नयी दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 11-2-1982

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982 निर्देश सं आई० ए० सी०/एनयू०-2/एस०आए०-1/6-81/ 8028-- ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/~-रा. से अधिक **है** 

श्रीर जिसकी स० 4455 है तथा जो पहाड़ी धीरज, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में र्गजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जन, 1981

को पर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवांकित संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम*,* 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्षत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा. श्रीमती द्रौपदी देशी पत्नी स्व० श्री ज्ञान चन्द जैन, निवासी 4628, पहाडी धीरज, सदर बाजार, दिल्ली (अन्तरक)
- 2. (1) श्री एस० भी०/श्री पवन कुमार जैन,
  - (2) श्रुकण कुमार जैन श्रीर विपन कुमार जैन, पुत्र (सभी) श्री रघुबीर चन्द जैन, निवासी 3783, गली नयी बस्ती, पहाडी धीरज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गे।

स्पच्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जायदाद नं० 4455, मैंन रोड, पहाड़ी धीरज, सदर बाजार, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 11-2-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अभीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, 2 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/6-81/ 4656—-ग्रतः मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचितं बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव राजापुर खुर्द, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 81 को पूर्वोंक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिसत उब्वेश्य से उबत अन्तरण निस्त में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तिरिती द्वारा प्रकट क्ट्रें किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अभृति :---  श्री श्याम कृष्ण सुपुत्र श्री बनारसी दास निवासी 23, महादेव रोड, नयी दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० लालसनस भगत भौर एसोसिएट्स,
 56, जोर बाग, नयी विख्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्वेकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ज्युत्वी

भूमि का क्षेत्र फल 19 बीघा धौर 19 विश्वास, गांव राजापुर खुर्व, विल्ली इस्टेट, दिल्ली।

> श्रीमती विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वामुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख 11 फरवरी, 1982 मोहर ः। प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.----

अप्रयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सीः०/एक्यू/2/एस०श्रार०-1/6-81/8088—-श्रतः मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 3/28 है, तथा जो पूर्वी पटेल नगर, नयी दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विजन है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; आहर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धांया किया अपना चाहिए था, छिपाने में स्विधा लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- श्री हंसराज मेहरा सुपुत्र स्व० श्री शौहरी लाल निवासी 3/28, पूर्वी पटेल नगर, नयी दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रेनु धवन पत्नी श्री मुणील धवन निवासी जे-391, न्यू राजिन्द्र नगर, नयी दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मैं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि खों भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः-- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ढाई मंजिला मकान नं० 3/28, पूर्वी पटेल नगर, नयी दिल्ली।

> विमल विभिन्ध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीच : 11-2-1982

मोहर:

प्ररूप आई टी.एन एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1082

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू-2/एस०ग्रार०-2/6-81/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० डब्ल्यू जैंड-417 है तथा जो शिव नगर, नयी दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण स्प में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1981

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के लिए अंतरित की गई है और म्भें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (a) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्रीमती सुमित्रा देवी निवासी डब्ल्यू जैंड-417, शिव नगर, नयी दिल्ली । (अन्तरक)
- श्रीमती परमजीत कौर, निवासी एफ-5, मोती नगर, नथी दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:

# उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में क्येर्ड भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए या सकेंगी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० डब्स्यू जैड-417, बियरिंग प्लाट नं०सी-ए/6, शिव नगर, नयी दिल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

नारीख 11-2-1982 मोहर : प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2. नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०म्रार०-1/6-81/ 8020—म्रतः मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ई-2/16 है तथो जो दिरयागंज, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रकृष्ट प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आंबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों अर्थात्:-- 20—506GI/81

मै० सरस्वती विल्डरसफेज-2,
 जी-1/16, दिरयागंज, विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

मै० ग्रग्नवाल एसोसियेटटस,
 61, बाबर रोड, नयी दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित^ बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास क्षिति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिया गया है।

# अनुसूची

जायदाद का ग्रगला भाग नं० ई-2/16, दिग्यागंज, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

सारी**ख**: 11-2-1982

मोहर 🗓

प्ररूप भारे•टी•एन•एस•---

श्रायकर विवित्यन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के संघीत स्वना

# बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियमें' कहा यदा है); की प्रारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 49-सी, ब्लाक जे-5, राजोरी गार्डन, गांच, ततारपुर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जन, 1981

को पूर्वोश्त सम्पत्ति के खिलते बाखार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुले वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ववा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखित में बास्तविक क्य से कवित किया नहीं गया है।~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अप्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाश्चिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसक्ण में, म, उक्त मिन्नियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--  श्रीमती प्रभा रानी पत्नी श्री बी० एन० कौशिक, जे-5/49-सी, राजौरी गार्डन, नथी दिल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती चतरकौर, श्री जगमोहिन सिंह, श्री हरपालिसह ज-6/149, राजौरी गार्डन, नथी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **सर्ज**न के लिए कार्यवाहियां **कर**ता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप ।+-

- (क) इस पूचना के राज्या में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की धविध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राज्ञश्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यद्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'सकत पश्चिमियम' के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ-होगा जो उसे शब्दाय में दिया वसा है।

# अनुसूची

मकान प्लाट नं० 49-सी, ब्लाक जे-5, राजीरी गार्डन, क्षेत्र (गांव) ततारपुर, दिल्ली इस्टेट, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयु<del>वत</del> (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 11-2-1982

मोहर :

प्ररूप आहाँ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

# भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 2, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश स० म्राई०ए० सी०/ क्यू०-2/एस०म्रार०-2/6-81/ 4686—म्रत मुसे विमल विशिष्ट

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 21 बीघा 12 विश्वास, के० न० 53/8, 9, 10, 13 गाव निजामपुर, रशीदपुर, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1981 की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त विश्वित्यम, के क्षीन कर बने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बरि/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

 श्री दित्या सिंह सुपुत्र श्री गौरधन सिंह गाव निजामपूर, रणीदपूर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री श्रोमप्रकाश मुपुत्र श्री वारूमल श्रौर श्री धर्मपाल सुपुत्र श्री लखी राम, सी-21, शिवाजी पार्क, नथी बिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितमद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि का क्षेत्र फल 21 बीघा 12 विश्वास, के० एन०53/8, 9, 10, 13, गांव निजामपुर, रशीवपुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली

तारीख: 11-2-1982

मोष्ठर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०न्नार०-2/6-81/ 4772—भ्रतः मुझे विमल विशिष्टि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाव अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 81 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्राह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री चुन्ती पुत्र श्री मंगला, गांव शालामार, विल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्री हेंस राज, पुत्र श्री धनी राम, निवासी ए-1-ए, रामा रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भन्स्ची

40 बीगा 16 विश्वा भूमि का 1/3 हिस्सा जोिक गांव बुरारी, दिल्ली में स्थित है।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

तारीख 11-2-1982

मोहर:

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार०-2/6-81/ 4773—श्रत: मुझे विमल विशिष्ट

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के प्रचाल 'उक्त प्रजिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राजिकारी की, नह निश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव बुरारी दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण च्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रितिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत दिनांक जून, 1981 का पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य स तम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अंतरित की गई हे भीर मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उचन प्रश्तरण लिखित में वास्त्रविक छप में कथित नहीं किया गया है:—

- ५ क) अन्तरन में हुई िक्ष्मी आय की ब्राबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायिस्व में कमों करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; खोश/मा
- (ख) ऐसो किया आप या किया छन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर खींधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधाक लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचिखित व्यक्तितुमों, अर्थात्ः—  श्री खुशहाल पुत्र श्री मंगला, गाव शालामार, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री अमृत लाल पुत्र श्री धनीराम, निवासी ए-1-ए, रामा रोष, आदर्शनगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के चिल् कार्यवाहियाँ करता हूं।

उत्त सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध न की है भी प्राक्षप :--

- (६) इस सूचना ः राजपत्र च प्रकासन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतो हो, के सीतर पूर्वीर । स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रांत में हिनबद्ध किनो प्रत्य व्यक्ति द्वारा पनोहस्ताक्षरों के उस्ति निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्वर्डीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर गदी का, जो उक्त अधि-गियम, के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं गुर्व होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है

# वनुसूची

40 बीधा, 16 विश्वा भूमि का 1/3 हिस्सा जोिक गांव बुरारी, दिल्ली में स्थित है।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 11-2-1982 मोहर : प्रकप आई० डी॰ एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

. धर्जन रेंज, 2 , नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 11 फरवरी 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/6-81/4771—मतः मुझे त्रिमल विशिष्ट भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० मे भिक है

म्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव बुरारी, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिगत भीषक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तर के के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में;मैं, एक्स घिषिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयोत्:---  श्री जय चन्द पुत्र श्री मंगला, गांव शालामार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री हुकम चन्द पुत्र श्री धनी राम, निवासी ए-1-ए, रामा रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की धनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वड्टीकरण: इसमं प्रयुक्त खब्दों भीर पदों का, जो धुक्त श्रिधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

# अनुसूची

40 बीघा 16 विश्वा भूमि का 1/3 हिस्सा जोिक गांव बुरारी, दिल्ली में स्थित है।

विमल विणिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीखा: 11-2-1982

मोहरू 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०भार०-1/81-81/7967--अतः मुझे, विमल विशष्ट

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 484-बी, खसरा नं० 63 है, तथा जो गांव बरीका, भाजावपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन चिनांक जून, 1981

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्म है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की जाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या क्रिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री राम निवास मुपुत्र श्री बनवारी लाल निवास डी-2/7, राना प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र नाथ चौपड़ा शौर नरेन्द्र कुमार चौपड़ा भूमुपुत्र श्री प्रेम नाथ चौपड़ा, निवास 4532, श्रार्य पूरा, सब्जी मन्डी, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थेन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो खक्त धिकि नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अब्याय में दिया गया है।

# अभूस्ची

484-बी, क्षेत्रफल 180 वर्ग गज, खसरा नं० 63, चार कमरे, कीचन, लेटरीन वाथ और ध्रांगन। गांव वरीला भ्राजादपुर दिल्ली।

> हिमल विशव्ट संक्षेत्र प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1982

मोहर .

# प्ररूप थाइ . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### तारव चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज,-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली. दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-1/6-81/8073—श्रत मुझे, विमल विशिष्ट,

भायकर मिप्तियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिपित्सम्' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम् प्राधिकारों को यह विचलास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ताजार गल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० डब्ल्यू जैंड-9 है, तथा जो रतन पार्क, बमई धारापुर, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक जून, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गृह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती [(अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल फल निम्नतिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरका से हुई किसी आक की बाबत, उपता अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं ना किसी भून या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या भूनकर जाभिक्षित्रमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भूवा का ना किया जाना जाहिए का कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात :--

1. श्री प्रतिम सिंह पुत्र श्री गाबा राम डी-2, कीर्ति नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज मित्तल पत्नी श्री श्रार० एल० मित्तल, डब्ल्यू जैंड-9, रतन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वांग के राज्यक में प्रकाशन की तारींब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वांग की तामील से 30 विन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकिएण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

# अन्सूची

जायबाद नं० डब्स्यू जैड-9 जोकि प्लाट नं० ध्रार०-21 जिसका क्षेत्रफल 115.1/2 वर्ग गज है तथा रतन पार्क, बसई धारापूर, नई दिल्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1982

मोहर :

प्रकार आई० टी० एत० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

क<sup>र</sup>र्यालय, म**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्वेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/6-81/7991--श्रतः, मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'जनत अधिनियम' कत्रा गा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यत्र विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित्र बानार मूल्य 25,000/-द∙ से अधिक है

भीर जिसकी सं० बी-2 है तथा जो दिरयागंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता, श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिल की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पाबह प्रविधत से भिन्न है भीर श्रम्तरक (भ्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जहें थ्या से जन्त भ्रम्तरण लिखित में अम्तरिक कुप से किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त आधि-नियम के मधी कर वेने के भन्तरक के दायिस्य में करत रुपने सा प्रश्व बच्चों में स्थिधा के लिए ; और/या
- (ख) एसी किनो आप या किनो धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1955 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तिरिती जारा जराट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छियाने स

बत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 21—506GI/81

मैं० सरस्वती बिरुडर्स,
 फेस-11, जी-1/16, दिरया गंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती पुष्पा महेन्द्रा, श्राई-2/16, दियागंज, दिल्ली।

(अन्तरि**ती**∤

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 किन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राज ति में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उस्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा बकेंबे ।

र्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर वर्गे का, औ अवत अग्नि-निवम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं प्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं बी-2, 460 वर्ग फुट, बेसमेन्ट फ्लोर, ई-2/16, विस्थागंज, विल्ली ।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1982

मोह्य 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण)

प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एसयू/2/एस०श्रार०-2/6-81/ 7965—अतः मुझे, विमल विशष्ट.

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० बी-3 है, तथा जो ई-2/16, दिरयागंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री- करण श्रधिथनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाव जुन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कत के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्यकी बायत, उक्त अभियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए अर्दिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मै॰ सरस्वती बिल्डिरस ,
 फेस-11, जी 1/16, विरयागंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती चम्पा वती पत्नी श्री चाद बहादुर गुप्ता, III, दरियागंज, दिल्ली।

(अन्त**िरती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमुसुची

बेसमेन्ट का पिछला हिस्सा जिसका क्षेत्र फल 330 वर्ग फुट है जिसका निजि नं बी-3 है, तथा मकान नं ई-2/16, दिखागंज, दिल्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1982

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

# भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मिश्रीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्र -I, मद्रास

मद्राम, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं ० 102/जून/81—यतः, मुझे, आर० रिवचन्द्रन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतिन बाजार सूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी डोर सं० 32, बेसेन्ट रोड, मदुरै-2 है, जो चोकी हूबन, मदुरै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तलकाकुलम, मदुरै में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-6-81 (डाकुमेंट सं० 2617/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्तन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया बतिकत, तिम्निचिंदा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक लग से कथित नहीं किया गरा है:——

- (क) स्रम्तरण में हुई किसो आय की बाबन, उक्त स्रिवित्यण, के स्रिधीन कर देन के अन्तरक के दायिक्व में क्सी करों या उसो बचन में सुविधा केलिए; यौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर गिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, डक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के ग्रिधीन, निम्निजिखत व्यक्तिगों, ग्रियीत:—— (1) श्री सी० के० सोकालिंगम श्रीर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अन्नामलै चेट्टियार श्रौर अवर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भ्राष्ट्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्तरा;
- (ख) इस सूचना के राजरज में प्रकाणन की लारीज से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो धक्त प्रधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो छम अध्याय में दिया गया है।

# अनस ची

(भूमि श्रौर निर्माण—डोरसं० 32, बेसेन्ट रोड, मदुरै-2, डाकुमेंट सं०: 2617/81)

> भ्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 16-2-82

मोहर:

# SUPREME COURT OF INDIA (ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 1st March 1982

No. F. 6/82-SCA(I).—Shri C. Robinson, Section Officer of the Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of February 28, 1982.

H. S. MUNJRAL, Dy. Registrar (Admn, J.)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 8th February 1982

No. P. 1042/Admn.I.—The President is pleased to permit Shri T. M. Kokel, a permanent Grade A Officer of CSSS and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to retire from Govt. Service after attaining the age of superannuation with effect from 31-1-82 (A.N.).

Shri T. M. Kokel, has however been re-employed in the post of Under Sccretary in the office of Union Public Service Commission for a period of three months w.e.f, 1-2-82 beyond superannuation with the concurrence of the Ministry of Home Alfairs Deptt. of Personnel & ARs., vide their D.O. letter No. 3-3-82-CS.I, dated 1-2-1982.

#### The 23rd February 1982

No. A. 12024/2/80-Admn.I.—In supersession of Union Public Service Commission notifications of even No. dated 9-9-1981 and 4-12-1981, the President is pleased to appoint Shri M. K. Krishnan, a permanent Grade I officer of Central Secretariat Service and officiating as Under-Secretary in the office of Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission, on ad-hoc basis for the period from 1st September 1981 to 28th February 1982, or until further orders; whichever is earlier.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd February 1982

No. A-20023/3/82-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Jatinder Singh Wadia, as Public Prosecutor in the CBI/SPE with effect from 5-2-1982 (Forenoon), on temporary basis until further orders.

# The 24th February 1982

No. 1-27/81-CFSL/1505.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Sr. Scientific Assistant (Lie Detector) to officiate as Senior Scientific Officer (Lie Detector) on ad-hoc basis in C.F.S.L./CBI with effect from 19-2-82 (FN), for a period of six months in the first instance or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

#### The 2nd March 1982

No. A. 31016/1/81-AD.I(DPC).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Arora, officiating Senior Scientific Officer, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., as Senior Scientific Officer, C.F.S.L., C.B.I., in a substantive capacity with effect from 20-971979.

HERO A. SHAHANEY, Administrative Officer(E)/C.B.I.

# DIRECTORATE GENERAL

# CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 24th February 1982

No. O.II-1609/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) G. Chellakannu as Junior

Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 3-2-1982 (FN), for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### The 27th February 1982

No. O.II-1313/76-Est(-I.—Consequent on his retirement from Government service in terms of F.R. 56(j), Shri Zile Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 20 Bn, CRPF on the afternoon of 7-1-82.

No. O.II-1387/77-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service in terms of F.R. 56(j), Shri Dharam Pal relinquished charge of the post of Dy. Ş.P. Group Centre, CRPF, Nagpur on the afternoon of 15-1-1982.

#### The 1st March 1982

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 19-2-1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 25th February 1982

No. 10/56/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 28th April, 1981, the President is pleased to appoint Shri V. V. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Systems Analyst in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Rao will be at New Delhi.

No. 11/1180-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by transfer on deputation, Shri N. K. Chakrabarti, an officer of the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 1st February, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chakrabarti will be at Calcutta.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

# SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 24th February 1982

No. 41/5/76-Estt.—On completion of his tonure of deputation with the Government of India, Shri D. Banerjea, an officer of the West Bengal Higher Judicial Service relinquished charge of the post of Assistant Director (Law) Sardar Vallabhbhai Patcl National Police Academy, Hyderabad on the Afternoon of 23rd February, 1982.

V. DHARMA RAO, Administrative Officer for Director.

# MINISTRY OF FINANCE

# DEPARTMENT OF ÉCONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS DEWAS

Dewas, the 24th February 1982

F. No. BNP/G/7/82.—In continuation of this Office Notification number BNP/G/4/79 dated 1-1-82, the term of adhoc appointment of Shri R. K. Ghoshal as Technical Officer

(Printing and Platemaking) is extended upto 28-2-82 on the same terms and conditions.

> M. V. CHAR. General Manager.

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT FFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITO OFFICE OF AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 27th February 1982

No. 392CA.I/68-81.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri S. R. Das officiating Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General, Assam, Shillong to retire voluntary from Govt. service with effect from 6-2-82 (AN), under provisions of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules

> M. A. SOMESWARA RAO Dv. Director (Commercial)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 27th February 1982

No. Admn. I/O. O No. 474-The Director of Audit (CR), hereby appoints the following Section officers of this office to officiate as Audit officers, in Scale of Rs. 840-1260 with effect from the date shown against each, until further orders.

| SI. Name<br>No.                 |  | <br>Date of promotion |
|---------------------------------|--|-----------------------|
| S/Shri                          |  | <br>                  |
| 1. S. R. Manchanda (Pt. S.O.)   |  | 25-2-82               |
|                                 |  | (AN)                  |
| 2. T. S. Pathania (Pt. S. O.)   |  | 25-2-82               |
|                                 |  | (AN)                  |
| 3. Sant Lal (S.C.) (Offg. S.O.) |  | 25-2-82               |
|                                 |  | (AN)                  |

V. S. VERMA. Joint Director, of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENFRAL (1) BIHAR

Ranchi, the 23rd February 1982

No. Admn.II-Promo-1511.—The Accountant Bihar-Ranchi has been pleased to promote Shri Ram Kewal Prasad a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 14-8-81 (FN).

No. Admn.II-Promo-1519.—The Accountant Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Ignetius Khoya a substantive Section Officer of his office to officiate until lurther orders as an Accounts Officer in that office with effect from 21-8-1981 (FN).

Sd./- Illegible

Sen'or Deputy Accountant General (A).

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 26th February 1982

No. AN/1/1818/5/Vol.1.—Shri K. G. Menon, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 1-8-82 (his date of birth being 2-8-24) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-8-82 (AN), and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department with f 31-8-82 (AN) in terms of EB. 56 (a) ment w.e.f. 31-8-82 (AN), in terms of FR 56 (a).

No. AN/I/1826/5/Vol.I --- Shri R. Vijayaraghovan, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 3-6-82 (his date of birth being 4-6-24) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 30-6-82 (AN), and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 50-6-82 (AN), in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR,

Addl. Controller General of Desence Accounts (Admn.).

### MINISTRY OF DEFENCE

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SFRVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 24th February 1982

No. 8A/G.—The President is pleased to grant extension of service to Shri D. P. Chakravarti, Offg. ADGOF Grade I (Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Manager) for a period of 3 months w.e.f. 1st February, 1982 (AN).

V. K. MEHTA.

Assistant Director General, Ordnance FS.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 24th February 1982

No. 12/236/61-Admn (G).-The President is pleased to appoint Shri S. Nagarajan, Director (Gr. II) at Small Industries Service Institute, New Delhi as Director (Gr. I) (Leather/Footwear) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, New Delhi with effect from the forenoon of 23rd November, 1981.

#### The 2nd March 1982

No. 12(614)/69-Admu.(G).—On attaining the age of superannuation Shi K. C. Srivastava relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Allahabad on the afternoon of 30th November, 1981.

No. A-19018/534/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Sharma, as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) at Small Industries Service, Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 30th December, 1981, until further orders.

> C. C. ROY, Dy, Director (Admn.).

# MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

#### DIRFCTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi-110019, the 23rd February 1982

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directo-No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 11th August, 1981, the ad hoc appointment of Shri P. S. Rawat, officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and ad hoc basis with effect from 1st January, 1982 (FN) to 30th June, 1982 (AN), or till the regular incumbent is appointed, which is earlier.

P. S. CHEEMA, Chief Director.

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

# ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st March 1982

No. A 1/1(274).—Shri J. P. Mobindroo, Officiating Director (Grade I of Indian Supply Service) and permanent Assistant Director (G1, I) Grade III of Indian Supply Service)

in this Dte. General retired on 28-2-1982 (AN), on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR, Dy. Director (Admn.).

for Director General of Supplies and Disposals.

# New Delhi-1, the 26th February 1982

No. A-1'1(1187)/82.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Bhaskar Bhaduri, J.F.O. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on purely local ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II), in the same office with effect from the afternoon of 29-1-82 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Bhaduri as Assistant Dir. (Gr. II), will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

# The 1st March 1982

No. A-1/1(917).—On his reversion to the post of Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') Shri M. P. Gupta has relinquished charge of the post of Deputy Director (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 15-2-1982

S. L. KAPOOR, Dy. Director (Admn.).

# (ADMINISTRATION SECTION 6)

New Delhi, the 2nd March 1982

No. A-17011/200/81-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri C. N. Saxena, Examiner of Stores (Engg.) in the Northern Inspection Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 14th January, 1982 and until further orders.

No. A. 17011/211/82-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri B. N. Mukherjee, Examiner of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the forenoon of 21st January, 1982 and until further orders.

N. M. PERUMA, Dy. Director (Admn.).

# MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPTT. OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 24th February 1982

No. 1712B/A-32013(AO)/80/19A.—Shri S. C. Somadder, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-1-1982, until further orders.

J. SWAMI NATH, Director General

### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 22nd February 1982

No F. 8-30/81-Estt.—Consequent on proceeding on leave of Shri Tarlochan Singh, permanent Superintendent and officiating Administrative Officer on ad-hoc basis, Shri A. K. Sharma, senior most Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) on purely ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of the 22nd February, 1982 and until further orders. The ad-hoc appointment will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

His pay is fixed @ Rs. 880/- p.m. in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.

S. A. I. TRMIZI, Director of Archives.

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 23rd February 1982

No. 4(18)81-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Barkatuz Zaman Khan as Programme Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 24th December, 1981 and until further orders.

# The 25th February 1982

No. 5(15)/69-SI—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. R. Vaz as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from the 30th January, 1982 and until further orders.

No. 4(11)/81-SI.—The Director Gereral, All India Radio, hereby appoints Shri C. P. Rajasekharan Nair, Announcer, All India Radio, Trichur as Programme Executive, All India Radio, Trichur in a temporary capacity with effect from the 11th January, 1982 and until further orders.

No. 4(16)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mohd. Sajjad Rizvi as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 12th January, 1982 and until further orders.

No. 4(43)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Chetan Prokash Vyas as Programme Executive, Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 27th January, 1982 and until further orders.

#### The 27th February 1982

No. 6(16)/60-SI.—On attaining the age of superannuation Shri K. N. Prasad, Programme Executive, All India Radio, Varanasi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1982.

H. C. JAYAL, Dy. Director of (Admn.). for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (DRUGS SECTION)

New Delhi, 27th February 1982

No. A. 44014/3/81-D.—Consequent on the selection in the post of "Consultant, (Deputy Chief of Service) in Drugs & Pharmacy Service at the Institute of Medical Services, Srinagar (J&K) Shri P. Seetharamalah relinquished the charge of the post of Drugs Inspector in the office of Deputy Drugs Controller (India) Central Drugs Standard Control Organisation, North Zone, Ghaziabad with effect from the 26th December, 1981.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Admn. (Stores)
for Director General of Health Services.

# MINISTR OF RURAL DEVELOPMENT

# DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 26th February 1982

No. A-39013/1/79-A.III—The resignation tendered by the undermentioned officers from the post of Assit. Marketing Officers in this Directorate have been accepted from the date shown against each:

| S. Name<br>No            | Name Date of accept of resigna |  |            |         |
|--------------------------|--------------------------------|--|------------|---------|
| 1. Shri Gurcharan Singh  | •                              |  | 10-11-1981 | (F.N.)  |
| 2. Shri Viyoka Gayasen . |                                |  | 10-12-1981 | (A. N.) |
| 3. Shii K. P. Upadhyay . |                                |  | 7-01-1982  | (A.N.)  |

#### The 27th February 1982

No. A-19025/48/81-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Shashikant Chandulal Shah has been appointed to officiate as Assistant Marketing Development Officer (Cold Storage Refrigeration) in this Directorate at Bombay w.c.f. 2-2-1982 (FN), until further orders.

No. A-19025/75/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ravindra Bahadur Singh has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in this Directorate at Nagpur w.e.f. 1-2-1982 (FN), until further orders,

B. L. MANIHAR, Director of Administration. for Agricultural Marketing Adviser.

# Faridabad, the 25th February 1982

No. A.31014/2/81-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint the following Officers substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from the dates indicated against each:

- (1) Shri R. A. Khanorkar, 19-12-1979.
- (2) Shri H. P. Singh, 31-10-1980.
- (3) Shri K. Suryanarayana, 1-10-1981.
- (4) Shri K. K. Nambiar, 1-10-1981.
- (5) Shri S. K. Sabharwal, 1-10-1981.
- (6) Shri S. Subba Rao, 1-10-1981.
- 2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group I).

B. L. MANIHAR, Director of Administration.

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

# Bombay-85, the 9th Februray 1982

No. PA/79(2)/81-R-III.—On transfer from CED/DAE, Bombay Shri Sankaran Sivaramakrishnan, Assistant Personnel Officer assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in BARC with effect from the forenoon of February 4, 1982.

# The 17th February 1982

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Srinivas Ramachandra Pinge, SGC to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period from December 28, 1981 (FN) to February 12, 1982 (AN).

# A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

# Bombay-400085, the 18th Feburary 1982

No. 5(5A)/81-Confirmation/616—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1979.

| SI. Name                             | Present<br>Grade | Division                             | Permanent<br>post held<br>in BARC. |
|--------------------------------------|------------------|--------------------------------------|------------------------------------|
|                                      | 3                | 4                                    | 5                                  |
| 1. Shri M.S. Chaturvedi . (G/104/27) | SC               | Library &<br>Information             | SA(C)                              |
| 2. Shri V. B. Vora<br>(G/701/132)    | \$C              | Division of Radiological Protection. |                                    |

| 1.  | 2.  |     | 3. | 4.   | 5.                    |
|-----|---|-----|----|--|-----------------------|
| 3.  | Shri M. Nammalwar<br>(G/406/102)                    |     | SC | Fuel Re-<br>processing                       | Foreman               |
| 4.  | Shri M.K. Banodkar<br>(G/602/197)                   |     | SC | Technical<br>Physics                         | SA(C)                 |
| 5.  | Shri H.F. Gilbert<br>(G/508/196)                    |     | SB | Reactor<br>Engineering                       | SA(C)                 |
| 6.  | Shri S.S. Divekar<br>(G/509/132)                    |     | SC | Reactor<br>Operations                        | Assistant<br>Foareman |
| 7.  | Shri G.N. Melwani<br>(G/501/89)                     |     | SC | Analytical<br>Chemistry                      | D'man C               |
| 8.  | Shri V.N. Nayak<br>(G/305/193)                      | •   | SC | Health<br>Physics                            | SA(C)                 |
| 9.  | Shri M.V. Bhavsar<br>(G/403/58)                     | •   | SC | Technical<br>Services                        | Foreman               |
|     | Shri S. Ganeshan (G/303/76)                         |     | SC | Reactor<br>Control                           | SA(C)                 |
| 11. | Shri V.K. Kathuria<br>(G/701/135)                   | -   | SC | Division of Radiological Protection.         | SA(C)                 |
| 12. | Shri M.R. Menon<br>(G/702/48)                       | •   | SC | Division<br>of<br>Radiological<br>Protection | SA(C)                 |
|     | Shri J. V. Satam<br>(G/602/100)                     |     | SC | Technical<br>Physics                         | SA(C)                 |
|     | Shri K.G. Thosar<br>(G/509/133)                     | •   | SC | Reactor<br>Operations                        | Foreman               |
|     | Shri P.D. Patil .<br>(G/406/96)                     | •   | SC | Fuel<br>Reprocessing                         |                       |
|     | Shri <b>S.L.</b> Dikholkar<br>(G/104/28)            | •   | SC | Library<br>&<br>Information                  | SA(C)                 |
|     | Shri P.R. Sundar Rao<br>(G/601/209)                 |     | SC | Nuclear<br>Physics                           | SA(C)                 |
|     | Shri C.P. Ramachandi<br>(G/409/25)                  | ran | SC | Heavy<br>Water                               | SA(C)                 |
|     | Shri N.S. Iyer . (G/510/69)                         | •   | SC | R-5 Project                                  | SA(C)                 |
|     | Shri D.P.S. Bhalla<br>(G/406/103)                   | •   | SB | Fuel Re-<br>processing                       | D'man C               |
| 21. | Shri S.K. Kulkarni<br>(G/402/96)                    | •   | SC | Central<br>Stores<br>Unit                    | D'man C               |
| 22. | Shri G.V. Bhatt<br>(G/601/216)                      |     | SC | Nuclear<br>Physics                           | SA(C)                 |
|     | Shri V.P. Deshmukh<br>(G/506/111)                   | •   | SC | Radiation<br>Technology                      | D'man C               |
|     | Shri V.B. Dikshit<br>(G/601/212)                    |     | SC | Nuclear<br>Physics                           | D'man C               |
|     | Shri A.N. Vaidya<br>(G/506/32)                      | •   | SC | Isotope                                      | SA(C)                 |
| 26. | Shri Sankararaman<br>Krisnan<br>(G/301/220)         |     | SC | Electronics                                  | SA(B)                 |
| 27. | Shri S.R. Sawant (G/601/214)                        |     | SC | Nuclear<br>Physics                           | D'man C               |
| 28. | Shri J.S. Chawla<br>(G/601/213)                     |     | SC | Nuclear<br>Physics                           | D'man C               |
| 29. | Shri V. R. Chavan<br>(G/104/29)                     |     | SB | Library<br>&<br>Information                  | SA(C)                 |
| 30. | Shri M. Pereira .                                   |     | SB | Reactor<br>Engineering                       | Foreman               |
| 31. | (G/508/216)<br>Shri S.P. Chakraborty<br>(G/305/213) |     | SC | Health Physics                               | SA(C)                 |
|     | <del></del>   |     |    |  |                       |

#### The 18th February 1982

No. 5(5A)/81-Confirmation/617.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri A. V. Mudholkar, a temporary Scientific Officer/Engineer SC, Personnel Division in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1979.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

#### NAPP Township, the 1st March 1982

No. NAPP/Adm/1(110)/82-S/3439.—Consequent on his transfer to Bhabha Atomic Research Centre, Bombay Shri Subhash Chandra Jain, Assistant Personnel Officer in this Project has relinquished charge of his post on the afternoon of February 24, 1982.

R. K. BAL1 Administrative Officer-III

# ATOMIC MINERALS DIVISION

# Hyderabad-16, the 24th February 1982

No. AMD-2/3262/81-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy is pleased to accept the resignation of Shri V. Devdas, Scientific Officer/SB. Shri V. Devadas relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 22nd December 1981.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

# New Delhi, the 22nd February 1982

No. A. 32014/4/81-EC:—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following five Communication Assistants at present working as Asstt. Communication Officer on ad-hoc basis to the grade of Asstt. Commun. Officer on regular basis with effect from 8-2-1982 and to post them to the station indicated against each:—

| S. Name<br>No.   | Station of posting   |  |  |
|--|--|--|--|
| S/Shri 1. R. Govindarajulu 2. U. P. Vishwanath 3. B. N. Chatterjee 4. Sukumar Chanda | Aero, Commn. Stn., Nagpur<br>Aero, Commn. Stn., Bombayl<br>Aero, Commn. Stn., Calcutta,<br>Aero, Commn. Stn., Calcutta |  |  |
| 5. K. S. Murthy  | Acro. Commn. Stn., Nagpur.   |  |  |

# PREM CHAND,

Asstt. Director of Admn. for Director General of Civil Aviation

# New Delhi, the 22nd February 1982

No. A. 38013/2/81-EC:—The undermentioned four officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished the charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 31st. Jan., 1982(AN) at station(s) indicated against each:—

| S.<br>No. | Name & Designation                      | Station of posting.            |  |  |
|-----------|---|--------------------------------|--|--|
|           | Shri<br>. K. Chakraborty, Tech. Officer | Aero. Comm. Stn.,<br>Calcutta. |  |  |
| 2. S.     | P. Chakraborty, Tech. Officer           | Acro. Comm. Stn.,<br>Calcutta. |  |  |

| 1                | 2                          | 3                              |
|------------------|----------------------------|--------------------------------|
| 3. I, <b>S</b> a | rkar, Asstt. Comm. Officer | Acro. Comm. Stn.,<br>Calcutta. |
| 4. P. S.         | Raju, Comm. Officer        | Areo. Comm. Stn., Bombay.      |

# The 24th February 1982

No. A. 32013/2/81-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers in the C.A.D. to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.c.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

| S.<br>No.         | Name        | Present<br>Stn. of<br>posting. | Stn. to<br>which<br>posted. | Date of taking over charge. |
|-------------------|-------------|--------------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
|                   | Shri        | . CATC,                        | CATC,                       | 27- 1-82                    |
|                   | . C. Tewari | Allahabad                      | Allahabad                   | (FN)                        |
| 2. J. S. Sareen , |             | . CATC,                        | ACS,                        | 6-2-82                      |
|                   |             | Allahabad                      | Palam                       | (FN)                        |

PREM CHAND, Assistant Director (Admn.)

# New Delhi, the 12th February 1982

No. A-38013/1/81-EA.—Shri D. D. Vuthoo Aerodrome Officer Office of the A. O. Srinagar retired from Government services on the 31st October 1981 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA Deputy Director of Admn.

### New Delhi, the 24th February 1982

No. A-12025/8/77-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. P. Sahl as Air Safety Officer (Engg) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from 24th December 1981 and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

# The 1st March 1982

No. A-32013/4/79-ES.—The President is pleased to appoint Shri A. Bagchi, Aircraft Inspector, to the grade of Senior Aircraft Inspector on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 26th December 1981 or till the regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

J. C. GARG Assistant Director of Administration.

# CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: NAGPUR

# Nagpur, the 26th February 1982

No. 1/82.—Consequent upon his posting in this Collectorate vide Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi's Order No. 221/81 issued under their letter F. No. A-22012/105/81-Ad.II, dated the 14th December. 1981, Shri Deepak Sanan Probationer has assumed charge of the office of the Senior Superintendent, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 11th January, 1982.

K. SANKARARAMAN Collector

# CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 24th February 1982

No. A-19012/867/80-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. K. Choudhury, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months with effect from the afternoon of 29th September, 1980.

#### The 1st March 1982

No. A-19012/956/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. R. Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier, with effect from the afternoon of 11th December, 1981

K. L. BHANDULA Under Secy.

# MINISTRY OF I AW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Blko Match Company Private Limited

Jaipur, the 20th February 1982

No. STAT/1372.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Biko Match Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. DIXIT Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Immuno Chemical Laboratory Limited. Calculta

Calcutta, the 23rd February 1982

No. 11942/560/(5).—Notice is hereby given rursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Immuno Chemical Laboratory Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dress-O-Materials Private Limited

Calcutta, the 23rd February 1982

No. 26/84/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dress-O-Materials Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of R. C. A. Ispat Coke Limited

Calcutta, the 23rd February 1982

No. 29264/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the R. C. A. Ispat Coke Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Methastles & Hardner Private Limited

Calcutta, the 23rd February 1982

No 32351/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Metkastles & Haudner Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYA NARAYANA Assistant Registrar of Companies, West Bengal

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Kwik Carriers Private Limited

Hyderabad, the 25th February 1982

No. 1454/TAI/560—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kwik Carriers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad.

# INCOME TAY APPHLLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 24th February 1982

No. 1. 48-Ad(AT)/1982. -1. Shri N. C. Chaturvedi, Substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad is appointed to officiate as Assistant Registrat, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the afternoon of 15th February 1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/1982,--2. Shri Surendia Prasad, Substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registral Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore on ad-hoe basis in a temporary capacity for a neriod of 3 months with effect from the afternoon of 15th Feb 1982 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is adhoc and will not bestow upon Shri Surendra Prasad, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

B. B. PALFKAR President situated at Surat

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1432 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1722-1723, Wd. No. 8, Gopipura Main Road,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandravali Rajnikant Dalal; 18, Dhanlaxmi Society, Maninagar, Ahmedabad.

Smt. Rekhaben Rajnikant Dalal; 18, Dhanlaxmi Society. Maninagar, Ahmedabad.

Paresh Rajnikant Dalal; 18, Dhanlaxmi Society, Maninagar, Ahmedabad.

Hitesh Rajnikant Dalal; 18, Dhanlaxmi Society, Maninagar, Ahmedabad.

Krishnakumar Rajnikant Dalal; 18, Dhanlaxmi, Maninagar, Ahmedabad.

nagar, Ahmedabad.
P. A. Holder Rajnikant Champaklal; 18, Dhanlaxmi Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

(2) Mantri of Shripal Apartment Coop. H. Society;
Kalpam Society, Adajan Read, Surat.

Shri Hasmukhlal Panachand; Katyaknagar Society,
Rander Road, Surat.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1722-23, Wd. No. 8, Gopipura Main Road, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3rd February, 1982.

# FORM I.T.N.S.~

NOTICH UNDER SECTION 269Dk1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1433 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 106-A-R, 11-B, 113-B, 115-B, 116-B S. No. 47 situated at Umra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Natvarlal Chhaganlal Modi; Pravinchandra Chhaganlal Modi; Rani Talav, Bharvandhvad, Surat.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Shah Gotamlal Jivanambhai; Gopipura, Osval Mahollo, Surat.
 Piyush Babulal Shah;
 35. Kalpana Society, Adajan Road, Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 106-A-B, 112-B, 113-B, 115-B, 116-B S. No. 47 at Umra, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AliMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 2nd Lebruary 1982

Ref. No. P. R. No. 1434 Acq. 23-J1/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 393/5, Vesuma, Sub-Dist. Surat situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the select of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Manharial Nathubhai Vaghel; Vasantlal Nathubhai Vaghel; Ratilal Nathubhai Vaghel; Jitishkumar Ishvarlal Vaghel; Kirtikumar Ishvarlal Vaghel; Kamiesh Ishvariai Vagheli Begampura, Kuvarsingni Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Bantaj Rajdevsinh Thakor;
  - Hansiajsinh Rajdevsinh Thakor; Rameshsinh Rajdovsinh Thakor,

  - Bharatsinh Rajdevsinh Thakor; Hariharsinh Rajdevsinh Thakor;
  - Vijaysinh Rajdevsinh Thakor; Opp. Jain Temple, Athwa, Surat.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 393/5 (Paiki) Vesuma, registered in June, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated: 2nd February, 1982.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1982

Ref. No. P. R. No., 1435 Acq. 23-II/8182,—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. TPS, 6, F.P. No. 15, 16, 62, Majura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohmad Yakub Kadarmiya-Bharbandhvad, Ranitalav, Surat. Kadarmiya; Bharbandhvad, Rani-talav, Noorbibi Surat. Abdullakha Lekh Chhotumiya; Bharbandhvad, Ranitalav, Surat. Gulamgos Chhotumiya;, Bharbandhvad, Ranı-talav, Surat. Gulam Haider Chhotumiya; Bharbandhvad, Ranitalav, Surat. Zoharabibi Chhotumiya, Ambayadi-Reshamyad, Surat. Sugarabibi Kadermiza, Navabvadi, Salabatpura, Surat PA. Holder of No. 2 to 7 No. 1, Mohmad Yakub Kadarmiya Allarakhi urfe Bilkisabanu Chhotumiya, Bharbadhvad, Rani Talav, P. A. Holder Shri Champaklal Chunilal Jinvala, Nanpura, Tamiliavad, Surat.

(Transferor)

(2) President & Secretary: Yogi Krupa Coop. Housing Society Ltd., Shri Jitendra Dinmanishanker Chahvala, Atmaram Bhukhadni Pole, Balaji Road, Surat. Thakorbhai Keshavbhai Patel; Dalichandnagar, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at TPS. 6, F.P. No. 15, 16, 62, Majura registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated: 2nd February, 1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31d February 1982

Ref. No. P R. No. 1436 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No S. No. 63/1, Hisa-8, Part-4, Umra situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pannalal Chunilal Kansara, 13/25, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay.

(Transferor) (s)

(2) President & Secretary of Chandra Park Apartment Coop. Housing Society, Shri Rakesh Kundanlal Kapadia, 7/716 Hariputa, Bharaniya Surat. Kishorkumar Chandrakant Chokshi; Athugor Mahollo, Nanpura, Surat.

(Transferce) (s)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 63/1, Hisa-8, Plot 4, Umra, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge II, Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1437 Acq. 23-II/8182.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 800, Athwa, situated at Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) the Office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1). Yogeshkumar Chhaganlal;
 Manojkumar Chhaganlal;
 P. A. Holder Shri Chhaganlal Mulchanddas Shah;

P. A. Holder Shri Chhaganlal Mulchanddas Shar Village Kadod—Tal. Bardoli, Surat.

- (Transferor) (s)

  1. Dr. Bankim Natvarlal Shah.—Diwali Baug, Surat.
  2. Chhaganlal Mulchanddas Shah, Kadod—Tal..
  Bardoli.
  - 3. Khushmatben Chhaganlal, Kadod-Tal. Bardoli.
  - 4. Dipakkumar Amratlal Shah; Nisha Apartment, Gopipura, Surat.
  - Kishorbhai Amratlal Shah—Navsari Bazar, Surat.
     Kirtilal Popatlal Shah, Raj Apartment, Kaji Medan, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 800, Athwa, Surat registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated: 31d February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmédabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1438 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing hearing No. Plot B/IND/178 situated at/Lidhna Lidyognagan

bearing No. Plot B/IND/178, situated at Udhna Udyoguagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Udhna Udyognagar Sahakari Sangh Ltd. Central Road No. 10, Udhana, Surat.

(Transferor) (8)

(2) Span Diagnostics Pvt. Ltd. 61, Adarsh Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Plot No. B/IND/173, Udhna, Surat.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge II, Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

Scal:

### FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1439 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Dalal Sadan, Haripura, Gheekanta, Main Road, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-23-506GI/81

(1) Shri Jayantilal Motilal Dalal, Krishna Baug, V. P. Road, Bombay. Shri Vasantlal Motilal Dalal, Gheekanta Road, Surat. Haripura, Gheekanta Road, S Shri Shashikant Motilal Dalal, Vighneshwar Estate, Nanpura, Surat.

(Transferor) (s)

(2) 1. Harishchandra Amratlad; Kantilal Amratlal: Jitendra Amratlal; Jayvadan Amratlal;

Haripura, Gajjar Falia, Surat.

Smt. Kanchanben wife of Kirtilal Amrallal Mehta;
Dalal Sadan, Haripura, Gheekanta, Surat.

Bachubhai Chimanlal Mehta;

Da'al Sadan, Haripura, Gheekanta, Surat. Sureshchandra Narottambhal Shah; Dalal Sadan, Haripura, Gheckanta, Surat. (Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 5, Nondh No. 1976, Kheekanta Main Road, Surat, registered in June, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated: 3rd February, 1982.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd February 1982

Ref. No. P. R. No. 1440 Acq.23-J1/81-82,—Whereas, J. G. C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 24, TPS. 5, F.P. 600-A paiki situated at Athwa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt Bhanumati Bhanabhai Dhimer, Navnirman Society, Timahavad, Nanpura, Surat

(Transferor)

(2) Shri Ajitbhai Narsinbhai Patel; Gyandip Society, 2nd Floor, Athwa, Gate, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No 24, TPS. 5, F.P. 600A (Paiki), Athwa registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely:—

Date: 3rd February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1982

Ref. No. R.P. No. 1441 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Village Pal, Taluka Choryasi, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P.A. Holder of Shri Shaheriyarji Barjorji Modi Shri Rusi Shaheriyar Modi; Rasis, Wood House Road, Colaba, Bombay.

(Transferor)

 1. Shri Narsibhai Govindbhai Patel; Danka Tal. Choryasi.
 2. Shri Ajit Bhai Narsibhai, Patel; Gyandip Society, Athwa, Gate, Surat.
 3. Chimanbhai Narsibhai Patel; Village Damka, Tal. Choryasi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Pal. S. No. 590, 591/1, 591/1/1, registered in June, 1981,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 3rd February, 1982

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANCE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1442 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Wd. No. 9/1304, situated at Balaji Road, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

Smt, Sarlaben Ramniklal Mehta;
 Nilesh Shashikant Mehta;
 Shashikant Ramniklal Mehta & others;
 Paukaj Shashikant Mehta;
 C/O Sunil Bhukhanvala "Devarshri",
 Rasam Palli Society, Timaliawad,
 Surat.

(Transferor)

 M/s. Sargam Organisers; 10/710. Havadia Chakla, Balaji Road, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1304, Wd. No. 9, Balaji Road, Surat registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 3rd February, 1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1982

Rcf No. P.R. No. 1443 Acq.23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Umra, S. No. 41/8 paiki land situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surzt on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Paresh Thakorbhai Naik; C/o Thakorbhai Maganbhai Naik; 10, Kadampally Society, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Milan Kantilal Mchta; Joli Milan Mehta; Mahavir Apartment, Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Umra S. No. 41/8 paiki, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 4th February, 1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1982

Ref. No. P.R. No. I444 Acq.23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 2/4882/9 and 2/4882/10 situated at Lal Darwaja Road, Nr. S.T. Stand, Cambay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registreing Officer at (ambay on 29-6-1981

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shah Chimanlal Gafurbhai; Choksini Pole, Cambay.
 Shah Manilal Gafurbhai allas Babubhai; Nr. S. T. Stand, Station Road Cambay.

(Transferor)

(2) Raziyaben Sirajbhai Siyamwala; Vohrwad, Dala Sheri, Cambay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing C.S. No. 2/4882/9 and 2/4882/10 situated on the eastern side of Lal Darwaja Road. Nr. S.T. Stand of Cambay Town and as fully described in sale deed No. 1325 registered in the office of Sub-Registrar, Cambay on 29-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 4th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, hte 5th February 1982

Ref No. P.R. No. 1445 Acq.23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-and bearing No.

S. No. 2935/1 (Part) and 2935/2 situated at Lakhawad Patti, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nadjad on 20-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than gfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jashbhai Chhotabhai Patel; Dumral Bajat, Nadiad.

(Transferor)

(2) Neelkamal Coop. Housing Society Ltd Through: Secretary: Ambubhai Budhabhai Rathod; Kubernagar, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 2935/1 (Part) and 2935/2 situated in the Lakhavad Patti area of Nadiad and as fully described in the sale deed bearing Regn. No. 4668 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 20-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad,

Date: 5th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Maganbhai Mahijibhai Parmar; Nava Faliya, Mission Road, Nadiad

(Transferor)

(2) Suresh Manilal Shephard; Yabi Ismanual Society, Near Bethel Church, Behind Vikram Mills, Saraspur. Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1982

Ref No. P.R. No. 1446 Acq.23-II/81-82-Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 19 (Part), Plot No. 13, R.S. No. 2598 (Part), situated at Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Nadiad on 4-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforewaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Nadiad bearing C.S. No. 19 (Part) Plot No. 13, R.S. No. 2598 (Part) and as fully described as per sale deed No. 4321 registered in the office of Sub-Registrar Nadiad on 4-6-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad,

Date: 5th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380009, the 6th February 1982

Ref No. PR. No. 1447 Acq.23-Π/81-82—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 44/3 (Paiki) situated at Rohadpor, Tal. Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Broach on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

24—506GI/81

(1) Ismail Isap Ahmad Patel; Rahadpor, Tal. Broach.

(Transferee)

(2) 1. Musa Suleman Karmadi;
B/16, Shalimar Shopping Centre Broach.
2. Mukhtar Ahmad Haji Adam,
Kantharia, Tal. Broach.
3. Yakub Ibrahim Malvi,
Kantharia, Tal. Broach.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHFDULE

Property at S. No. 44/3 (Paiki) at Rahadpor, Broach, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref No. P.R. No. 1448 Acq.23-II/81-82-Whereas, J. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 77, Alipati Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Narayan Traders Anand.

(Transferor)

(2) Chairman of Narayan Coop. Housing Society Ltd., Shri Shoankarbhai Harikishandas Mehta; Vejalpor Paisivad, Broach.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 11, Alipatti, registered in June, 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1449 Acq 23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 4267, situated at Saidarbag, Bardoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahmad Ahmad Hafesji Minjanvala; Vahorvad, Bardoli.

(Transferor)

Shri Ibrahim Ismail Bham;
 Shri Yunus Mobin Bham;
 Shri Ahmad Mobin Bham,
 Sardarbag, Bardoli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in witting to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 4267, Sardarbag, Bardoli, registered in June, 1982,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAK,

> ACQUISTTION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref No. P.R. No. 1450 Acq.23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value-exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 30/1+2 and 31, Alipatti, situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijaysinh Nathasinh; Shri Bhadhabhai urfe Chanbhirsinh Mohansinh; Ali, Broach.

(Transferor)
(2) President of the Madhuram Coop. Housing Society, Shri Muljibhai Zeverbhai Patel;
C/o C-1014, Navchoki Ovara,
Hethana, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Alipatti—S. No. 30/1 + 2 and 31 registered in June. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AQT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

## AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 1451 Acq.23-II/81-82-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R. S. No. 77 and 107-B, Vejalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rahimkha Nurkha Limbuvala; Sakkar Talav, Opp. Gheekanta Masjid, Chasmandai, Broach.

(Transferor)

(2) Shii Maheshchandia Kiishnalal Zaveri; Sheth Falia, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Vejalpor, R.S. No. 77 and 107-B, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

(1) Shri Vinodehandra Chhotubhai Patel; At Tagva, Tal. Amod, Dist. Broach.

(Transferor)

(2) Shii Ratilal Shanabhai Patel; B. No 6, Punit Society, Broach.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 2692 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQU'SHION RANGI'-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSL, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1452 Ang 23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG,

neing the Competent Authority under section 269B of the Income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Village Tegra Tal. Amod situated at '

S No. Block No. 17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Antid on June, 1981

the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as alone ad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Sur. No. Block No. 17, at Tegva, Tal. Amod registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-Il, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982 Seal:

THE RESERVE THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

#### FORM I.T.N.S.- ---

TO ALBORDON TO THE TOTAL STREET, STREE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, ITANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, ATIMI DABAD-380 009

Ahmedaba I-38000, the 6th February 1982

Ref. 40. P.R. No. 1453 Acq.23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Nordh No. 967, at No. 8, Momnavad,

situated at Gopipura

Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any sucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone π or oth, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

(1) Amoacca old of Ambaram Bhikhabhai; Rohifeathai—self & P.A. Holder of Smt. Phonomati Indiavacan, Priyvedan Ambaram; Jayahai iayvantlal Daughter of Ambaram Bukhabhai; Eisuben Jambadas Daughter of Ambaram Bukhabha; Panchohyad, Gopipura, Surat

(Transferoi)

(2) 1. Gyasudin Ammudin Mistry;
 2. Meimudin Gyasudin Mistry;
 3. Kamrudin Amnudin Mistry;
 4. Jalaludin Kamrudin Mistry;
 Momiavad, Gopipura,
 Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the equisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Property at Nordh No. 967, Moninavad, Gopipura, duly registered in June 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380009, the 6th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1454 Acq.23- $\Pi/81-82$ —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

,R.S. No. 589/590 (Part) situated at Baroda Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) A section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Swami Govindlal Kanalyalal;
 Ramaulal Somnath Panchal;
 Navabazar Baroda.

(Transferor)

(2) Samir Builders;
 Through: Partner Shri Mahendra V. Shah;
 41, Vishwas Colony, Alkapuri, Baroda,
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land at Baroda Kasba R.S. No. 589/590 (P) and as fully described as per sale No. 3282 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of 6/81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

FORM NO. I.T.N S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FI OOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMITDABAD 380 009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref No PR No 1455 Acq 23-II/81-82--Whereas, I, G C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S No 39 situated at Manjalpur Baroda

Bonni Mantap Industrial Extension, Mandi Mohalla, Mysoic (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on June, 1981

for a paparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—25—506GI/81

(1) Shiyabhai Motibhai Patel (HUF).

(Transferor)

(2) Javshri Mahakali Coop Housing Society Ltd., Manjalpur, Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Open land bearing S No 39, situated at Manjalpur, area of Baioda City and as fully discribed in the sale-deed No. 2281 and 2292 registered in the office of Sub-Registrar, Builds in the month of June, 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 6th February, 1982

Soal

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1456 Acq.23-II/81-82---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 540/18 Plot No. 2, situated at Baroda, Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Baroda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prabhudas D. Vallabh Vidyanagar, Anand.

(Transferor)

(2) Pankaj M. Patel; Partner of National Construction Corpn. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 540 at Baroda Kasba and as fully described as per sale deed No. 3283 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of June, 1981.

G. C. GARQ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6th February, 1982

Scal:

(1) Prabhavati Ambalal;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohmad A. Ahmedbhai; Jatalwada, Baroda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1457 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No A Tika No. 11-5, situated at Wadi area, Baroda City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Baroda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds her apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land at Wadi area of Baroda City and as fully described as per sale deed No. 3663 registered in the office of Sub-Registrar, Buroda in the month of June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 6th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1458 Acq. 23-II/81-82,—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B. Tika No. 21/1, S. No. 158 situated at Raopura area, Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax, under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) As described in Form No. 37G pertaining to transaction registered under No. 3477.

  (Transferor)
- (2) Fulabhai C Patel; Address; As described in Form 37G pertaining to transaction registered under No. 3477. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and an old bidg, bearing B. Tika No. 21/1, Sur. No. 158, situated in Raopura area of Baroda City and as fully described in sale-deed No. 3477 Registered int he office of Sub-Registrar, Baroda in the month of June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th February, 1982

#### 3595

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1459 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 107, Plot No. 49/A (Part) situated at Jetalpur area, Baroda City

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareda on June, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. V. Popat,
 Sandeep Apartments,
 Vishwas Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Rohini R. Choksi, Rangjyot Colony, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 107, Plot No. 44/A (Part), situated at Jetalpur area of Baroda City and as fully described in the sale deeds No. 3383 and 3384 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1460 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C GARG being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, Minal Apartment, situated at Gopipura, Kayastha

Mahello, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Krishnakant Venilal Mehta; Abhijat Apartment, 1st Floor, Kadampally, Society, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Balchandbhai Laljibhai Soni;
 2. Shri Bharatkumar Balchandbhai Soni;
 Dr. Ramlal Gali, Balaji Road, Surat.

(Transferee)

'Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Minal Apartment, Flat No. 2, duly registered in June 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1461 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 99 as described in 37G situated at (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadra N.H. Silvassa on June 1981

Dadra N.H. Silvassa on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. A. Chandavarkar, Bombay; Smt. Shanta Abhrahm, Vapi (Pattner of M/s. Aruster India).

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Ramsukhji Shah (HUF), Dadra (Dadra)—N.H. & Silvassa).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Plot No. 99, as described in 37G registered in June, 1981

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1462 Acg. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 93/1 and 93/2, Ghadkhol situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ankleshwar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rambhai Trikambhai; Prabhubhai Hansajibhai Patel; Ghadkhol, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

- (2) 1. Sushilaben Narharilal & others; Parsived, Ankleshwar,
  - Kanchanlal Mathurdas Gandhi & others; Konsar Falia, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Ghadkhol S. No. 93/1 and 93/2, registered in June, 1981.

G. C. GARO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

#### FORM I.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1463 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 99 (Paiki), Ghadkhol situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—506GI/81

 Dhanabhai Becharbhai Patel; Parsottambhai Kalabhai Patel; Ghadkhol, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Kusumben Anaidas Patel—
Adarsh Society, Ankleshwar.
Dineshchandra Zaverlal Modi—Parsivad,
Ankleshwar.
Maganbhai Panchhdbhai—Navi Divi,
Tal. Ankleswar.
Jayantibhai Nathabhai Parekh—Limdikui,
Gopipura, Surat.
Prakashchandra Kunverji Patel;
At Patia, Tal. Valia, Dist. Broach.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ghadkhol—S. No. 99 (P) registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISOF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

#### AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1464 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing Plots No. 86, 81, 80 & 75, Village Amli situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dadra N.H. Silvassa on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs Usha K. Pandit and M/s. Chemech Corp. Calcot House, 2nd Floor, 8/10, Tamarivad Lane, Fort, Bombay-400001.

(Transferor)

(2) M/s. Importex International Pvt. Ltd. Sadhna Rayon House, Dr. D. N. Road, Fort, Bombay-400001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Village Amli, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1465 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 87, at Ghadkhol situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ankleshwar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Bhaijibhai Khushalbhai; Karsanbhai Khushalbhai; Maganbhai Khushalbhai; Ghadkhol, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Hitalal Kanchanlal Modi; Lineshchandra Kanchanlal Modi; Ankleshwar, Zaverlal Kanchanlal Modi—Parsivad, Ankleshwar, Kusumben Amaidas Patel, Adarsh Society, Ankleshwar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Ghadkhol—S. No. 87 (Paiki) registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

#### 3602

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1466 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C, GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

S. No. 413, Ankleshwar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

(1) Bai Khatijabibi Wd/of Yusuf Hasanji Patel; Ahmed Yusuf Hasanji Patel; Makbul Hussain Hasanji Patel; Abdulkadar Yusuf Hasanji Patel; P. A. Holder Shri Ayub Ahmad Motala, Jitalinaka, Ankleshwar. Mullavad, Ankleshwar.

(Transfetor)

(2) Viratnagar Coop. Housing Society; Ankleshwar Biji Choky, Juna Vakharia Compound. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 413, Ankleshwar, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1467 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 252|1|2|3|4, Sarangpur, situated at Tal. Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ----

 Chunilal Narsibhai; Nagjibhai Ukkadbhai Patel & others: at Sarangpur, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

(2) K. K. Land Development Corpn. Kazitulla, Ankleshwai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 252/1/2/3/4, Sarangpur, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8th February, 1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Smt Parvatiben Manubhai Patel, 43, Parsuram Nagai Sayajiganj, Batoda

(1) Smt Lalitagauri Vishwanath Rawal,

(Transferee)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 8th February 1982

Ret No P R No 1468 Acq 23-II/8182 -- Wholess, I, G C GARG,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

R S No 185 Plot No 22-N situated at Harinagar Coop Society, Baroda

Society, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 6aid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

PA Holder Shantilal Ramakrishna Rawal

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing R S No 185, Plot No 22-N of Harmagar Coop Society and as fully described in the sale deed (No 6788) registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of June 1981

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 8th February, 1982 Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1982

Ret. No. P.R. No. 1469 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sheet No. 23, S. No. 1864 situated at Alkapun area, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office; at Baroda in June, 1981

to an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Jayantibhai Vallavbhai Patel;
  2. Harshadbhai Vallavbhai Patel;
  P.A. Holder: Vallabhbhai Shivabhai Patel;
  (Transferor)
- (2) Niranjan Chhotalal Vohra; Sangeeta Apartments, Alkapuri, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and ground floor portion of the bldg, bearing S. No. 1864, Sheet No. 23, situated in the Alkapuri area of Baroda City and as fully described in the sale deed (No. 1431) registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of June, 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1470 Acq. 23-LL/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referrde to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78, Plot No. 16, situated at Ietalpur area of Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

(1) As mentioned in sale deed.

(Transferor)

(2) Shri Rang Builders; C/o Sajata Society, Gotri Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# The SCHEDUI F

Open land bearing S. No. 78, Plot No. 16 situated in Jetalpur area of Baroda City and as fully described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Baroda, in the month of 6/81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 8-2-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD

> Ahmedabad-380 009, the 8th 1-ebruary 1982

Ref. No. P.R. No. 1471 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 581, Plot No. 2, situated at Jetalpur area of Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at at Baroda in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the ansideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—506G1/81

(1) Dr. Nanubhai R. Patel; Jayam Apartments No. 3, Flot No. 2, Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Patel; C/o Dr. Nanubhai R. Patel; Jayam Apartments No. 3, Flat No. 2, Race Course, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land at Jetalpur area of Baroda City and as fully described in the sale deed No. 1717, registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of 6/81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 8th February, 1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1472 Acq. 23- $\Pi$ /81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R S. No. 548-550 and 553, Plot No. 13 situated at Baroda Kasba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) As described in sale-deed registered in 6/81 (Regn. o. 1246)

(Transferor)

(2) Pareshbhai Jayantibhai Patel, Virat Soclety, Baroda. (Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land at Baroda Kasba bearing R.S. No. 548-550 and 553, Plot No. 13 and as fully described as per sale deed No. 1246, registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of 6/81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 8th February, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1473 Acq. 23-IJ/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. No. 5080 situated at Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16-of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chandubhai Chumlal Patel; Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Ambalal Vadilal Modi; Ashokkumar Vadilal Modi; Narorwada, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and and old building thereon situated at City Sur. No. 5080 of the Baroda City and as fully described in the sale deed registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of 6/81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 8th February, 1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R, No. 1483 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

seing the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No, Tika No. 57, S. No. 3022 situated at Near Ajit Society, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Newsari on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Manubhai Kalidas Shah; Near Tower, Navsari.

(Transferor)

(2) Shaileshkumar Shantilal Bhansali; Smt. Pratimaben Shaileshkumar; Ashenagar, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 des from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property Near Ajit Society, Tika No. 57, S. No. 3022 registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380009

Date: 10th February, 1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1482 Acq. 23-II/81-82.—Wherens, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Tika No. 24, Wd. No. 10, Plot No. 1, 13, 21, 28, 31, 32, 34,

35, 36 & 40, situated at Jalalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Vasantrai Dahyabhai Desai; Bipinchandra Ishvarlal Desai, Kantilal Chhotabhai Desai; Dr. Prakash Vasantrai Desai; Pankajkumar Somehand Shah; Smt. Shakuntalaben G. Desai; Parbhabhai Dajibhai Patel.

(Transferor)

(2) Shital Coop. House Society Ltd., Jalalpur Road, Navsari,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Tika No. 24, Wd. No. 10, Plot No. 1, 13, 21, 28, 31, 32, 34, 35, 36 and 40 registered in June, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Alimedabad.

Date: 10-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1481 Acg. 23-I/81-82.--Whereas L G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 541-2-2 situated at Chala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paidi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftneshid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ahmadmiya Fakirbhai Fanasvala; Khatijaben Ahmudmiya Fanasvala; Amirudin Ahmadmiya Fanasvala; Masladin Ahmadmiya Fanasvala; Bhitvado, Moti Daman, Daman.

(Transferor)

(2) Shri Khimchand Maganlal Shah; Chala, Tal. Pardi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Chala, S. No. 541-2-2, registered in June, 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 10-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 10th February 1982

Ref., No. P. R. No. 1480 Acq. 23-II, 81-82.—Whereas, I. G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 357 (P) Vapi situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

 Ashwin Pranbhai Desai, Vagyaben Prenbhai Nichhabhai; Dolatram Pranbhai Desai self and Karta of HUF Dineshbhai Pranbhai Desai self and Katta of HUF. Pranbhai Nichhabhai Desai; Vapi, Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) 1. Bhikhabhai Rughnathji Desai;

Dr. Divyaprakash Bhikhubha: Patel;
 Dr. Prataprai Bhikhubhai Desai; Chala—Vapi Tal. Pardi,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 357 (P) Vapi, registered in June, 1981.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10th February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Savitaben Balubhai Desai, Navsaii Housing Society, Navsari

(Transferor)

(2) Nagerbhai Bhagubhai, Dhansukhbhai Moraibhai Patel, Lalbhai Govindji Patel, Dayarambhai Lallubhai Patel, Naysari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th February 1982

Ref No P R No 1479 Acq 23-II/81-82 —Whereas, I, G C GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Vejalpui, S No 228 (P) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S No 228 (P) Vegalpur, registered in June, 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10th February, 1982. Seal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1474 Acq. 23-11/81-82.--Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding k<sub>2</sub> 25,000/and bearing

R.S. No. 166-A-1 (P) C.S. No. 1522/A, situated of Valsat (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed to the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-506GI/81

 Paragbhai Nagarbhai Bhandari self & Karta of HUF, Rambhai Paragbhi Bhandari self & Karta of HUF, Bechar Road, Valsad.

(Transferors)

(2) Kekee Firozshah Maru; Rusi Firozshah Maru, Mota Parsivad, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said indovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Valsad R.S. No. 116-A-1 (P) registered in June, 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-2-1982

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1475 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Tika No. 47/A, 48/B, 47-C, S. No. 1784, 1785, 1786

situated at Maneklal Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on June, 1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, heroby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Partners of Hindustan Robin & S. M. Co. Bhupendra Maganbhai Patel, Suraj Plaza, Sayaji Ganj, Baroda Bhanubhai Chhotabhai Patel & others, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Ishvarlal Chhaganlal & others; Sanghadiavad, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Maneklal Road, S. No. 1784, 1785, 1786, registered in June, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10-2-1982

#### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1476 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R. S. No. 190/1-1-A situated at Vijalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translated under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on Tune, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shantaben Bhikhabhai Desai;
 Thakorbhai Bhikhabhai Desai;
 Sumanbhai Bhikhabhai Desai;
 Vijalpur, Tal, Navsari.

(Transfero.)

(2) Bhagvandas Jethalai Mistry; Budhia Building, Dudhia Talav, Navsari, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property a Vijalpur, R.S. No. 190/1-1-A duly registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10-2-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009.

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1477 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/end bearing

situated near Vejalpur village situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayantibhai Jivanbhai Prajapati; Shri Nareshkumar Jivanbhai Prajapati; Navsari.

(Transferors)

(2) President: of Jalkam l Coop. Housing Society; Shri Yogeshkumar Jayantilal; Near Vejalpur, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated near Vejalpur, Navsari registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

J to: 10-2-1982

(1) Arunaben Arvindbhai Desai: Navsari Housing Society, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amthadas Jagjivandas Patel; Thakorbhai Lalbhai Patel; Natyarbhai Morarbhai Patel: Rambhai Bhikhsbhai Patel; Navsari

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1478 Acq. 23-II/81-82 —Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 228-H. 2(P) situated at Vejelpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1900) in the Office of the Registering Officer at Navsari on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said than sable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 228, House property (P) Vejalpur, registered in June, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10th Lebruary, 1982.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA** 

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1486 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 12/1-2 of Tika No. 12-3 Division-B, situated at Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 6-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (11 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Mr. Natwarlal Ambalal Dave;
 Opp. Brahman Sabha Hall,
 Dandia Bazar, Pratap Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Master Mitul Natverlal Dave; Milap, Padra Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property bearing S. No. 12/1-2 of Tika No. 12-3 Division-B, Baroda and as fully described in the sale deed No. 3304 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 6-6-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10th February, 1982.

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 10th February 1982

Rei. No. P. R. No. 1489 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3257, Wd. No. 4, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the four market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shaikh Salehbhai Shaikh Mohmadbhai Attar; Shaikh Sujendin Shaikh Mohmadbhai Attar; Banubai Abdullabhai Halder Mota; Zampa Bazar, Badir Mahollo, Surat

(Transferor)

(2) Shri Ahmatbhai Saheb Abdullabhai Saheb Vaziri; Shri Ismailbhai Saheb Abdullabhai Saheb Vaziri; Begampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3257, Wd. No. 4, Inderpura, Surat registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tix.
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10th February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1488 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 310 (P) TP S. 3, Katargam situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuing of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nagindas Chhotalal & others; Baranpuri Bhagal Bhajivalı Pole, C'o M/s Bardolivala & Co. Surat.

(Transferor)

(2) Shii Mohanlal Chandulal Gandhi & others; Haripura Main Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 310 (P) TPS, 3, Katargam registered in June, 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabal

Date: 10th February, 1982, Seal:

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1485 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 422-3, 424, 423-1-2/3, 5 at Chala situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-506GI/81

 Abubakar Ismail Lakhota solf Ahmadniya Ismail Lakhota Usman Ismail Lakhota and P.A. of Abdul Rehman Isaf; Chala, Tal, Pardi.

(Transferor)

(2) Shri Madatali Gulamhusahim Khoja; Vapi, Tal. Pardi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Chala S. No. 422-3, 424, 423-1-2/3, 5 registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 10th February, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 10th February 1982

Ref. No. P. R. No. 1484 Acq. 23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 542, 543, 556, 545, 553, 1050, Plot No. 28, 25 to 27 situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Firozkhan Sayadkhan; Vapi, Bangali bahar, Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Velil Savla;
7-Chintamani Society, Highway Road Sabarmati, Ahmedabad.
Shri Ashok Ramji Savla Highway Road Sabarmati, Ahmedabad.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sam: meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Vapi—S. No. 542, 543, 556, 553, 545, 1050 Plot No. 28,, 25 to 27, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 10th February, 1982. Seal :

### FORM I.T.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2276.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 84-A, situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 10-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. Dilipsingh Laxman S/o N. A. Singh Laxmanan Alice De La Cascade 92500 France through Shri Balram Segan, 87, Narbada Road, Jabalpur-Agent.

(Transferor)

(2) Km. Vinita Rani Segan D/o Balram Segan, 87, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 84A Sheet No. 83 Plot No. 443 Area 25312 Sq. ft. at Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Dated: 5-2-82.

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>(1)</sub> OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2277.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Corporation No. 402/202 situated at Gorhaphatak, Jahalmur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sudershan Chawla S/o Shri Pritamlal Chawla, Ranital, Jabalpur.

(Transferor)

(2) M/s Central India Flour & Besan Mills, (Pvt) Ltd., Jabalpur through Director Smt. G. V. Ahuja W/o Late P. D. Ahuja, R/o Om Bhawan, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Corporation No. 402/202, Standing on Lease hold plot of Jagdish Mandir Trust, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 5-2-82.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Dr. Sunil Kumar Jain S/o Shri Garibdas Pareren, 87, Narbada Road, Jabalpur. (Transferor)

(2) Institution, Mahila Dhyan Vidya Peeth, 107, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/Acq/BPL/2279.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Bungalow No. 756 situated at Naiper Town, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in Office of the Registering Officer at
Jabalpur on 30-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 756, Naipier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 5-2-82.

#### FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>1</sub>(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE, BIJOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2280.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Single storied house situated at Station Road, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Durg on 3-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ramratan S/o Ganga Prasad Gupta, Station Road, Durg.

(Transferor)

(2) Dr. Ramlakhan Gupta S/o Baldeo Pd. Gupta, R/o Patnampur-HIG-8, Housing Board Colony, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One single storied house situated on Station Road, Durg. Area--5382 Sq. ft.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 29-1-82. Seal:

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2281.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a falr market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Land and house situated at Golc Bazar, Bilaspur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

officer at Bilaspur on 5-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sara Bai W/o Saifuddin Bohara, R/o Sadar Bazar, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Prabhakar S/o Radhakishan Motwani, R/o Sindhl Colony, C/o M/s Motwani Bros, Sadar Bazar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storied house situated in Sadar Bazar, (Gole Bazar) Bilaspur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 28-1-82.

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/2283.—Wheeras I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 299 situated at Gole Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rankishan S/o Late Mithan Lat R/o Napier Town, Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lubhaya Bhola S/o Shri Jwalamol Ji Bhola R/o Gol Bazar Ward, H. No. 299, Saina Building, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed house bearing No. 299, situated on plot No. 234/7, in Gol Bazar, Satna Building, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 5-2-82,

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S .-- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI-/2284.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 169, New No. 459 situated at Civil Lines, Jabalpur situated at Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 24-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreted to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

30—506GI/81

(1) Miss Lilawati Violet M. Kumari—Through Balram Segan, S/o Rumlal Segan, R/o 87, Narmada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrani Segan W/o Shii Baliam Segan, R/o 87, Narmada Road, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 169' (New 459) situated at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 29-1-82.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th January 1982

Rcf. No. JAC/ACQ/BPL/2286.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. 17/677 situated at Kalkarpara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 19-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:—

 Sardar Attar Singh S/o Bawa Lachmansingh through Attorney Shri Shanti Sarup R/o Station Road, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Dhiren Shah S/o Ramjibhai Shah, 17/677, Neharpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house No. 17/677, situated in Kalkarpara, Raipur—Plot area—1110 Sq. ft.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 27-1-82.

Seal;

·<del>\_\_\_\_\_</del>

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2287.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown, House situated at Sukruwari Bazar, Ralpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ralpur on 4-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mangalmal S/o Dhuriyamal
 Amarlal S/o Tekchand,
 Naharpara, Raipur.

(Transferor)

 Smt. Mangati Devi W/o Babulal Agarwal,
 Rajendra Prasad S/o Baboo Lal R/o Ramsagarpara, Rajpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of ground of Rice Mill situated at Gudiyari (Sukrawari Bazar), Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 3-2-82. Seal:

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2288.—Whereas L D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House Part of Kh. No. 1147/2 & 12 others situated at Sukrawari Bazar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Ojcer at Raipur on 6-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of instrument with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mangalmal S/o Dhurimal
 Amarlal S/o Tekchand,
 Naharpara, Raipur.

(Transferor)

 Shri Madanlal S/o Bhorelal Jain, M. C. Marg, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House part of Kh. No. 1147/2 & 12 others at Sukrawari Bazar, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 28-1-82.

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2289.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House Kh. No. 1147/2 situated at Shukinwara Bazar,

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mangalmal Soo Dhurichand & Amarlal Soo Tekchand Agarwal, Naharpara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal S/o Bhoralal Jain, Naharpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Kh. No. 1147/2 situated at Shukrawara Bazar Ward, Raipur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 28-1-82.

## FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2290.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House part of Kb. No. 1147/2 & 12 others situated at Shukru-

wari, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6-7-81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mangalmal S/o Dhurimal (2) Amarlal S/o Tekchand, Naharpara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shii Madanlal S/o Bhorelal Jain, M. C. Marg, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House part of Kh. No. 1147/2 and 12 others, at vill. Sukruwari Bazar, Raipur.

> D. P. PANTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 28-1-82.

#### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2291.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Part of Ground of Rice Mill situated at Sukrwari Bazar,

Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 26-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mangalmal S/o Dhurimal (2) Amarial S/o Tekchand, R/o Naharpara, Rajpur.

(Transferor)

(2) (1) Vijay Kumar S/o Mamanchand and (2) Vishnu Pd. S/o Manikchand Agarwal, R/o Ramsagarpara, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of ground of Rice Mill—Kh. No. 1147, 1151/2, 47/1, 1151/1B, 1141|2B, 1140|2, 1141|1, 1152, 1140, 1138, 1153, 1154, at Gudiyari, Sukrawari Bazar, Raipur.

> D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 28-1-82,

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2292.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 94 situated at Nagar Nigam Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vihnu Bhaskar Moongare, R/o 94, Nagar Nigam Road, Indote.

(Transferor)

(2) Smt. Suganbai Wd/o Shri Panchulal Jain Subhashchandra S/o Shri Panchulal Jain, R/o 861/I, Lodhipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 94 situated at Nagar Nigam Road, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 4-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### VERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2293.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Godown situated at Sanyogitha Ganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 10-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that hie fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—506GI/81

 Shri Manakchand S/o Ghasilal, Firm Hiralal Ghasilal, Malharganj, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Savlani Traders, Through Santilal S/o Gendalal, Old Mandi, Railigate, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown at Sanyogithaganj, Mandi measuring 18 x 100.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri flui'den
T. T. NAGAR, BHOPAL

Dated: 30-1-82.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

 Princess Sharda Raje Holkar, 48, Dashahara Maidan Road, Indore.

(Transferor)

(2) Vinay Nagar Gilha Nirman Sahakari Sanstha, Ltd., 6/7, Mahesh Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2295.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No 99 & 100 situated at Vill: Tejpur, Gadbadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Index: on 30-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 99 & 100-20 Acre at Vill: Tejpur, Gadbadi.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rarge,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Dated: 3-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IAC/ΛCQ/BPL/2296.—Whereas, I, D. PANTA, PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 65 situated at Triveni Main, Indore (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—'

 Indralok Co-operative Housing Society Ltd., Triveni Colony, Indore Through President Jiya Lal

(Transferor)

(2) Smt. Bedami Bai W/o Bamarlal, R/o H. No. 78, Radha Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 65, at Triveni Main. Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 3-2-82.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMESIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Rel. No. IAC/ACQ/BPL/2297.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

House property No. 245, situated at M. G. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 9-6-81

for an apparer' consideration which is less than the fair marker value of the aforestid property and I have reason to believe that the tair marker value of the property as aforestic exceeds the apparent consideration therefor by more than if see, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Kukaji Biharilal's
 Smt. Jamnabai W/o Ramratanlalji Neema,
 Shri Gordhandas S/o Ramratanlalji Neema,
 R/o 78, Sitlamata Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Yasain S/o Shri Chotekhan, 35, Gaffur-khan-ka-Bajariya, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 245, at M. G. Road, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 3-2-82.

#### FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Batul Begum W/o Karim Bhai, R/o 207, R. N. Tagore Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakashchand Agrawal, R/o 7-8-9, Jaora Compound, Indose.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2298,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 207 situated at R. N. Tagore Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 207, situated at R. N. Tagore Marg, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Dated: 3-2-82.

(1) Smt. Lajwanti Bai Katju Colony, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Hari Bai, 33, Jairampur Colony, Indore.

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 3rd February 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2299.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. House No. 157 situated at M.T. Cloth Market, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 8-6-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfet, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 157, at M.T. Cloth Market, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Dated 3-2-1982 Seal:

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2300.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 990 situated at Khatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with, the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Hemibai W'o Sh. Jhaniatmal, R/o H. No. 990, Khatiwala Tank, indoic. (Transferor)
- (2) Smt. Paribai W/o Anandramji Hirati, R/o 44, Machhi Bazar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern part of House No. 990, at Khatiwala Tank, Indote,

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dato: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No. JAC/ACQ BPL/2301.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 171 situated at Shreenagai Extension Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ashok Bapat S/o Datraya Wapat, R/o 19, M.G. Road, LIC Building, Indote.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Arora W/ Sh. Dr. Chimanlal Arora, 75, Jawahar Marg, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 171-at Shreenagar Extension Colony, Indorc.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 4-2-82

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref No IAC/ACQ/BPL/2302.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Loharpipliya, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Dewas on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ^~1/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-32-506GI/81

(1) Sh. Chunnilal, Girdharilal—Both Sons of Shri Mukand Ram, R/o Vill Loharpipliya.— Teh & Distt Dewas

(Transferor)

(2) M/s Gecta Lamps & Components P Itd R/o 25, Old Palasia, AB Road, Indore (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Loharpipliya Teh, & Distt. Dewas.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Dated 3-2 1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2303.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 37, situated at Jaora Compound, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Laxmidevi Anuprabha Sethi, Through Smt. Annupama Devi W/o Ghawarlal Sethi, Manik Bhavan, Indore.

  (Transferor)
- (2) Sh. Gajendia Singh S/o Budsingh Kohli, R/o 1/1, Usha Ganj, Indoie.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 37, measuring 30/65 at Jaora Compound, Indore.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Dated 3-2-1982 Seal:

(1) Sh. Mohammad Zafarkhan S/o Gulam Mohd, ji, R/o 198, Mahakal Marg, Ujjain.
(Transferor)

(2) Smt. Shanta Bai Wd/o Mohanlal Jain (2) Dineshchand, S/o Mohanlal (3) Sanjay Kumar, R/o Ujjain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2304.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 70 situated at Subhash Nagar, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Block No. 70, at Subhash Nagar, Ujjain.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-1-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2306.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 15 situated at Jail Road, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Bai Shamrao Lad (2) Vijay Nand Shamrao Lad (3) Suresh Shamrao Lad, All R/o 180 Saraswathy Nilayam Shri Balchandra Pd. Colony, Bombay, (4) Arun, 24, Joy-Builders, Colony, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Jaiswal Navayuvak Mandal Sewa Trust, 8/5, Jawahan Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 15, at Jail Road Gali No. 1, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated 3-2-1982 Seal:

#### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D<sub>1</sub>(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/2307—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on Plot No. 8 & 9 situated at Station Road Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indone on 2.6.81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Mohd. Hussain S/o Haji Abbasalı Jawadwala,
 Ali Hussain S/o Haji Abbasalı Jawadwala,
 R/o Karva Gali, Grant Road,
 Iron Market, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Faize Bawa Mulla Khan Sahab Society, C/o Akbarali Topiwala, 64, Siyaganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (w) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property on plot No. 8 & 9 Station Road, Indore known as Hatim Manjil.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2312.—Whereas, f. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Shed situated at Industrial Area, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujiain on 2-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Agrawal Agencies, Industrial Area, Uijain.

(Transferor)

(2) Sh Omprakash S/o Bansilal, Patni Bazar, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shed at Industrial Area Ujjain.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2313.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open plot No. 163 Part situated at

Shastri Nagar, Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 17-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Suresh Pankaj S/o Ramkrishan Sharma, R/o Bhopal Through: Shri Om Bhatta—S/o Shivshankar Bhatt, R/o Baran Bazar, Rajpur.

  (Transferor)
- (2) Sh. Hiralal S. o Mangilal Chopra Bazaz Khana Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot at Shastri Nagar Ratlam No. 163,

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 30-1-1982

Scal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2314.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Open Plot No. 163 situated at

Shastri Nagar, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam on 17-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Suresh Pankaj S/o Ramkrishan Sharma R/o Bhopal Through: Shri Om Bhatta— S/o Shivshankar Bhatt, R/o Baran Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Sh. Narendrakumar S/o Mangilal Chopta— R/o Bajaj Khana, Ratlam.

(T) ansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 163 at Shastri Nagar, Ratlam.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-2-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopul, the 4th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2315.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Land situated at Bohara Bakhal, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 2-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—
33—506GI/81

(1) Sh. Maqsood Beg S/o Imdad Beg, Naharpura, Ratlam etc

(Transferor)

(2) Sh. Shabbir Bhai S/o Mohsin Ali Gheewala (2) Abbashhai S/o Mohsin Ali Gheewala, R/o Chendni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land and hut at Bohara Bakhal, Ratlam.

D. P. PANTA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 4-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhogal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2316.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

land Kh. No 447, situated at

Vill. Fdelduna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dagadu S/o Gopal Through Mother Kesharbat R/o Edulduna, Vivdhan, Dhar.

  (Transferor)
- (2) M/s Kusum Enterprises, Prop. Kum. Kusum, R/o Old Palasia, Indore.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 447, at Vill. Edelduna, Dhar.

D. P. PANTA,,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal,

Dated: 30-1-1982

Seal;

#### PART III-SEC. 1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2317.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Vill. Edulduna, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhar on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dagdu S/o Gopal Through Mother Kesharbai R/o Edulduna, Vivdhan, Dhar.

(Transferor)

3657

(2) M/s Agrawal Industries, Prop. Goral Das Ramnarain Nagari. R/o 6/1, Manoramagani, Indorc.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Vill, Edulduna, Dhar.

D. P. PANTA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2318.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Vill. Edelduna, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dhar on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dagadi So Gopal Through Mother Kesharbat R/o Edelduna, Vivedhan, Dhar. (Transferor)
- (2) M/s Sai Cement Prop. Padheshyam S/o Chothmal Agrawal, R/o 5, Dhangali, Indore.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Vill. Edelduna, Dhar.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 4-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BRIOPAL MP.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref No 1AC/ACQ/BPL/2319—Whereas, I, D P PANTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

Land situated at Edlduna, Dhai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh Dagadu S/o Gopal Through mother Kesharbar R/o Fdelduna, Divdhan, Dhar (Transferor)
- (2) M/s Usha Cement Prop Dilip Kumar Gopaldas, 6/3, Manoramaganj, Indote (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Vill Edelduna, Dhar

D P PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated . 4-2-82 Seal : FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2320.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Godown situated at Sanyogitha ganj, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 12-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Maheshkumar R/o Malharganj-H. No. 336, Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Nathuram Asati, S/o Choudalal Asati, R/o Bada Malhora, Chhaturpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown at Sanyogitha ganj Mandi measuring 18 x 100.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 30-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2322.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Rajgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajgarh on 24-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Birla Cotton Spinning & Weaving Mills, Ltd., Through: Parashchand Chhajed, R/o Birla-Lines, Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Manaklal S/o Ratanlol Choradia (2) Babulai S/o Rajmal Pirodiya, Chandni Chowk, Raflam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of land at Rajgath Kh. No. 193/3, 193/2, 194, 195.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 3-2-82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2324.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Rajgarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajgarh on 24-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Birla Cotton Spinning & Weaving Mills, Ltd., Through: Parashchand Chhajed, R/o Birla Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sagarmal, S/o Mishrilal Porwade, Bajaj Khana, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Vill: Rajgarh—Kh. No. 192/3, 193/2, 194, 195.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. Nagar,
Bhopal.

Date: 3-2-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ref. No. IΛC/ACQ/BPL/2325.—Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Vill. Rajgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raigarh on 24-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--34-506GI/81

(1) The Birla Cotton Spinning & Weaving Mills, Ltd., Through Parashchand Chhajed R/o Birla Lines,

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Dhulji Barodiya & Co.'s partners RAMCHANDRA DHULJI BARODIA, College Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Land at Village: Rajgarh Kb. No. 192/3, 193/2, 194, 195.

> D. P. PANTA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal.

Date: 3-2-82.

(1) Smt. Kamla Rani Singh W/o Shri Jagdish Prakash Singh, R/o Gandhi Mandir Ward, Bhatapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Ganga Chopra W/o Ghuichand Chopra, R/o Gandhi Mandir Ward, Bhatapara, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P

Bhopal, the 29th January 1982

Ret. No. IAC/ACQ/BPL/2326.—Whereasl, I, D. F

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 142 situated at Bhatapara, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 15-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THF SCHEDULE

House No. 142, situated at Gandhi Mandir Ward, Bhatapara, Raipur.

D. P. PANTA.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar.
Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-82.

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31d February 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2327.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Mhow-Neemuch Road, Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam, on 18-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair maret value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

 Shri Vijendra Kumar S.o Sundersingh, L/H Shri Hukumchand S/o Sundersingh, R/o Tripliya Gate, Ratam.

(Transferor)

(2) M/s Ankleshtiya Automobiles—Firm Through Partner Shrimati Neena T. Ankleshtiya, R/o Chhatriwala Pul, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and at Mhow-Neemuch Road, on which petrol pump of the purchaser is installed.

D. P. PANTA,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T T. Nagar,
Bhopal.

Date: 3-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 3rd February 1982

Ret. No. IAC/ACQ/BPL/2329.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/s and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 5, situated at Chhoti Gwaltali, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 8-6-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Akbar Ali (2) Wabra Bai, (3) Johara Bai,
   Khathi Bai R/o Udaipur Representative of No.
   3 & 4 Shri Akbar Ali S/o Shafi Shekhi
   Mohanad (Sl. No. 1).
- (2) Shri Akbarali S/o Haji Saheb Kadarji Kanchwala, R/o Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & House at Chhoti Gwaltali, Indorc.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 3-2-82.

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### BHOPAL

Bhopal, the 27th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2331—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No Kita No 6, situated at Malviya Nagar, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

- (1) Shii Harishchand S/o Shri Chunnilal Babbai, R/o 6, Malviya Nagar, Bhopal (Transferor)
- (2) Sardar Manjit Singh S/o Shi Om Singh, R/o Saryan Sikandari, Railway Station, Bhopal.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Rekba 225.93 Sq. ft. at Malviya Nagar, Bhopal.

D. P. PANTA.

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, 4th Floor,

Gangotri Building, T. T. Nagar.

Bhopal.

Dated: 27-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

IAC/ACQ/BPL/2332 —Whereas I, D. P. Ret. No PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 6/92, situated at Freegani, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 4-7-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be ansclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(2) The Binod Mills Co. 1td, through Shri Bhupendrakumar Sethi & Shri Tejkumai Sethi, Agar Road, Ujjain.

(Transferor)

(2) M/s. Auon Cotton & Oil Mills Ltd., 6/4, Snehalataganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal House No. 6/92, Madhay Nagar, Freegani (known as Manik Bhawan), Ujjain.

> D. P. PANTA. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, 4th Floor,
> Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

- Bhopal, the 4th February 1982

Re. No. IAC/ACQ/BP1/2333.--Whereas t, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 143 situated at Juni Kasera, Bakhal, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 12-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. Harakohand Ratanchand Shekhawat, 75, Sitabalamata Bazar, Indoic (Transferor)
- (2) Shri Govind S/o Brijinohan Jalan, R/o 2, Juni Kasena Bakhal, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 143 at Juni Kasera Bakhal, Indore.

D. P. PANTA.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. 4th Floor.
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 4-2-82.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2334.—Whereas J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 144, situated at Juni Kasera, Indore, (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 12-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Harakchand Ratanchand Shekhawat, 75, Sitalamata Bazar, Indore (Transferor)
- (2) Smt. Gora Bai W/o Brijmohan Jalan, 2, Juni Kasera Bakhal, Indore (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 144, at June Kasera Bakhal, Indore.

D. P. PANTA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4-2-82.

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2335.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House No. 154-A, situated at New Road, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 18-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——35—506G1/81

 Shri Noshir Shah Dalal S/o Darashah Dalal, H. N. 154-A, New Road, Ratlam.

(Transferor)

 Shri Laxmichandta Jam S/o Shu Pannalal Jain.
 Smt. Kamla Devi W/o Shri Laxmichandra Jain, Both R/o Pipalkhuta Village, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 154-A ward No. 16. New Road, Ratlam.

D. P. PANTA, Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-2-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2336.--Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. W-38, situated at Saketh Nagar Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

 Smt. Urmila W/o Shri Vasantrao, R/o 1.15, Jail Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagiya Laxmi Housing Society Ltd., Indore, 306, Shivaji Nagar, Indore. Through Chairman, Gopaldas Nagari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 38, Saketh Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Bullding, T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 30-1-82,

OCHI

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPI/2278.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 84, situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 10-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri J. Dilipsingh S/o Shri N. A. Laxmanan, R/o Alice De La Cascade 92500 France-through-Balram-Segan-agent, R/o 87, Narbada Road, Jabalpur.
   (Transferor)
- (2) Shri Deepak Piakash S/o Balram Segan, 87. Narbada Road, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 84—Sheet No. 83, plot No. 443, area 25928 Sq ft., Jabalpur.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 5-2-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2282.—Whereas I. D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. 1567, on Plot No. 168-A, situated at Napier Town, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 16-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri (1) Dinkar Gajanan Choudhary, (2) Dattatraya Gajanan Chaudhary, (3) Smt. Indira Bai Wd/o (Late) Shri Pandurao Gajanan Chaudhary, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Dulichand S/o Harmam Shriwas, R/o 1567B, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 1567 on plat No. 168.A at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal.

Date: 27-1-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2285.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of House No. 17/677 situated at Kalkanpara, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 11-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument cf transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sardar Attar Singh S/o Bawa Laxman Singh, Through-Attorney Shri Shanti Sarup, R/o Station Road, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Ashwin Kumar S/o Kunverji Sangri, R/o 17/677, Kalkanpara, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SHEDULE

Part of house No. 17/677, situated at Kalkanpara, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 28-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGF BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2294.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of House No. 207 situated at R. N. Tagore Marg, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Batul Begum D/o Karim Bhal, R/o 149, R. N. Tagore Marg, Indore.

  (Transferor)
- (2) Shri Kailashchand Agrawal, R/o 7, 8, 9, Joora Compound, Indore
  (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No 207, situated at A. N. Tagore Marg. Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 30-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/2308.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H. No. 1/423 situated at Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 9-6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Soth Ibrahim, Bhai S/o Shri Haji Gulam Hussain, Jinwale, R/o Chatri Chowk, Ujjam. (Transferor)
- (2) Shri Badrilal Agarwal, R/o Indore Gate, Ujjain.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SHEDULE

Portion of Municipal Corporation House No. 1/423, Phavara Chowk, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 5-2-1982

#### FORM LT.N.S.-

(1) Shri Seth Ibrahim, S/o Shri Haji Gulam Hussain R/o Chatri Chowk, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Bai W/o Shri Sohanlalji Agarwal R/o Indore Gate, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/2309.—Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 1/423 situated at Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 9-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of house No. 1/423, Fauwara Chowk, Ujjain (New No. 60).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Buildnig
T. T. NAGAR, BHOPA

Date: 5-2-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shii Fazal Hussam, S/o Yusufali Pithwan Bohara R/o Golmandi Bal hal, Ujajin.

(Transferor)

(2) Shri Galamalı S/o Haji Abduliaussain Pithewan Bohara, R/o Jansapura, Ujjain,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/Acg/Bpl/2310.—Whereas I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 31 situated at Helawadi, Ujiain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 24-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
36—506GI/81

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House & Bada at Helawadi, Ujjain, (House No 31).

D. P. PANTA Competer Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building, T. T. NAGAR, BHOFAL

Date : 5-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF IHL INSPECTING ASSTT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No IAC/Acq/BPL/2311 —Whereas,  $\bar{I}$ , D P PANTA,

being the compentent authority—under Section 269B of the Income tax Acr, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having—a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No Shed situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uijain on 2-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) M/s Agrawal Agencies, Industrial Area, Uajjan Partners (1) Babulal Jagannath (2) Rameshchand Badrilal (3) Krishnavallabh Ramchand, (4) Smt Indiradevi Jagdish prasad R/o Uijain and (5) Om pakash Ghimalal Garg, Indore
- (2) Shri Sujesh Chand S/o Badrull Mittal, Patwa bakahal, Ujjain

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shed at Industrial Arca, Ujjain Plot No 4, Agia Road, Hira Mill Road, Path No 7, Ujjain

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gannoth Building
T. T NAGAR, BHOPAI

Date 5-2-1982 Seal.

Bombay.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Motilal (2) Gautamchand (3) Harishchand

(Transferor)

(4) Jivraj, Burhanpur Ward No. 27, H. No. 279. (Transferee)

(1) Shri Jahanabaksh Eerosha Lalbagh, Burhanpur at Present Modi Building, Gamdya Colony Tardeo,

Present Modi Building, Gamdya

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2321.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Lalbagh, Burhanpur

(and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfrer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets 'which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cubsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Lalbagh, Burhanpur.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 5-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, MP.

Bhopal, the 24th June 1981

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2323 - Whereas I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

No Land situated at Rajgrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajgarh on 24 6-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in tespect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) The Birla Cotton Spinning & Weaving Mills, Ltd., Through, Parashchand Chhajed, R/o Birla Lines, Delhi

(Transferor)

- (2) 1 Mukesh Kumar & Natesh Kumar S/o Ashokkumai Jain
  - 3. Abhaiyakumar S/o Ratanlal
  - Ashok Kumai, Manik Chowk, Ratlam Smt Meenu, Bombay

  - 6 Smt Suraj, Bombay

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Village: Rajgarh .

D P PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotii Building, T. T. NAGAR, BHOPAL

3-2-1982 Date Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Chunilal, Girdharilal, Sons of Shri Mukund Ram, Etc., R/o Vill. Laharmipaliya, Tch. Dewas-(Transferor)

(2) M/s Geeta Lamsp and Camopnents P. Ltd., 25, Old Palasia, A. B. Road, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31d February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2328.—Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land situated at Laharpipalya, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 17-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act. I beach mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land at Loharpipalya Teh. Dewas.

D. P. PANTA
Computent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of In.ome-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Date: 3-2-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st January 1928

Ref. No. IAC/ACQ/MPL/2330.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Godown Kh. No. 74/1 situated at Vill. Dhanati, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 11-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Haji Haji Nabih Ahmed Dhebav, S/o Haji Ahmed Debar, R/o Bajnathpara, Raipur.

  (Transferor)
- (2) Shri Jikar Haji, Ahmed Dhebar Kabadi, R/o Bajnath-para, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1.562 Hector and godown faim, quarters situated at Vill. Dhancti, Kh. No. 74/1, 302/4.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL.

Date: 29-1-82

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2305.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flot No. 27 situated at Udyog Nagar, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-6-18891,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice' under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sewa Ram S/o Devasi Bhai, R/o 28, Khatipura, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Sharad Chand, (2) Shankarlal, (3) Satish Chander All Sons of Mohanlal (4) Lakesh Kumar S/o Ramdasji (5) Yogesh Kumar S/o Yashwant Kumarji R/o 20, R.E.T. Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SHEDULE

Plot No. 27, Udyog Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date 5-2-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATI., NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref No. IAC/Acq. II/Si 1/6 81/7990 -- Whetens I, V1MAL VASISIIT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-30, situated at Bungalow Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at De'hi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Piem Vati w/o S'ni Om Parkash, 1/0 C-30 Bunglow Road, Adaish Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sundarshan Jethi w/o Shiri Buhsan I al Jethi, 2. Shiri Ashok Jethi s/o Shiri Bhushan Lal Jethi, 1/o D-52, Prithvi Raj Road, Adaish Nagar, De'hi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storeyed building on southern portion of plot No. 30 Block C on Banglow Road, Adarsh Nagat, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

## G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/6-81/7961.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M-46, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
37—506GI/81

Shri Ashok Kumar s/o
 Shri Sada Nand,
 r/o D-11. East Nizamuddin,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Chadha s/o Shri Manohar Lal Chadha, r/o J-48, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. M-46 measuring 213 sq. yds, situated at Rajourt Garden, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

Scal:

### FORM NO. JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

IAC/Acq4II/SR-II/6-81/4665.—Whereas Ref. No. IAC VIMAL VASISHT, No.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land, 1100 sq. yds, situated at out of Khasra No. 560, Village Samepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insumment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Zile Singh,
 Shri Tarit Singh s/o Prem and
 Smt. Ramo d/o Prem and
 w/o Shri Sher Singh,

1/0 Village Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Joginder Kaur w/o Jasbir Singh, r/o F-1/3, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1100 sq. yds. out of Khasra No. 560 Village Sampur.

> VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/6-81/8009.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Front portion of property No. 4633,
situated at 19-A,Ansari Road, Darya Ganj, Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s S. Chand & Co. Ltd. Ram Nagar, New Delhi through its Director Shri Rajender Kumar Gupta s/o Shri Shyam Lal Gupta.

(Transferor)

(2) M/s Anand Traders, 2578, Naï Sarak, Delhi, through its partner Satish Chand Gupta, C-155, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Front portion of property No. 4633, 19-A, Antari Road, Darya Ganj, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/8008.---Whereas 1, VIMAL/VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Front portion of property No. 4633, situated at 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhio n June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s S. Chand & Co. Ltd;, Ram Nagar, New Delhi through its Director, Shri Rajendra Kumar Gupta, 16-B/4, Asaf Ali Road, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) M/s Tile Emporium, 3679, Chawri Bazar, Delhi, through its partner Shri Anand Kumar Jain, 7/3, Ansari Road, Daryaganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion of property No. 4633, 19-A, Ansari Road,. Darya Ganj, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delh'

Date : 11-2-1982

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/8021.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-aud bearing

G-2, E-2/16, situated at Datya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Saraswati Builders Ph. II, G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

 Vishwa Rama Hotel Ltd.
 2-B, Sagar Apartment, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. G-2, E-2/16, Darya Ganj, New Delhi.

VIMAL SASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date : 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR-II/6-81/4665.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8/31B, situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C  $\sigma'$ , the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nihal Chand Miglani,
 r/o 1074, Main Bazar, Najafgarh,
 New Delhi.

(Transferor)

Smt. Nasib Kaur, and
 Sanita Rani,
 r/o BE-231, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No 8/31B, Tilak Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND HLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4737,—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

One half of Plot No. 70, situated at New Multan Nagai, Rohtak Road, Delhi-110056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharamvir Singh Dahiya s/o Shri Umrao Singh Dahiya, D-19, New Multan Nagai, Rohtak Road, Delhi.
- (2) Shri Chander Parkash Dhingra, s/o Shri Mohan Lal Dhingra, 95/26, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 portion of Plot No. 70 Block 'D' New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC VIMAL VASISHT, IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4649.—Whereas being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

J-10/1.

situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of hte aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Som Nath & Satish Kumar, ss/o Shri Bhagwan Dass Vaid, r/o J-10/1, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Mohinder Kour w/o S. Amar Singh,
 S. Taranjit Singh s/o S. Amar Singh,
 S. Jagmohan Singh s/o S. Amar Singh,
 S. Banka Singh s/o S. Amar Singh,
 A. S. Banka Singh s/o S. Amar Singh, 7. S. Baika Singh, 5/0 S. Amar Singh, 6. Smt. Tajish Kaur w/o Jagmohan Singh, and 7. Smt. Ajit Kaur w/o S. Banka Singh, all r/o H-35, Rajouri Garden,

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

J-10/1, Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi.

VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 11th February 1982
No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4660.—Whereas

Ref. No. IAC VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

WZ-174, situated at Shyama Prasad Mukerjee Marg, Delhi, Kasra No. 15/16 & 15/25 Village Chaukhandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 38---506GI/81

(1) Smt. Lila Wati Munshi w/o Late Shri Maheshwar Nath Munshi d/o Shri Anand Ram Jalla, r/o 174, Shyama Prasad Mukerjee Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Puran Chand s/o Shri Remal Dass, r/o 9134, Gali No. 4, Multani Dhanda, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

WZ-174, Shyama Prasad Mukerjee Park, Delhi. Khasra Nos. 15/16 and 15/25 of Village Chaukhandi, Delhi.

> VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, I. P. Estate, New Delhi

Seal: Date: 11-2-1982

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4662.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under

Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Res. house, situated at in Lal Dora of Village Sahibabad Daulatpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kedar Nath s/o Shri Birdhu, Sahibabad Daulatpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev son of Shri Radha Kishan, B-163, Indra Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Res. house, situated in Lal Dora of village Sahibabad Daulatpur, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,

I.P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/7980.—Whereas IVIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat T-1, 31d floor, situated at E-2/16, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Saraswati Builders Ph. II, G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Jain, T-1, E-2/16, Darya Ganj, Dethi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat T-1, 3rd floor at E-2/16, Darya Ganj, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

1AC/Acq.-II/SR-II/6-81/4816.—Whereas No. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Factory, situated at Lal dora of village Bhorgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of , 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Duli Chand s/o Lekh Ram, Bhor Carh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Priyadarshi Tripathy 5/0 Shri K. B. Tripathy, 51/4, Andrews Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory built-upon 226 sq. yds in Lal Dora of village Bhor Garh, Delhi.

> VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, I. P. Estate, New Delhi

Date : 11-2-1982 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4664.--Whereas Ref. No. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mustatil No. 23 & 24,

situated at Village Mazapur, Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ganpat Rai s/o Shri Chatru Mal, r/o 4530, Dai Wala, Nai Sarak. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajbir Singh s/o Chet Ram, Village Palam, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mustatil No. 23 & 24, Village Mazapur, Palam, New Delhi.

> VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, G-13 Ground Floor C.R. Building I. P. Estate, New Delhi

Date : 11-2-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

IAC/Acq-II/SR-II/6/81/4758.—Whereas, No. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-51, New Multan Nagar, situated at Rohtak Road, Delhi & Khasra No. 1/16/2, Village Jawala Heri, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ianstrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Pandit Radhey Shyam s/o Late Pandit Nandan Lal, Bhagwati Devi d/o Pandit Sohan Lal, w/o Pandit Radhey Sham. A-51, New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Kishore Maheshwari s/o Shri Dwarka Pershad Maheshwari, 5/5770, Gali No. 3, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-51, New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi, Khasra No. 1/16/2, Village Jawala Heri, Delhi,

VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Rcf. No. IAC/Acq. II/SR. II/6-81/4698.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-111, situated at Village Naraina, Inderpuri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Shri Hari Singh s/o Shri Mehar Singh,
 r/o WZ-2B, Vishnu Garden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Meghraj Aggarwal s/o Shri Kapur Chand, r/o 6-E, Rani Jhansi Road, New Delhi-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold plot of land No. 111 measuring 500 sq. yds in Block 'C' in the area of Village Naraina, in the Abadi of Inderpuri Colony, New Delhi-12.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
G-13 Ground Floor C.R. Building
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. FSTATH, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR, 1I/6-81/4654.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

V-248, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or 'evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Shri Dharma Nand Sharma s/o Late Pt. Piare Lal Sharma, 1/o 2-C/12, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ram Avtar Nagpal s/o Shri Gian Chand Nagpal,

2. Mrs. Ranjana Nagpal, w/o Shri Ram Avtar Nagpal, r/o 37A(MIG) DDA Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing plot No. 248 in Block V, measuring 239 sq. yds, situated at Rajouri Garden, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
G-13 Ground Floor C.R. Building
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dewan Chand s'o Shri Sada Rang, 1/o A-1/267 Janakputi, New Delhi.

(Transferor)

3703

(2) Smt. Inderjit Kaur w/o Shri Gurdip Singh, r/o 1476, Dariba Kalan, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NFW DEI HI
New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/6-81/8050.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

39/7-8, situated at Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
39—506GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. 39/7-8, Ramesh Nagar, New Delhi

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, G-13 Ground Floor C.R. Building I. P. I-state, New Delbi

Date: 11-2-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Nirmal Bhatia w/o Shrl Sudesh Lal Bhatia, r/o 34/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Bhatia s/o Shri Krishan Lal Bhatia, r/o 34/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR. I/6-81/7959.—Whareas 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34/5, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid vacceds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persor's, namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 34/5 constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds, situated at East Patel Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 15-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/6-81/8028.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4455, situated at Pahri Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Deropati Devi w/o Late Shri Gian Chand Jain, r/o 4628, Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

1. Sv/Shri Pawan Kumar Jain,
 2. Arun Kumar Jain &
 Vipin Kumar Jain ss/o
 Shri Raghbir Chand Jain,
 r/o 3783, Gali Nai Basti,
 Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 4455, situated on Main Road, Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi.

Date: 11-2-1982

(1) Shri Sham Krishana s/o Shri Banarsi Dass, r/o 23, Mahadev Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lallsons Bhagat & Associates, 56, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 11th February 1982

No. IAC/Acq. II/SR. II/6-81/4656,—Whereas VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Village Razapui Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIAMATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 19 bighas & 19 biswas, Village Razapur Khurd, Delhi State, Delhi. situated at

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authroity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, I. P. Estate, New Delhi

Date : 11-2-1982 Seal :

Delhi on June, 1981

## FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION KANGE-II,
G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I P ESTATH, NEW DELHI

New Delhi the 11th Lebruary 1982

Ref No 1AC/Acq II/SR 1/681/8088—Whereas I SMT VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

3/28 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Hans Raj Mehi s/o Late Shri Shori Lal, 3/28 East Patel Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt Renu Dhawan w/o Shri Sushil Dhawan, r/o J-391 New Rajinder Nagai, New Delhi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

 $2\frac{1}{2}$  storcyed house bearing No 3/28, situated at East Patel Nagar, New Delfin

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I P Estate, New Delhi

Date 11 2 1982 Seal .

#### FORM ITN9---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/6-81/4647.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

WZ-417; situated at Shiv Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sumitra Devi r/o WZ-417 Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Paiamjit Kaur, r/o F-5, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. WZ-417, bearing plot No. C-A/6, situated at Shiv Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. 1/6-81/8020.—Whoreas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-2/16, situated at Daiya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Saraswati Bullders Phast. II, G-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

 M/s Aggarwal Associates, 61, Babar Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion of property No. E-2/16, Daiya Ganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-11/SR-11/6-81/4701.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 49, C, Block J-5,

situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as uforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 6mt. Prabha Rani w/o Shri B. N. Kaushik, J-5/49-C, Rajouri Gaiden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chater Kaur, Shri Jugmohin Singh, Shri Harpal Singh, J-6/149, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall, have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 49-C, Block J-5, at Rajouri Garden, area of Village Tutarpur, Delhi State, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
I. P. Estate, New Delhi

Date: 11-2-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Daryao Singh s/o Sh. Gordhan, Vill. Nizampur, Rashidpur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Parkash s/o Sh. Baru Mal & Sh. Dharam Pal s/o Sh. Lakhi Ram, C-21, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND HIOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/6-81/4686.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 21 Bighas 12 Biswas situated at K. No. 53/8, 9, 10, 13 at Vill. Nizampur, Rashidpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

40--506GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 21 Bighas 12 Biswas, K. No.s 53/8, 9, 10, 13 situated at Vill. Nizampur, Rashidpur, Delhi.

VIMAL VAS[SHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
I.P. Estate, Delhi/New Delhi

Date: 11-2-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/6-81/4772.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the talk market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chuni s/o Sh. Mangla, 1/o Vill. Salamar, Delhi,

(Transfeior)

(2) Shri Hans Raj s/o Sh. Dhani Ram, r/o A-1-A, Rama Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 40 bighas 16 biswas situated at Village Burari, Delhi.

VIMAI. VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
I.P. ESTATE Delhi/New Delhi

Date: 11-2-1982

FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/6-81/4773.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Khushal s/o Sh. Mangla, r/o Vill. Salamar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Amrit Lal S/o Sh. Dhani Ram, r/o A-1-A, Rama Road, Adarsh Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 40 bighas 16 biswas situated at Village Burari, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
I.P. ESTATE Delhi/New Delhi

Date: 11-2-1982

### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 11th February 1982

Ref. No, IAC/Acq. II/Sr, II/6-81/4771.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jai Chand s/o Sh. Mangala, R/o Vill. Salamar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hukam Chand s/o Sh. Dhani Ram, r/o A-1-A, Rama Road, Adarsh Nagar, Delbi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 40 bighes 16 biswas situated at Village Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 11-2-1982

## FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/81-82/7967.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 484-B, Khasra No. 63, situated at Village Bharola Azadpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Niwas s/o Sh. Banwari Lal, r/o D-2/7, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Nath Chopta & Narinder Kumar Chopta Ss/o Prem Nath Chopta, r/o 4532, Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

484-B, measuring 180 sq. yds. out of khasra No. 63, comprising 4 rooms, kitchen, latrine, bath and a courtyard in the centre in the area of Vill. Bharola Azadpur, Delhi,

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1982

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Pritam Singh s/o Sh. Gaba Ram, R/o D-2, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Mittar W/o Sh. R. L. Mittal, R/o WZ-9, Rattan Park, New Delbi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-81/8073.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/and bearing

No. WZ-9 situated at Rattan Park, Basai Darapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. WZ-9, built on Plot No. R-21, Measuring 115½ sq. yds, out of Kh. No. 3003/1515/3 at Rattan Park, Basai Darapur, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1982

## FORM INTS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI HI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-81/7991.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. B-2, situated at Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Saraswati Builders Phase-II, G-1/16, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Mahendra, I-2/16, Darya Ganj, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-2 460 sq. ft. Basement floor at E-2/16, Darya Ganj, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th February 1982

Ref. No. IAC/Acq-I SMT. VIMAL VASISHT, IAC/Acq-II/SR-J/6-81/7965,---Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-2/16 situated at B-3 at Darva Gani, New Delhi out of property No. E-2/16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Saraswati Builders Phase-II, G-1/16, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Smt. Champa Wati W/o Chand Badhur Gupta r/o 111, Darya Ganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Left Wing Basement, having an area of 330 sq. ft. Private No. B-3 situated at Darya Ganj, New Delhi out of property No. E-2/16.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1

KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR 621, MOUNT ROAD

Madras-600 006, the 16th February 1982

Ref. No. 102/June/81.-Whereas I

R. RAVICHANDRAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 32, Beasant Road situated at Chockikulam, Madurai-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam Madurai on 3-6-1981 (Document No. 2617-81)

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1, C. K. Chockalingam,

C. K. Murugan
 C. K. Balasubramanian,

4. K. Chandra, 5. T. Dhanam, and

6. D. Saroja.

No. 32, Besant Road, Chockikulam, Madurai-2.

(2) 1. O. RM. M. SP. SV. AN. Annamala Chettiar.

A. Thirunavukkarasu Chettiar,
 AN. Lakshmanan Chettiar.

 A. Chinnasevukan Chettia.
 No. 27, Chatrathar Street, Devakottai. (Ramnad Dt.)

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at (Door No. 32, Besant Road, Chocki-kulam, Madurai-2. Document No. 2617/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16-2-1982

PRINTID BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRISS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1982